गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Friday, 24 July, 2026 वर्ष 23 अंक 84, गुवाहाटी, शुक्रवार 24 जुलाई, 2026, आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष-10 मूल्य : दस रुपये पेज-12

पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान पर लाखों की ठगी का आरोप-10

देर रात तक जागने और खाने की आदत बिगाड़ रही है आपका मेटाबॉलिज्म-12

असम में बाढ़ : शिवसागर में गुरुवार को भी बाढ़ की स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर गुवाहाटी में तेज बारिश के बाद जलमग्न सड़क।

सुप्रभातम्

क्रोध एक ऐसा तेज़ाब है जो जिस बर्तन में रखा जाता है, उसी को सबसे पहले नष्ट करता है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा असम पुलिस के समक्ष पेश

गुवाहाटी, 23 जुलाई (भा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा आज असम पुलिस की अपराध शाखा के सामने पेश हुए। यह मामला मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी की ओर से दर्ज कराया गया था। खेड़ा ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और देश के बाहर संपत्ति है। इसके बाद खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। राज्यसभा सदस्य खेड़ा तीसरी बार पुलिस के सामने पूछताछ के लिए पहुंचे। अपराधा शाखा थाने के बाहर पत्रकारों से खेड़ा ने कहा कि जब भी वे मुझे बुलाते हैं, मैं आने की कोशिश करता हूं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह पिछली दो तारीखों पर पेश नहीं हो पाये थे, क्योंकि एक बार उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और **शेष पृष्ठ आठ पर**

डिब्रुगढ़ में गोलीबारी तीन युवक घायल

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम के डिब्रुगढ़ जिले के लाहोवाल के पास कल रात हुई गोलीबारी की घटना में तीन युवक घायल हो गये। रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात हमलावरों ने युवकों पर कथित तौर पर गोलियां चलायीं। जानकारी के अनुसार पीड़ित एक दोपहिया वाहन पर डिब्रुगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान घोरामारा इलाके के पास अज्ञात लोगों के एक समूह ने उन्हें रोक लिया। बताया जा रहा है कि हमलावर एक लग्जरी वाहन से पहुंचे थे और युवकों पर गोली चलाने के बाद मौके से फरार हो गये। घायलों में चबुआ के रंगचांगी कोपोवुवा गांव निवासी रंतु गोगोई के पैर में गोली लगी है। हमले में दिप्योति गोगोई **शेष पृष्ठ आठ पर**

शाह ने फिर ली बाढ़ की स्थिति की जानकारी

अंतर-मंत्रालयी दल असम आएगा : सीएम

गुवाहाटी, 23 जुलाई (भा)। असम में बाढ़ की स्थिति भयावह बनी हुई है। आज मुख्यमंत्री ने फिर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। शर्मा ने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल जल्द ही राज्य का दौरा करेगा। इस वर्ष अब तक बाढ़ से अब तक कम से कम 41 लोगों की मौत हो चुकी है और 6.50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुछ देर पहले मुझे गृह मंत्री अमित शाह का फोन आया। असम में बाढ़ की अप्रत्याशित स्थिति को देखते हुए उन्होंने मुझे बताया कि नुकसान का आकलन करने और प्रभावित लोगों की आजीविका के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक केंद्रीय सहायता तय करने में मदद के वास्ते एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल जल्द ही राज्य का दौरा करेगा। उन्होंने इस मुश्किल समय में असम के लोगों के साथ खड़े रहने के लिए शाह का आभार जताया। शर्मा ने बाद में गोलाघाट जिले के कोमरबोंधा में राहत शिविर का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अमित शाह ने आज मुझे फोन किया और स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों वाली केंद्रीय टीम आज या कल राज्य का दौरा करेगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खेत डूब गये हैं, महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट हो गये हैं और पशु बह गये हैं। शर्मा ने कहा कि लोग मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं और सरकार उनकी हर संभव मदद करने की कोशिश करेगी। उन्होंने सबसे अधिक प्रभावित पूर्वी जिलों का लगातार दूसरे दिन दौरा किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि असम में बाढ़ से हुई तबाही का पैमाना अकल्पनीय है। इस आपदा से 25 जिलों के 1,800 से अधिक गांवों में नौ लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 41 लोगों की **शेष पृष्ठ आठ पर**

सरकार के लिए छात्रों का हित सर्वोपरि: हिमंत

गुवाहाटी, 23 जुलाई (भा)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने के लिए त्वरित अदालतें स्थापित करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्देश इसका प्रमाण है। शर्मा ने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि डबल इंजन सरकार के लिए देश के युवाओं का भविष्य सर्वोपरि है और दोषियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाने के लिए मामलों का त्वरित निपटारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संबंधित विभागों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने इसे छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर **शेष पृष्ठ आठ पर**

पेपर लीक पर बोले पीएम मोदी

बनाएंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज एलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाये जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है। पीएम मोदी ने पर पोस्ट कर कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28% है, यानी जितने नये मामले आये, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नये मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जुलाई को संसदीय दल की बैठक में कहा कि पेपर लीक की खबर मिलते ही सरकार ने तुरंत **शेष पृष्ठ आठ पर**

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने तक संसद नहीं चलेगी : राहुल

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नयी दिल्ली स्थित आवास पर आज आज इंडिया गठबंधन की बैठक बुलायी गयी। पेपर लीक मामले को लेकर इंडी गठबंधन के लोकसभा और राज्यसभा के सांसद इस बैठक में शामिल हुए। राहुल गांधी के घर चल रही बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एनसीपी शरद गुट से सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश समेत विपक्ष के कई बड़े नेता पहुंचे। राहुल गांधी के आवास पर एक के बाद एक कई विपक्षी नेता पहुंचे। राजद सांसद संजय यादव, परिणीति शिंदे और शफी परम्बिल भी राहुल गांधी के आवास पर पहुंचे हैं। प्रमोद तिवारी, अखिलेश प्रसाद सिंह और इमरान प्रतापगढ़ी समेत कई सांसद राहुल गांधी के आवास पहुंचे। गठबंधन की इस बैठक के बाद राहुल गांधी तमाम विपक्षी नेताओं के साथ गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होने तक संसद नहीं चलेगी। पीएम मोदी को धर्मेंद्र प्रधान को मंत्री पद से हटाना होगा। राहुल गांधी **शेष पृष्ठ आठ पर**

सरकार बोली-सीजेपी को 4 बार वार्ता के लिए बुलाया

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। सरकार ने आज कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सीजेपी को जेपी नड्डा के घर या ऑफिस पर बातचीत के लिए 4 बार ऑफर भेजा जा चुका है। हालांकि सीजेपी ने कहा है कि सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या फिर किसी न्यूट्रल जगह पर चर्चा करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। इधर, सीजेपी ने अब कल देशभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का एलान किया है। गौरतलब है कि 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में 28 जून से शामिल हुए सोनम वांगचुक के अनशन का आज 26वां दिन हैं। वांगचुक फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। आज सुबह हजारों प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए। उन्होंने शिक्षा **शेष पृष्ठ आठ पर**

असम विस में 2.85 लाख करोड़ का बजट पारित

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2 लाख 85 हजार 84 करोड़ रुपये का राज्य बजट पारित हो गया है। आज विस में असम विनियोग विधेयक-2026 के स्वीकृत होने के साथ ही बजट पारित होने की प्रक्रिया संपन्न हुई। विस अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने औपचारिक रूप से बजट पारित होने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि गत 10 जुलाई को राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश किया था, जो वित्त मंत्री के रूप में उनका पहला बजट था। इस बजट में जन कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने के साथ-साथ रोजगार, कृषि, छोटे चाय बागान स्वामियों, प्राकृतिक गैस के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गये हैं। छोटे चाय उत्पादकों को वित्तीय राहत देने के लिए उनके टैक्स छूट की सीमा को चार गुना बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि असम की अर्थव्यवस्था में उनके महत्वपूर्ण योगदान को बढ़ावा मिले। वहीं पाइप के जरिए सप्लाई होने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पर वैट को लगभग 10 प्रतिशत घटाने का प्रस्ताव है, जिससे उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ कम होगा और पीएनजी के इस्तेमाल को प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार ने पिछले पांच वर्षों की सभी प्रमुख योजनाओं को 2026-27 में भी जारी रखने का फैसला किया है। **शेष पृष्ठ आठ पर**

लश्कर के दो आतंकियों के घर ढहाये गये

श्रीनगर, 23 जुलाई (एजें)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने आज लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के घर लगाकर ध्वस्त कर दिये। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गयी। अधिकारियों के मुताबिक जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कांस्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था। भारतीय रिजर्व पुलिस और **शेष पृष्ठ आठ पर**

देशभर में नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में आज भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। बिहार के कटिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ है। छात्र अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो ईंट-पत्थर चलाये गये। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस की कांग्रेसियों से झड़प हो गयी। छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान में भी प्रदर्शन हुए। बेगूसराय में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया है। छात्र गेट पर चढ़ गये हैं। पुलिस सभी से पीछे हटने की अपील करती रही। पटना कॉलेज के पास छात्र फिर सड़कों पर उतरे। अशोक राजपथ पर जाम लगा दिया है। थोड़ी देर बाद पुलिस ने छात्रों को डिटेन किया। उन्हें बस में भरकर ले जाया जा रहा है। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, हम लोग पीछे हटने वाले नहीं हैं। राजस्थान के बांसवाड़ा में नीट पेपर लीक के विरोध में आज कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बांसवाड़ा में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पहले कुशलबाग में एकत्रित हुए और वहां से रैली निकालकर दोपहर करीब 12.45 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर झड़प हुई और हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। रायपुर में भाजपा और कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुए बवाल के बाद पुलिस ने कांग्रेस के 12 नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिसकर्मियों **शेष पृष्ठ आठ पर**

गुफ्त-गू

एंटीबायोटिक दवाओं के गलत इस्तेमाल से वैश्विक स्वास्थ्य संकट में

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। दुनिया के अधिकांश देशों में एंटीबायोटिक दवाओं का जरूरत से ज्यादा और कई मामलों में गलत इस्तेमाल हो रहा है। एक नये अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया है कि लगभग सभी देश विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वॉच श्रेणी की एंटीबायोटिक्स का आवश्यकता से अधिक उपयोग कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यही प्रवृत्ति एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस (दवाओं के प्रति बैक्टीरिया का प्रतिरोध विकसित होना) जैसी गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य समस्या को बढ़ा रही है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। इसमें यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन सहित कई संस्थानों के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसकी मदद से देश यह आकलन कर सकेंगे कि उनकी स्वास्थ्य जरूरतों के अनुरूप एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल हो रहा है या नहीं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे दवाओं के अनावश्यक और अनुचित उपयोग पर नियंत्रण लगाने में मदद मिल सकती है। डब्ल्यूएचओ एंटीबायोटिक्स को एक्सेस, वॉच और रिजर्व तीन श्रेणियों में बांटता है। इनमें एक्सेस दवाएं **शेष पृष्ठ आठ पर**

सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द, सुप्रीम कोर्ट ने तीन हफ्ते में सरेंडर करने का दिया आदेश

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (एजें)। सुप्रीम कोर्ट ने आज मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की कथित हत्या की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस समय उसकी रिहाई से ट्रायल में बाधा आ सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने यह आदेश पारित किया. सोनम की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता अर्धेंदुमौली कुमार प्रसाद ने की और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेघालय सरकार का पक्ष रखा। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि उच्च न्यायालय और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की तामील में कथित कमियों के आधार पर उसे राहत देने में गलती की। पीठ ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तारी के आधार न देना, जांच के उद्देश्य से दोबारा गिरफ्तार करने में रुकावट नहीं बनेगा। जस्टिस सुंदरेश ने आदेश सुनाते हुए कहा कि तथ्यों के आधार पर, हम पाते हैं कि प्रतिवादी (सोनम **शेष पृष्ठ आठ पर**

पेज : 6 मोदी के बारह वर्षों की सौगात

पेज : 8 सिनेमा हॉल में फूट-फूटकर रोये परवेश, विपक्ष ने उड़ाया मजाक

पेज : 9 मुख्यमंत्री का संबल सखी यंग प्रोफेशनल्स से संवाद

प्रातः खबर
गुवाहाटी, शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026

विधानसभा के गलियारे से

अखिल दिनभर के लिए सदन से निष्कासित

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने अध्यक्ष के अनुरोध की बार-बार अनदेखी करने और मेज पर चढ़ जाने के कारण रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई को पूरे दिन के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। यह घटना विस में प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद हुई। गोगोई ने सदन के अन्य सभी कार्यों को स्थगित कर जोरहाट, शिवसागर और चराईदेव जिलों में आई भीषण बाढ़ पर चर्चा करने के लिए नियम 56 के तहत स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था। विस अध्यक्ष ने गोगोई को इस मुद्दे को उठाने और उस पर दो मिनट बोलने की अनुमति दी थी। गोगोई ने कहा कि सदन को ऊपरी असम के बाढ़ पीड़ितों की दुर्दशा पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और विधानसभा को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से इस बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऊपरी असम में कई सालों बाद इतनी भयानक बाढ़ आई है, जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है और कई अन्य लापता हैं। गोगोई के दो मिनट से अधिक समय तक बोलने के बाद अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा ही एक प्रस्ताव कल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा भी लाया गया था। उन्होंने तब स्पष्ट किया था कि जिस दिन बजट या अनुदान की मांगों पर चर्चा होती है, उस दिन स्थगन प्रस्ताव की अनुमति नहीं होती है। अध्यक्ष ने ध्यान दिलाया कि आज के कामकाज में 2026-27 के अनुदान की मांगों पर चर्चा व मतदान के साथ-साथ राज्य के बजट का पारित होना शामिल है, इसलिए उन्होंने गोगोई के नोटिस को खारिज कर दिया। इसके बावजूद गोगोई ने इस मामले पर कुछ और मिनट बोलने की मांग की। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने गोगोई को मामला उठाने की अनुमति केवल इसलिए दी थी क्योंकि उन्होंने दो मिनट में बात खत्म करने का वादा किया था, लेकिन वे अपने वादे पर कायम नहीं रहे। जब गोगोई अपनी मांग पर अड़े रहे और अपनी सीट के सामने वाली मेज पर चढ़ गए, तो अध्यक्ष ने उन्हें दिन भर के लिए सदन से बाहर कर दिया। गोगोई द्वारा बाहर जाने से मना करने पर मार्शलों ने उन्हें उठाकर सदन से बाहर निकाला, जिसके बाद विस की सामान्य कार्यवाही फिर से शुरू हुई।

10 वर्षों में 8,500 से अधिक सरकारी स्कूलों का हुआ विलय

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने आज सदन को बताया कि शिक्षा एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई प्लस) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 की तुलना में 2026 में असम में सरकारी स्कूलों की संख्या में 8,591 की कमी आई है। निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई के एक लिखित सवाल के जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रांतीयकरण अधिनियम 2017 के तहत कुल 3,805 वेंचर स्कूलों का प्रांतीयकरण करके उन्हें मुख्य स्कूलों में मिला दिया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रावधानों के अनुसार एक आदर्श विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होनी चाहिए। इसी आधार पर प्राथमिक स्कूलों का माध्यमिक स्कूलों में विलय किया जा रहा है, जिसे जनता से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। डॉ. पेगू ने कहा कि वास्तविक अर्थों में स्कूलों को बंद नहीं किया गया है, बल्कि केवल उनका एकीकरण किया गया है। विलय की इस प्रक्रिया से छात्रों की सीखने की क्षमता में सुधार हुआ है, स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ी है और पढ़ाई छोड़ने की दर में कमी आई है। इस दौरान राज्य में उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्या 2016 के 925 से बढ़कर 2026 में 1,391 हो गई है, यानी इसमें 466 की बढ़ोतरी हुई है। कुल स्कूलों की संख्या भले ही कम दिख रही हो, लेकिन पूर्ण विकसित यानी पूर्णांग विद्यालयों की संख्या में इजाफा हुआ है। जवाब के साथ संलग्न आंकड़ों के अनुसार 2016-17 से 2025-26 के दौरान सरकारी और प्रांतीयकृत स्कूलों में शिक्षकों की संख्या में 15,326 की कमी आई है, जबकि इसी अवधि में निजी स्कूलों में 51,214 नए शिक्षक जुड़े हैं। इसी तरह सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन 7,35,446 घटा है, जबकि निजी स्कूलों में नामांकन 9,40,566 बढ़ा है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 में राज्य के 3,031 निचले और उच्च प्राथमिक सरकारी स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे थे, जबकि 15,270 स्कूलों में दो शिक्षक और 8,115 स्कूलों में तीन शिक्षक कार्यरत थे।

21,658 स्कूलों को मरम्मत की जरूरत

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने बताया कि प्रदेश के कुल 44,000 से अधिक स्कूलों में से 21,658 स्कूलों को तुरंत बड़े मरम्मत कार्य की आवश्यकता है। असम गण परिषद (अगप) विधायक दीप्तिमयी चौधरी के एक लिखित सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि असम में 325 प्रांतीयकृत कॉलेज, 18 सरकारी आदर्श महाविद्यालय या आदर्श महिला महाविद्यालय और 6 पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय कार्यरत हैं। इन कॉलेजों में संकाय के 1,024 पद खाली पड़े हैं, जिन्हें प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही नियमानुसार भरा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के 50 कॉलेजों और 8 विश्वविद्यालयों के पास अभी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नाक) की मान्यता नहीं है। वहीं कांग्रेस विधायक नूरुल इस्लाम के एक सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों में 7,588 और माध्यमिक विद्यालयों में 2,769 ट्यूटर सेवाएं दे रहे हैं।

389 विद्यालयों में हिंदी शिक्षक नहीं

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने आज सदन को बताया कि असम के प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले सामान्य क्षेत्रों के 659 विद्यालयों में विज्ञान शिक्षक और 389 विद्यालयों में हिंदी शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। असम गण परिषद (अगप) की विधायक दीप्तिमयी चौधरी के एक लिखित सवाल के जवाब में मंत्री ने माध्यमिक शिक्षा निदेशालय असम के अधीन (अंग्रेजी, विज्ञान, हिंदी, संस्कृत, खेल) शिक्षकों की कमी वाले और उच्चतर माध्यमिक में विषय शिक्षकों के रिक्त पदों को जल्द भरने की बात कही।

12,838 पंजीकृत सहकारी समितियां

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। सहकारिता विभाग के मंत्री कौशिक राय ने बताया कि राज्य में इस समय कुल 12,838 पंजीकृत सहकारी समितियां हैं। इनमें से 8,053 समितियां सक्रिय हैं, 3,500 निष्क्रिय पड़ी हैं और 1,285 परिसमापन के दौर से गुजर रही हैं। कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन सिकदर के पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने जानकारी दी कि पिछले पांच वर्षों में 3,700 नई समितियां पंजीकृत की गई हैं, जबकि राज्य की 3,440 सहकारी समितियों ने अभी तक अपना आंतरिक ऑडिट नहीं कराया है।

25 विकास प्राधिकरण गठित

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने बताया कि राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप नियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए कुल 25 विकास प्राधिकरण गठित किए गए हैं। असम नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम-1959 के तहत बनाए गए इन प्राधिकरणों में तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, शिवसागर, जोरहाट, नाजिरा-शिमलूगुड़ी, तेजपुर, नगांव, जागीरोड, नलबाड़ी, बंगाईगांव, सिलचर, गोलाघाट, उत्तर लखीमपुर, सोनारी, डिफू, देरगांव, विश्वनाथ, करीमगंज, धुबरी-गौरीपुर, मंगलदै, ग्वालपाड़ा, कोकराझार, धेमाजी, बरपेटा और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) शामिल हैं। भाजपा विधायक चक्रधर गोगोई के पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि इन सभी प्राधिकरणों का मुख्य उद्देश्य शहरों और आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना, व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देना तथा जनता के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के लिए एक बेहतर रहने योग्य वातावरण तैयार करना है। इस संशोधित अधिनियम के अनुसार, विकास प्राधिकरणों को भवनों के निर्माण, परिवर्तन, नवीनीकरण या उन्हें हटाने की अनुमति देने के साथ-साथ सड़कों, जल निकासी, नालों और जलापूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को लागू करने का अधिकार दिया गया है। इन कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए प्राधिकरणों को आवश्यक वित्तीय शक्तियां भी प्रदान की गई हैं।

2.48 करोड़ से अधिक राशन कार्ड लाभार्थी

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम में कुल 70,31,300 परिवारों के 2,48,64,157 लाभार्थियों के पास राशन कार्ड उपलब्ध हैं। यह जानकारी आज असम विधानसभा में खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री कौशिक राय ने कांग्रेस विधायक बेबी बेगम के एक सवाल के लिखित जवाब में दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राशन कार्ड धारकों को अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) और प्राथमिकता वाले परिवारों (पीएचएच) की दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जुलाई महीने के ऑनलाइन चावल वितरण आंकड़ों के अनुसार राज्य में 6,65,624 एएवाई और 63,65,676 पीएचएच लाभार्थी परिवार पंजीकृत हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि अब बीपीएल और एपीएल की पुरानी व्यवस्था लागू नहीं है, इसलिए विभाग के पास इन श्रेणियों का कोई अलग आंकड़ा मौजूद नहीं है।

कलिता और नाथ योगी समुदाय को एसटी दर्जा देने का कोई प्रस्ताव नहीं

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के जनजाति मामलों के मंत्री (मैदानी क्षेत्र) डॉ. रनोज पेगु ने असम विधानसभा में बताया कि असम सरकार के समक्ष फिलहाल कलिता और नाथ योगी समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई के एक सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने आगे स्पष्ट किया कि राज्य के छह अन्य प्रमुख समुदायों ताई आहोम, चुटिया, मटक, मोरान, कोच-राजबंशी और चाय जनजातियों को एसटी का दर्जा देने का मामला पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसके लिए संसदीय प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है। इसी वजह से राज्य सरकार इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं कर सकती है।

बाढ़ प्रभावित जिलों में खाद्य आपूर्ति और बाजार मूल्य की समीक्षा के लिए मंत्री राय ने की बैठक

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री कौशिक राय ने आज ऊपरी व उत्तरी असम के बाढ़ प्रभावित जिलों के जिला आयुक्तों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। इस बैठक में उन्होंने राहत सामग्री के वितरण, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और बाजार मूल्य की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य और अन्य आवश्यक सामग्रियों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का मूल्यांकन किया गया। मंत्री कौशिक राय ने सभी जिला आयुक्तों और संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ बाढ़ पीड़ितों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाने के निर्देश दिए। त्वरित कार्रवाई, निरंतर निगरानी और समय पर कदम उठाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस आपदा के समय जरूरी सामानों की आपूर्ति किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हर जिले की टास्क फोर्स को मुस्तैद रहकर बाजार में जरूरी चीजों की कीमतों पर पैनी नजर रखने और बेवजह दाम बढ़ाए जाने पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बिश्वरंजन सामल ने खरीदे गए शेष धान को जल्द मिलों में पिसवाकर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को चावल सौंपने पर जोर दिया ताकि धान को नुकसान न हो, साथ ही जिला स्तरीय टास्क फोर्स से बाजार भाव पर कड़ी निगरानी बनाए रखने का आग्रह किया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विभाग की सचिव अनसूया दत्त बरुआ, एफसीआई के महाप्रबंधक मनोज कुमार, आयुक्त हेमंत भुइयां, एएफडीयूसीएल के प्रबंध निदेशक पारिजात भुइयां समेत सभी जिलों के आयुक्त व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कई अभिनेताओं ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों का किया समर्थन

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (भा)। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के बाद फिल्म जगत के कई कलाकार उनके समर्थन में सामने आए हैं। सलमान खान, आलिया भट्ट, करीना कपूर खान और कमल हासन समेत कई सितारों ने छात्रों की मांगों का समर्थन किया है। मशहूर खान अभिनेताओं में सबसे पहले सलमान खान ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छात्रों की बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग उचित है, लेकिन आंदोलन का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। सलमान ने कल रात लिखा कि यह एक शांतिपूर्ण आंदोलन था। दुख है कि यह हिंसक हो गया। घायल छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। प्रश्नपत्र लीक गंभीर मुद्दा है और यह देखकर खुशी है कि देश के बच्चे बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए एकजुट हुए हैं तथा उनके माता-पिता ने भी उनका साथ दिया।''

विशेष श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

गुवाहाटी, 22 जुलाई (ख.सं.)। असम साहित्य सभा द्वारा आज अपने पूर्व अध्यक्ष, मूर्धन्य कवि, गीतकार, उपन्यासकार और बाल-साहित्यकार नवकांत बरुआ की जन्म शताब्दी के अवसर पर गुवाहाटी स्थित भगवती प्रसाद बरुआ भवन में एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन उपसमिति के संयोजन और सेउज स्वर्ण शाखा साहित्य सभा की मेजबानी में संपन्न इस कार्यक्रम में कृष्णकांत हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. प्राणजीत बोरा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस दौरान डॉ. बोरा ने नवकांत बरुआ के प्रसिद्ध काव्य संग्रह हे अरण्य, हे महानगर के अंग्रेजी अनुवाद द वुड्स, द सिटी का औपचारिक विमोचन किया। इस पुस्तक का अनुवाद कॉटन कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर प्रदीप आचार्य ने किया है। डॉ. बोरा ने कहा कि नवकांत बरुआ सदैव असम के एक सर्वमान्य और वरेण्य साहित्यकार रहेंगे तथा इस अनुवाद ग्रंथ का प्रकाशन कर असम साहित्य सभा ने अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारी को बखूबी पूरा किया है। साहित्य सभा के उपाध्यक्ष पदुम राजखोवा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में उन्होंने नवकांत बरुआ को असमिया कविता का सम्राट बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मातृभाषा के शुद्ध प्रयोग और संरक्षण से ही किसी जाति का अस्तित्व अक्षुण्ण रह सकता है। वहीं साहित्य सभा के महासचिव देवजीत बोरा ने कहा कि यह आयोजन असमिया साहित्य और समाज में नवकांत बरुआ के ऐतिहासिक योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक माध्यम है। सम्मानित अतिथि एवं अनुवादक प्रोफेसर प्रदीप आचार्य ने स्मरण किया कि नवकांत बरुआ ने अपने जीवनकाल में ही उनसे इस कृति का अंग्रेजी अनुवाद करने की इच्छा जताई थी, जिसे आज साहित्य सभा ने साकार कर दिया है। समारोह की शुरुआत गोविंद कलिता और कवि मनोज कुमार दास द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद सेउज स्वर्ण शाखा साहित्य सभा के सदस्यों ने बरुआ के जीवन पर आलेख पाठ, कविता पाठ और संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान आयोजित विशेष कवि-शिविर में राज्यभर से आए सैकड़ों काव्य-प्रेमियों ने हिस्सा लिया, जहां आलोचक राजीव बरुआ और अरिंदम बोरकटकी ने काव्य सृजन के विभिन्न आयामों पर मार्गदर्शन दिया। अवनी बोरा और उपम सैकिया ने नवकांत बरुआ की कविताओं का ओजस्वी पाठ किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान सचिव डॉ. जगदीश पाटगिरि और कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रफुल्ल बर्मन सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंच ने जनगणना में मातृभाषा पंजीकरण को लेकर जतायी चिंता

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम स्वदेशी मंच ने आगामी जनगणना में मूल जनजातीय समुदायों से असमिया को अपनी मातृभाषा के रूप में दर्ज करने की अपीलों पर चिंता व्यक्त की है। मंच का कहना है कि इस तरह के कदम से विभाजन पैदा हो सकता है और असमिया राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया कमजोर हो सकती है। मंच के अध्यक्ष मृणाल हजारिका और सचिव प्रांजल देवरी ने एक बयान जारी कर कहा कि मूल जनजातीय समुदायों को संवैधानिक मान्यता की मांग को मजबूत करने के लिए जनगणना में अपनी-अपनी मातृभाषा दर्ज कराना जारी रखना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जनजातीय समुदायों की भाषाई पहचान की रक्षा करते हुए असमिया को राज्य की राजभाषा के रूप में बनाए रखने के लिए इसे संपर्क या सामान्य भाषा के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए। संगठन का मानना है कि जनजातीय समुदायों को असमिया को अपनी पहली भाषा के रूप में घोषित करने के लिए प्रोत्साहित करने से नए भाषाई मतभेद पैदा हो सकते हैं। इसके साथ ही मंच ने उन अपीलों की भी आलोचना की जिनमें यांडाबो संधि के बाद आए प्रवासियों से असमिया को अपनी मातृभाषा के रूप में पंजीकृत न करने का आग्रह किया गया था। मंच ने कहा कि इस तरह के विचार असमिया राष्ट्र-निर्माण का समर्थन नहीं करते हैं। मंच ने यांडाबो संधि के बाद असम को अपना स्थायी घर बनाने वाले लोगों से जनगणना में असमिया को अपनी मातृभाषा के रूप में पंजीकृत करने का आग्रह किया है, जबकि यह दोहराया है कि मूल जनजातीय समुदायों को अपनी मातृभाषा और असमिया को संपर्क भाषा के रूप में दर्ज करना चाहिए।

आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ लाडनूं पहुंचा ज्ञानशाला संघ

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख. स.)। आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ गुवाहाटी ज्ञानशाला परिवार के 53 ज्ञानार्थी एवं 21 प्रशिक्षिकाएं सहित लगभग 85 सदस्यों का दल लाडनूं (राजस्थान) में गया। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के अध्यक्ष रितेश खटेड़ के नेतृत्व में गये इस दल में सभा के साथ तेरापंथ युवक परिषद व महिला मंडल के प्रतिनिधियों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करायी। गुवाहाटी ज्ञानशाला की ओर से प्रशिक्षिकाओं द्वारा निर्मित त्याग-प्रत्याख्यान रेलगाड़ी तथा हस्तनिर्मित महाश्रमण अष्टकम् श्रद्धापूर्वक गुरुदेव को समर्पित किये गये। परम पूज्य आचार्य महाश्रमण ने महती कृपा कर गुवाहाटी ज्ञानशाला को प्रात:कालीन प्रवचन के दौरान 27 मिनट की प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया। इस प्रस्तुति में ज्ञानार्थियों द्वारा सामूहिक गीतिका, प्रशिक्षिका बहनों की भावपूर्ण गीतिका, अध्यक्षीय वक्तव्य तथा पचीस बोल की परिचर्चा गुरुदेव के समक्ष प्रस्तुत की गयी। सभी प्रस्तुतियों ने अपनी उत्कृष्टता एवं संस्कारमय भावों से उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। तत्पश्चात गुरुदेव ने गुवाहाटी ज्ञानशाला को अपनी महती कृपा करते हुए प्रेरणा-पाथेय प्रदान किया। ऑनलाइन ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी पीयूष पींचा ने अर्हत वंदना का हिंदी भावार्थ कंठस्थ सुनाकर सभी को भावविभोर कर दिया, ज्ञानार्थी यशवी फूलफगर ने भावपूर्ण गीतिका प्रस्तुत कर गुरुचरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। बच्चों को आचार्य प्रवर, साध्वी प्रमुखाश्रीजी, मुख्य मुनिप्रवर, साध्वीवर्या का विषेश स्नेह वात्सल्य व आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने बच्चों को नियमित ज्ञानशाला आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कारवान एवं चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण तभी संभव है, जब बच्चे नियमित ज्ञानशाला आएं और वहां प्राप्त संस्कारों को अपने जीवन में अपनाएं। साथ ही सभी प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों से भी बच्चों को नियमित ज्ञानशाला भेजने का आग्रह किया। गुरुकृपा, प्रेरणा, संस्कार एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत यह अविस्मरणीय अवसर गुवाहाटी ज्ञानशाला परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

गोदरेज एग्रोवेट ने इंटीग्रेटेड ऑयल पाम कॉम्प्लेक्स का किया उद्घाटन

गुवाहाटी, 23 जुलाई । भारत के सबसे बड़े फार्म-टू-प्रोटीन प्लेटफॉर्म्स में से एक गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज तेलंगाना के खम्मम में भारत के पहले इंटीग्रेटेड ऑयल पाम कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस कॉम्प्लेक्स में ऑयल पाम की पूरी वैल्यू चेन को एक ही परिसर में विकसित किया गया है, जिसमें बीज एवं जेनेटिक्स, नर्सरी, आरएंडडी केंद्र, ऑयल पाम मिल तथा जल्द शुरू होने वाली अत्याधुनिक रिफाइनरी शामिल हैं। पूरे कॉम्प्लेक्स के पूर्ण रूप से संचालित होने पर कंपनी का कुल निवेश 300 करोड़ रुपये होगा। इस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के उप मुख्यमंत्री और वित्त और योजना, ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू गारू ने किया। इस अवसर पर तेलंगाना सरकार के राजस्व और आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुल्टी श्रीनिवास रेड्डी गारू, तेलंगाना सरकार के कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा और कपड़ा मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव गारू, तेलंगाना सरकार के आईटीई और सी, उद्योग और वाणिज्य, और विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू गारू और खम्मम से संसद सदस्य रामसहायम रघुराम रेड्डी गारू भी उपस्थित रहे ।

एक से शुरू होगा एपीएल

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। असम प्रीमियर लीग (एपीएल) के पहले सीजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, जहां आठ टीमें 1 अगस्त से 23 अगस्त तक चलने वाले 23 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनने की होड़ में उतरेंगी। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 1 अगस्त को दोपहर 2 बजे चराईदेव सनराइजर्स और बरपेटा ब्रेव्स के बीच खेला जाएगा, जबकि उसी दिन शाम 7 बजे तेजपुर टाइटंस का सामना डिब्रूगढ़ वारियर्स से होगा। इस सीजन में कुल 43 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 40 लीग मुकाबले, दो सेमीफाइनल और ग्रैंड फाइनल शामिल हैं। लीग चरण में प्रत्येक टीम एक-दूसरे से एक-एक बार भिड़ेगी, साथ ही तीन टीमों के साथ फिर से मुकाबला करेगी, जिससे शीर्ष चार की होड़ और अधिक रोमांचक हो जाएगी। 2 अगस्त को बराक लीजेंड्स की भिड़ंत नगांव रेंजर्स से होगी, वहीं शाम को गुवाहाटी रॉयल्स और जोरहाट स्टालियंस आमने-सामने होंगे। टूर्नामेंट के दौरान कई टीमों के बीच दोबारा मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे नई खेल प्रतिद्वंद्विता पनपने की उम्मीद है। डिब्रूगढ़ वारियर्स और गुवाहाटी रॉयल्स 10 व 18 अगस्त को आमने-सामने होंगे, जबकि चराईदेव सनराइजर्स और गुवाहाटी रॉयल्स के बीच 11 व 19 अगस्त को मैच खेला जाएगा। इसके अतिरिक्त तेजपुर टाइटंस और गुवाहाटी रॉयल्स 8 व 15 अगस्त को, डिब्रूगढ़ वारियर्स और जोरहाट स्टालियंस 8 व 16 अगस्त को, बरपेटा ब्रेव्स और नगांव रेंजर्स 7 व 16 अगस्त को, तथा चराईदेव सनराइजर्स और नौगांव रेंजर्स 9 व 17 अगस्त को भिड़ेंगे। बरपेटा ब्रेव्स और बराक लीजेंड्स के बीच भी 9 और 17 अगस्त को दो मुकाबले आयोजित होंगे। लीग चरण का अंतिम दिन 20 अगस्त सेमीफाइनल के लिहाज से बेहद निर्णायक रहेगा, जब दोपहर 2 बजे तेजपुर टाइटंस का मुकाबला बराक लीजेंड्स से और शाम 7 बजे डिब्रूगढ़ वारियर्स का सामना नगांव रेंजर्स से होगा। अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें 21 अगस्त को सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इस दिन दोपहर 2 बजे दूसरे और तीसरे स्थान की टीम तथा शाम 7 बजे शीर्ष पर रहने वाली टीम और चौथे स्थान की टीम के बीच खिताबी दौड़ का मुकाबला होगा। 22 अगस्त को विश्राम के बाद 23 अगस्त को शाम 7 बजे खेले जाने वाले ग्रैंड फाइनल के साथ असम प्रीमियर लीग को उसका पहला विजेता मिल जाएगा।

असम के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

गुवाहाटी, 22 जुलाई (ख.सं.)। कजाकिस्तान के अल्माटी में 14 से 20 जुलाई तक आयोजित 10वीं एशियन जू-जित्सु चैंपियनशिप और 3 यूथ एशियन जू-जित्सु चैंपियनशिप में असम के दो खिलाड़ियों ने रजत और कांस्य पदक जीतकर राज्य और देश को गौरवान्वित किया है। इसमें लुइटी बरुआ ने 3री यूथ एशियन जू-जित्सु की 56 किलोग्राम फाइटिंग सिस्टम स्पर्धा में रजत पदक जीता, वहीं मुनमी दास ने 10वीं एशियन जू-जित्सु की 63 किलोग्राम कॉन्टैक्ट फाइटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। इस सफलता के जरिए दोनों खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर असम की मजबूत उपस्थिति को एक बार फिर साबित कर दिया है। इस शानदार उपलब्धि पर जू-जित्सु एसोसिएशन ऑफ असम के अध्यक्ष व विधायक रितुबरण शर्मा और महासचिव सेंसई संजय कुमार शॉ ने दोनों पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। इसके साथ ही संघ ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले आर्यन शर्मा, हिमांशु सैकिया और रूपसाजिर रोंगहांगपी का भी दिल से आभार व्यक्त किया है। कल लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे असम के सभी खिलाड़ियों का एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया।

स्टार हेल्थ ने बुखार, डेंगू और मलेरिया से जोखिम के प्रति किया आगाह

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख. स.)। राज्य में मानसून का मौसम शुरू हो गया है। इस दौरान आमतौर पर डेंगू, मलेरिया, बुखार और दूसरी संक्रामक बीमारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में भारत की प्रमुख स्टैंडअलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पूरे राज्य में मानसून के दौरान हेल्थकेयर से जुड़ी अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ा रही है। स्टार हेल्थ के वित्त वर्ष 2025-26 के असम के डेटा से पता चलता है कि बुखार और संक्रामक बीमारियों के लिए होम हेल्थकेयर के इस्तेमाल में पूरे राज्य में 16 गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ-साथ कंपनी ने देश भर में अपनी हाल ही में शुरू की गई वर्चुअल ओपीडी सर्विस की जबरदस्त मांग देखी है और ज्यादा से ज्यादा ग्राहक मेडिकल सलाह के लिए इसे अपनी पहली पसंद बना रहे हैं। इस पहल का मकसद पॉलिसीहोल्डर्स को 'टॉक टू स्टार' और होम हेल्थकेयर सपोर्ट से जोड़कर शुरुआती मदद पहुंचाना है। साथ ही, आम लोग 'स्टार हेल्थ कस्टमर ऐप' के जरिए चौबीसों घंटे मुफ़्त वर्चुअल ओपीडी कंसल्टेशन का फायदा उठा सकते हैं। पॉलिसीहोल्डर्स के लिए, 7200 222 333 पर 'टॉक टू स्टार' सर्विस मुख्य संपर्क जरिया बनी हुई है। होम हेल्थकेयर के लिए 1 दबाएं और पहले से तय अस्पताल में भर्ती होने (प्लान्ड हॉस्पिटलाइजेशन) के लिए 2 दबाएं। इस पहल पर स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के उत्तर पूर्व के बिजनेस हेड अमिताभ चटर्जी ने कहा कि मानसून के मौसम में बुखार, डेंगू, मलेरिया और इन्फेक्शन के मामलों में अक्सर बढ़ोतरी देखी जाती है, लेकिन परिवार अक्सर लक्षणों के बिगड़ने (यानी बीमारियों के बढ़ने) का इंतजार करते हैं। इस मौसम में हमारी कोशिश है कि पहला कदम उठाना आसान बनाया जाए।

नन कोर रख-रखाव कार्य हेतु आउटसोर्सिंग
ई-निविदा सूचना सं. TRD/LMG/20 of 2026-27तारीख: 17-07-2026। भारत के राष्ट्रपति की ओर से ... निविदा संख्या EL-TRD-NFR-LMG-NC-57R कार्य का नाम ... निविदा राशि: ₹3,80,34,801.24/- धरोहर राशि: ₹3,40,700/- निविदा बंद होने की तारीख एवं समय 10-08-2026 को 15:00 बजे से। ... www.ireps.gov.in ...
वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पंचांग

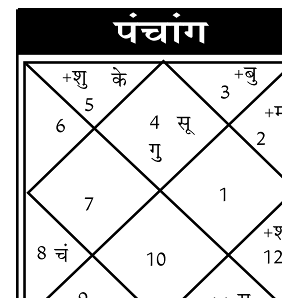

तिथि संवत : आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी प्रातः 9.12 तक रहेगी इसके बाद एकादशी तिथि रहेगी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य दक्षिणायन, ऋतु वर्षा, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 24 जुलाई शुक्रवार। सूर्योदयकालीन नक्षत्र : अनुराधा। योग : शुक्ल रात्रि 8.05 तक रहेगा तदुपरांत ब्रह्म योग रहेगा। करण : गर प्रातः 9.12 तक तदुपरांत वणिज करण रात्रि 10:10 तक रहेगा। ग्रह विचार : (प्रातः 4.43) सूर्य-कर्क, चंद्र-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है। राहुकाल : प्रातः 10.30 बजे से 12 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय : 4.43 बजे सूर्यास्त 6.14 बजे

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो.9529781915।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स** : 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

कर्म ही तेरी पूजा है,
कर्म ही तेरा धर्म है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026

मौसम
अधिकतम 32°
न्यूनतम 25°

Ph. : 2548109, 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे कांग्रेस : डॉ. रनोज पेगु

नीट पेपर लीक मामला

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर नीट पेपर लीक मामले के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने का गंभीर आरोप लगाया है। महानगर के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में डॉ. पेगू ने कहा कि लगातार चुनावी हार का सामना कर रही कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से राहुल गांधी विद्यार्थियों की समस्याओं का इस्तेमाल एक राजनीतिक हथियार के रूप में कर रहे हैं। नीट पेपर लीक को एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और संवेदनशील घटना बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले को पूरी गंभीरता से लिया है और त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसके अलावा निष्पक्ष न्याय और दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फास्ट-ट्रैक अदालतों के गठन की घोषणा की है, जो छात्रों के कल्याण के प्रति उनके दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह समय राजनीतिक ड्रामेबाजी का नहीं, बल्कि छात्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान का है और इस प्रकार के संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिक लाभ के लिए फायदा उठाना गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राजग संसद में इस विषय पर व्यापक और रचनात्मक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस इस पर सार्थक बहस से बचकर मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्षी दल मानसून सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही को बाधित करने के बजाय इस सार्वजनिक मुद्दे पर चर्चा में भाग क्यों नहीं ले रहे हैं। डॉ. पेगु के अनुसार परीक्षा पत्र लीक एक पुरानी राष्ट्रीय चुनौती है, जिसे राजनीतिक अवसरवाद से समाप्त नहीं किया जा सकता बल्कि इसके लिए कड़े संस्थागत सुधारों और सभी पक्षों के सामूहिक सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने विपक्षी दलों पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए वर्ष 2025-26 के दौरान कांग्रेस और इंडी गठबंधन शासित राज्यों में कथित तौर पर हुई परीक्षा पत्र लीक घटनाओं का विवरण मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, झारखंड, तमिलनाडु, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसी विभिन्न राज्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उल्लेख करते हुए प्रश्न किया कि राहुल गांधी अपने सहयोगियों के शासन वाले राज्यों में हुई ऐसी घटनाओं पर मौन क्यों हैं। साथ ही उन्होंने राजस्थान में पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय राज्य में बार-बार पेपर लीक होने का एक कुख्यात रिकॉर्ड बना था। डॉ. पेगु ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी के हालिया विरोध प्रदर्शन को देश के लिए शर्मनाक और प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और वामपंथी दल छात्रों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों के लिए कर रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र के विकास का ब्योरा देते हुए उन्होंने बताया कि यूपीए शासनकाल के दौरान शिक्षा का बजट मात्र 8,225 करोड़ रुपये था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़कर लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा इस अवधि में देश भर में आईआईटी, आईआईएम, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या और उनकी सीटों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गयी है। पत्रकार सम्मेलन में प्रदेश महासचिव दिप्लू रंजन शर्मा, अनूप बर्मन, मुख्य प्रवक्ता किशोर उपाध्याय और मीडिया विभाग के संयोजक रूपम गोस्वामी भी उपस्थित थे।

एसएफआई का जोरदार प्रदर्शन

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर देश के विभिन्न राज्यों में कई छात्र और राजनीतिक संगठन लगातार सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इसी कड़ी में असम के गुवाहाटी स्थित चचल धरना स्थल पर भारतीय छात्र संघ (एसएफआई) असम प्रदेश समिति के नेतृत्व में एक दिवसीय सत्याग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कथित बर्बरता और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए आयोजित इस सत्याग्रह में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से 500 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बीते 10 वर्षों में लगभग 148 बार प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं हुई हैं, जिससे करोड़ों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य दांव पर लग गया है और पूरी शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की जरूरत है। छात्र नेताओं ने कहा कि पुलिस और प्रशासन के कथित दबाव व धमकियों को दरकिनार करते हुए छात्र सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते और देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं होता, तब तक असम समेत पूरे देश में यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से धरना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गयी थी।

काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएगा आम्सू

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। अखिल असम अल्पसंख्यक छात्र संघ (आम्सू) और मुश्ताक अनफर के नेतृत्व वाली असम राज्य जमीयत उलेमा ने दिल्ली पुलिस द्वारा छात्रों के लोकतांत्रिक आंदोलन पर किये गये बर्बर हमले के विरोध में तथा केंद्रीय गृह मंत्री और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कल जुम्मे की नमाज के बाद सभी जिला समितियों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही ऊपरी असम के बाढ़ पीड़ितों को मानवीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ राहत केंद्र स्थापित किये जाएंगे और कल जुम्मे की नमाज के दौरान आम्सू प्रत्येक जामा मस्जिद में पत्र के माध्यम से सार्वजनिक सहायता की अपील करेगा। इसके बाद केंद्रीय समिति का एक प्रतिनिधिमंडल ऊपरी असम के जिला निकायों के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके पीड़ितों की मदद करेगा। आम्सू के अध्यक्ष मोहम्मद इम्तियाज हुसैन ने इन सभी कार्यक्रमों के सुचारू और सही संचालन के लिए केंद्रीय पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिये हैं और सभी जिला समितियों से इन निर्णयों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया है।

ऑनलाइन दवा बिक्री में गड़बड़ियों को लेकर मंत्री सिंघल ने की बैठक

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख. स.)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने आज ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और होलसेल दवा व्यापार में हो रही गड़बड़ियों को लेकर एक अहम बैठक की। बैठक में दवाओं की बिक्री में ट्रांसपेरेंसी, अकाउंटेबिलिटी और मौजूदा कानूनों का सख्ती से पालन पक्का करने पर खास जोर दिया गया। बैठक में इस बात का समीक्षा किया गया कि क्या राज्य में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये दवा बेचने वाली जगहें मौजूदा कानूनों और तय नियमों के मुताबिक कानूनी तौर पर अपना कारोबार कर रही हैं। संबंधित विभागों को पूरे राज्य में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में बिना इजाजत या नियमों का उल्लंघन करके दवा बेचने वाले प्लेटफॉर्म के खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई करने पर भी चर्चा हुई। ड्रग कंट्रोल विभाग को होलसेल लाइसेंस लेने और रिटेल कारोबार करने वाली जगहों के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए पिछले साल की खरीद और बिक्री के सभी दस्तावेज इकट्ठा करने और जिले के आधार पर जांच करने का फैसला किया गया। अगर जांच में कोई गड़बड़ी पायी जाती है तो मौजूदा कानूनों के हिसाब से संबंधित लाइसेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी फैसला किया गया कि जो होलसेलर लंबे समय से बिजनेस नहीं कर रहे हैं या नियमों का उल्लंघन किया है, उनके लाइसेंस का निरीक्षण किया जाएगा और अगर जरूरी हुआ तो उन्हें कैंसिल कर दिया जाएगा। दवाओं के सोर्स से जुड़े दस्तावेजों की सख्त जांच पर भी जोर दिया गया है। अगर किसी दवा का सोर्स संदिग्ध लगता है या जरूरी जानकारी जमा नहीं की जा सकती है तो मामले की तुरंत जांच की जाएगी। बैठक में सूचनाओं के ज्यादा असरदार आदान-प्रदान और अलग-अलग जिलों के बीच तुरंत तालमेल के लिए डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को लिए गये फैसलों को तेजी से लागू करने के लिए तय समय में डिटेल्ड रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया गया। मंत्री अशोक सिंघल ने राज्य सरकार से लोगों को सुरक्षित, अच्छी क्वालिटी की और कानूनी दवाएं सप्लाई करने को अपनी प्राथमिकताओं में से एक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में किसी भी तरह की गड़बड़ी, गैर-कानूनी व्यापार या कानून का उल्लंघन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से रेगुलर इंस्पेक्शन, सख्त मॉनिटरिंग और कानूनी कार्रवाई के जरिये दवा मैनेजमेंट को ज्यादा ट्रांसपेरेंट और जवाबदेह बनाने का आग्रह किया। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम के मिशन निदेशक डॉ. लक्ष्मण एस., एनएचएम असम के कार्यकारी निदेशक डॉ. अभिजीत शर्मा, असम के ड्रग्स नियंत्रक विश्वजित तालुकदार उपस्थित थे।

कहीं जलजमाव तो कहीं भूस्खलन, बारिश से परेशान महानगरवासी

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख. स.)। बारिश अब गुवाहाटीवासियों के लिए आफत बन चुकी है, जो गुवाहाटीवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। क्या पहाड़ी और क्या समतल शहर के सभी इलाकों के लोग इस बारिश रूपी आफत से परेशान हो चुके हैं। पहाड़ी के रहनेवाले लोग बारिश के कारण हो रहे भूस्खलन और घरों में घुस रहे पानी से परेशान है। वहीं समतल में रह रहे लोग जलजमाव से परेशान हैं। शहर का एक भी इलाका नहीं है, जहां जलजमाव नहीं है। जोराबाट, खानापाड़ा, छहमाइल, रुक्मिणीगांव, जूरीपार, सातगांव, बोरबाड़ी, जीएस रोड, चांदमाड़ी, नूनमाटी, नारंगी, लाचितनगर, रूपनगर, भांगागढ़, उलूबाड़ी, कहिलीपाड़ा, लालगणेश, ज्योतिकुचि, सावकुचि, बोरागांव, लोखरा, मालीगांव, आदाबाड़ी, पांडु, अनिल नगर, नवीन नगर, सहित शहर का ऐसा कोई इलाका नहीं है, जहां जलजमाव नहीं है। बारिश शुरू होते शहरवासी डरने लगते हैं। शहर के विभिन्न सड़कों पर बारिश का पानी जमा होने के कारण लोग घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। लोग अपना काम, बाजार और कार्यकमों में हिस्सा नहीं ले पर रहे हैं। बारिश के कारण लोग अपना तय कार्यक्रम रद्द कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस साल सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। पहले बारिश होने से उतना डर नहीं लगता था, जितना कि इस बार लग रहा है। वहीं मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों तक ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले कुछ घंटों में गर्जन के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही शहर के कई इलाकों में जलजमाव भी हो सकता है, इसलिए लोग अनावश्यक घरों से बाहर जाने से बचें।

हेरोइन समेत छह तस्कर बंदी

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। गुप्त सूचना के आधार पर वशिष्ठ पुलिस ने खानापाड़ा स्थित एक ठिकाने पर छापेमारी कर दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पार्थ प्रतिम मेधी (29) और हसीना बेगम (26) के रूप में की गयी है। पुलिस ने उनके कब्जे से 45.15 ग्राम हेरोइन (6 तंबाकू डिब्बों में छिपाकर रखी गयी), 1 मोबाइल फोन, 25 खाली शीशियां (वायल) तथा एक स्कूटी बरामद की। वहीं दूसरी ओर पानबाजार पुलिस ने 2 नंबर रेलवे गेट के पास अभियान चलाकर बोको निवासी सुस्मिता रॉय को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 7.20 ग्राम वजन की 6 शीशियां (वायल) हेरोइन बरामद की गयी। उधर चांदमारी पुलिस ने गांधीबस्ती क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भास्कर मेधी (22) उर्फ कुटुबा, मोमी दास (25) उर्फ तुलुमोनी और बाबुल सरकार (28) के रूप में की गयी है।

ट्रेड लाइसेंस नहीं होने पर जीएमसी ने ठोका 1.5 लाख का जुर्माना

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) द्वारा चलाये गये एक विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की गयी है। अभियान के दौरान मालीगांव स्थित एटी रोड (वार्ड संख्या 8) में एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान को बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालित होता पाया गया, जिस पर जीएमसी ने मौके पर ही 1,50,000 रुपये का भारी जुर्माना लगाया। जीएमसी ने सभी व्यावसायिक संस्थानों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए समय पर अपना ट्रेड लाइसेंस बनवाएं और उसका नवीनीकरण कराएं। इसके अलावा लचित नगर क्षेत्र में प्रभाग-4 के एएसआई और सुपरवाइजर द्वारा चलाये गये अभियान के दौरान उलुबाड़ी फुट ओवरब्रिज पर अवैध रूप से पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ भी जुर्माना लगाने की कार्रवाई की गयी। जीएमसी ने शहरवासियों और विभिन्न संगठनों से सार्वजनिक संपत्ति को गंदा न करने तथा गुवाहाटी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

शताब्दी समारोह का औपचारिक शुभारंभ

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। कॉटन विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने 22 जुलाई को अपने सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले शताब्दी समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। वर्ष 1927 में स्थापित यह विभाग पूर्वोत्तर में वनस्पति विज्ञान की शिक्षा, शोध और जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी केंद्र रहा है। एसी दत्त भवन में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि और गौहाटी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर अमरज्योति चौधरी ने बॉटनी ऑफ हंड्रेड स्प्रिंग्स विषय पर अपना स्मारक भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि 100 वर्षों की यह यात्रा केवल समय की अवधि का उत्सव नहीं है बल्कि यह कई पीढ़ियों के ज्ञान, त्याग, शोध और बौद्धिक योगदान का एक गौरवशाली इतिहास है। कार्यक्रम के दौरान विवि के कुलपति प्रोफेसर रमेशचंद्र डेका ने विभाग के संस्थापक विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसी दत्त के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए विवि का ध्वजारोहण किया और पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर असम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद (एस्टेक) के निदेशक डॉ. जयदीप बरुवा ने विभाग के साथ संयुक्त रूप से विकसित की गयी विशेष माइक्रोबायोलॉजी किट को विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु के तीन प्रमुख पूर्व छात्रों और 70 वर्ष से अधिक आयु के सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। वर्ष 2027 में मुख्य रूप से मनाये जाने वाले इस शताब्दी वर्ष के उद्घाटन अवसर पर पूर्व कुलपति प्रोफेसर भवेश चंद्र गोस्वामी, विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतुपर्णा पटवारी काकती, कुलसचिव डॉ. हिरेन डेका सहित कई शिक्षाविद, शोधकर्ता और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। फटाशील आमबाड़ी पुलिस ने चोरी के एक मामले में तीन आरोपियों अनवर अहमद, संजय तालुकदार और प्रह्लाद कुमार सरकार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक वॉटर बॉयलर कंप्रेसर, एक आयरन कटर मशीन, 7 मीटर तार, एक मोटर, 5.7 किलोग्राम एसी कॉपर पाइप तथा 11 किलोग्राम कॉपर वायर बरामद कर जब्त किये हैं। मामले में विधिक कार्रवाई जारी है।

लायंस ग्लोबल की अध्यक्ष बनीं मोनिका बुढ़ागोहाईं

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्लोबल के वार्षिक शपथ विधि समारोह में मोनिका बुढ़ागोहाईं को पुनः नये सत्र के लिए अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही रमेश राना डे को भी पुनः सचिव तथा दीपक धीरासरिया को पुनः कोषाध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। इससे पहले मोनिका बुढ़ागोहाईं की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत प्रमोद गाड़ोदिया ने सभी सदस्यों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए की। दीपक धीरासरिया ने सभी सदस्यों को विश्व शांति के लिए वचनबद्ध करवाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लायंस जिला 322-जी के जिलापाल मनोज भजनका, शपथदाता के रूप में विशिष्ट अतिथि लायंस जिला 322-जी के उप जिलापाल प्रथम राजेश अग्रवाल, जोन चेयरपर्सन प्रतीक किल्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक निप्पू हालोई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षीय स्वागत संबोधन के पश्चात सचिव ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष ने अपने एक वर्षीय कार्यकाल में सर्वश्रेष्ठ सदस्यों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उप जिलापाल राजेश अग्रवाल ने नव मनोनीत अध्यक्ष मोनीका बुढ़ागोहाईं को आगामी कार्यकाल के लिए शपथ दिलाने के पश्चात सचिव पद के लिए रमेश राणा दे व कोषाध्यक्ष पद के लिए दीपक धीरसारिया, उपाध्यक्ष प्रथम संजीव गाड़ोदिया,उपाध्यक्ष द्वितीय दिलीप हरलालका को शपथ दिलायी।

प्रातः खबर
शुक्रवार, 24 जुलाई 2026

नीट प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर नगांव में सीजेपी का प्रदर्शन

नगांव, 23 जुलाई (ख.सं)। सीजेपी के आह्वान पर आज नगांव में वॉयस ऑफ नगांव नामक संगठन की ओर से नीट प्रश्नपत्र लीक होने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग तथा अन्य मुद्दों को लेकर शहर में एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। हाल ही में गठित इस संगठन के नेतृत्व में नगांव शहर के मोतीराम बोरा उद्यान के समीप कुछ छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की और केंद्र सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया। उन्होंने एक साथ, एक आवाज, बेहतर शिक्षा, बेहतर भविष्य, शिक्षा हमारा अधिकार जैसे नारे लगाकर माहौल को गरमा दिया।प्रदर्शन स्थल पर कांग्रेस नेता बिरिंक्षी बोरा के पहुंचने के बाद स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बिरिंक्षी बोरा सहित तीन लोगों को हिरासत में लेकर नगांव सदर थाना पहुंचाया।इसके बाद

घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया। प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राएं सदर थाना की ओर बढ़े। थाने के सामने पुलिस द्वारा उन्हें रोके जाने पर माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गये लोगों को रिहा करने की मांग करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इसी बीच एक छात्र ने अचानक काला झंडा दिखाया, जिसके बाद पुलिस ने उसे भी हिरासत में ले लिया। हालांकि उस छात्र की पहचान नहीं हो सकी। बाद में प्रशासन के हस्तक्षेप से स्थिति सामान्य हुई। पुलिस ने बिरिंक्षी बोरा सहित कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए अन्य लोगों में ईशान देवनाथ, रकीब आहमद, मेहताब हक, नजमुल इस्लाम और इलियास अहमद शामिल हैं।इस अचानक हुए विरोध प्रदर्शन के पीछे कौन-सी शक्ति या संगठन सक्रिय था इसका अभी तक पता नहीं चल सका है।इधर सीजेपी के आंदोलन के मद्देनजर नगांव जिला प्रशासन ने छात्र-छात्राओं से महत्वपूर्ण अपील की है। नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने सभी से सामाजिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाये रखने का आग्रह किया है। उन्होंने बिना प्रशासन की पूर्व अनुमति के सड़कों पर किसी भी प्रकार का प्रदर्शन या कार्यक्रम आयोजित न करने की चेतावनी दी है। ऐसा करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जिला आयुक्त ने छात्रों से अपनी पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भी अपील की।

बोकाखात के नुमलीगढ़ एचएस स्कूल में स्थापित राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों से बातचीत करते मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा।

नगांव में अवैध रेत व पत्थर का कारोबार जारी

नगांव, 23 जुलाई (ख.सं)। नगांव और कार्बी आंग्लांग की सीमा से प्रतिदिन जिले के विभिन्न हिस्सों में पत्थर और रेत से लदे ओवरलोडेड ट्रक और डंपर लगातार आवाजाही कर रहे हैं। वन विभाग की नजरों से बचाकर परिवहन किये जा रहे इन ओवरलोडेड डंपरों पर अब नगांव जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई की है। आज तड़के जिला परिवहन विभाग ने पत्थर से लदे दो डंपरों को जब्त किया। केवल ओवरलोडेड डंपरों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि नगांव नगर निगम क्षेत्र में चलने वाले बैटरी चालित तिपहिया वाहनों के खिलाफ भी जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया दरंग जिला परिषद

मंगलदै, 23 जुलाई (ख.सं)। भीषण बाढ़ से शिवसागर, जोरहाट, चराईदेव और गोलाघाट समेत ऊपरी असम के कई जिलों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दरंग जिला परिषद ने राहत अभियान शुरू किया है। पहले चरण में गुरुवार को दरंग जिला परिषद ने 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इसके साथ ही परिषद ने जिले के सभी पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से राहत कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की है। इच्छुक लोग जिला परिषद के राहत कोष के बैंक खाते या कार्यालय में जाकर भी सहायता राशि जमा कर सकते हैं। जिला परिषद ने बताया कि बाद में एकत्रित राहत राशि और सामग्री को प्रभावित जिलों के जिला परिषदों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा। जिला परिषद की अध्यक्ष शेवाली गोस्वामी कलिता ने कहा कि आर्थिक सहायता के अलावा लोग कपड़े, सूखा राशन, पेयजल और अन्य आवश्यक सामग्री भी दान कर सकते हैं। राहत अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में उपाध्यक्ष परिस्मिता नाथ, सदस्य अनीता राजबंशी, वितोपन डेका, चंडीचरण डेका, मुक्ता देवी मंडल सहित कई जनप्रतिनिधि और जिला परिषद के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। दरंग जिला परिषद की इस मानवीय पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

श्रमिकों के बीच फिर पहुंचे विधायक कृष्ण कमल तांती

रंगापाड़ा, 23 जुलाई (ख.सं)। असम के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तथा 68 नंबर रंगापाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक कृष्ण कमल तांती की पहल और निर्देश पर आज हरचुरा चाय बागान तथा ठेकेराजुली शाखा चाय बागान में एक विशेष आभार व्यक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पार्टी कार्यकर्ताओं ने बागान के चालान, स्प्रेइंग चालान तथा नर्सरी में कार्यरत लगभग 600 श्रमिकों से मुलाकात कर गत विधानसभा चुनाव में विधायक कृष्ण कमल तांती को दिए गए स्नेह, प्रेम, आशीर्वाद और भरपूर समर्थन के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद एवं गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।इस अवसर पर विधायक कृष्ण कमल तांती की ओर से भाजपा के रंगापाड़ा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शंकर ग्वाला, रंगापाड़ा नगर मंडल अध्यक्ष ब्रजेन बर्मन तथा बालीपाड़ा मंडल अध्यक्ष द्वीपेन सिन्हा ने प्रत्येक श्रमिक को मिठाई का एक-एक पैकेट भेंट किया।आयोजकों के अनुसार यह छोटा-सा उपहार केवल मिठाई वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जनप्रतिनिधि और आम जनता के बीच आत्मीय संबंध, पारस्परिक विश्वास और कृतज्ञता का एक सुंदर प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि सामान्यत चुनाव के समय ही सभाएं आयोजित करने या मिठाई बांटने जैसी गतिविधियां देखने को मिलती हैं। किंतु विधायक कृष्ण कमल तांती की यह पहल एक अलग और सकारात्मक उदाहरण है।

छात्रा को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, चालक गिरफ्तार

डबका, 23 जुलाई (ख.सं)। डबका थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय नौवीं कक्षा की छात्रा को कथित रूप से बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने आरोपी चालक राहुल इस्लाम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पीड़िता के परिवार द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत के अनुसार आरोपी चालक काफी समय से छात्रा को कथित रूप से विभिन्न तरीकों से बहला-फुसला रहा था। आरोप है कि 15 जुलाई की तड़के सुबह वह छात्रा को घर से किसी अज्ञात स्थान पर ले गया। परिवार का आरोप है कि छात्रा की तलाश में जाने पर आरोपी और उसके सहयोगियों ने उन्हें धमकाया और उन पर हमला करने का प्रयास भी किया। शिकायत मिलने के बाद डबका पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाकर आरोपी राहुल इस्लाम को गिरफ्तार किया। अदालत में पेश किए जाने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने नाबालिग छात्रा को बरामद करने के बाद उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायी। इसके बाद अदालत में उसकी उपस्थिति कराकर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत बयान दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है और प्राथमिकी में नामजद अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पागल कुत्ते के हमले में बच्चे समेत 20 लोग गंभीर रूप से जख्मी

धुबड़ी, 23 जुलाई (ख.सं)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज इलाके में एक पागल कुत्ते के आतंक से लोगों में दहशत फैल गयी है। कुत्ते के अचानक किये गये हमले में बच्चों समेत करीब 20 राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार कुत्ते ने सड़क से गुजर रहे लोगों पर अचानक हमला कर दिया और एक के बाद एक कई लोगों को काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद गोलकगंज और आसपास के इलाकों में भय का माहौल है। घायलों को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज और एंटी-रेबीज टीका लगाने के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद गोलकगंज नगरपालिका और जिला पशु चिकित्सा विभाग की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गयी है। पीड़ित परिवारों और स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभागों से तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने की मांग की है।

होजाई के नये जिला आयुक्त ने पत्रकारों के साथ की बैठक

होजाई, 23 जुलाई (ख.सं)। होजाई के नवनियुक्त जिला आयुक्त संजय दत्ता ने जिले के विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों के साथ पहली परिचयात्मक एवं विचार-विमर्श बैठक आयोजित कर प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक संवाद स्थापित करना, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता को प्रोत्साहित करना तथा जिले के विकास को जनभागीदारी के माध्यम से नयी गति प्रदान करना था। बैठक में जिले के विभिन्न समाचार संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए प्रशासन के समक्ष स्थानीय समस्याओं, विकास संबंधी चुनौतियों तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को विस्तारपूर्वक रखा। पत्रकारों ने अपने अनुभवों के आधार पर जिले के समग्र विकास के लिए कई व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किये। अपने संबोधन में जिला आयुक्त संजय दत्ता ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका केवल समाचारों के प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन और आम जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की वास्तविक तस्वीर प्रशासन के सामने रखते हैं, जिससे जनसमस्याओं की पहचान करने और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाने में सहायता मिलती है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि वे निष्पक्ष, तथ्यपरक और रचनात्मक पत्रकारिता के माध्यम से जनहित के मुद्दों को निरंतर उजागर करते रहें तथा जिले के विकास और सुशासन के लिए अपने सुझाव प्रशासन तक पहुंचाते रहें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मीडिया द्वारा दिए गये सकारात्मक सुझावों और रचनात्मक आलोचनाओं को प्रशासन गंभीरता से लेगा। बैठक के दौरान सड़क संपर्क व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियां, स्वच्छ पेयजल

की उपलब्धता, सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, ग्रामीण क्षेत्रों का विकास, शहरी आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण सहित अनेक जनकल्याणकारी विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। पत्रकारों ने कई ऐसी समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया जो लंबे समय से समाधान की प्रतीक्षा कर रही हैं और जिन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की आवश्यकता है। पत्रकारों ने सुझाव दिया कि प्रशासन और मीडिया के बीच इस प्रकार की संवाद बैठकों को नियमित बनाया जाना चाहिए। उनका मानना था कि निरंतर संवाद से जनसमस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को भी मजबूती मिलेगी। पत्रकारों के सुझावों का स्वागत करते हुए जिला आयुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया की तथ्यपरक रिपोर्टिंग, रचनात्मक सुझाव और सकारात्मक आलोचना प्रशासन के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में इनका पूरा महत्व दिया जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी जिले का संतुलित और स्थायी विकास तभी संभव है, जब प्रशासन, मीडिया, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा उद्देश्य के साथ मिलकर कार्य करें। इसी सोच के साथ जिला प्रशासन भविष्य में भी संवाद, सहयोग और समन्वय की इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। पत्रकारों ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद मीडिया से सीधे संवाद स्थापित करने की जिला आयुक्त की पहल की सराहना करते हुए इसे पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

चालू वित्त वर्ष का बजट जनहितैषी व विकासोन्मुखी : रुपम साहा

सिलचर, 23 जुलाई (ख.सं)। कछार जिले के भाजपा अध्यक्ष रूपम साहा ने दावा किया है कि चालू वित्त वर्ष का बजट जनहितैषी और विकासोन्मुखी है। आज सिलचर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता के कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और राज्य की समग्र प्रगति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। रूपम साहा ने बताया कि 10 जुलाई को वित्त मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 15 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। उन्होंने दावा किया कि यह बजट अगले पांच वर्षों के विकास के लिए एक रोडमैप के रूप में तैयार किया गया है। इसमें रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, अवसंरचना और क्षेत्रीय विकास पर विशेष जोर दिया गया है। बजट में अठारहवीं क्राउन डेवलपमेंटल गारलैंड के निर्माण के लिए प्रावधान किया गया है। 18 महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की गयी है।

लायंस क्लब ऑफ वैली व्यू ने मनाया नेशनल ब्राडकास्टिंग डे

सिलचर, 23 जुलाई (ख.सं)। आज लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू ने ऑल इंडिया रेडियो, सिलचर सेंटर के अधिकारियों के साथ मिलकर बड़े जोश के साथ नेशनल ब्रॉडकास्टिंग डे मनाया। क्लब प्रेसिडेंट संजीव रॉय की लीडरशिप में एक डेलीगेशन ने सेंटर का दौरा किया और इस खास दिन के मौके पर एक छोटा सा फंक्शन ऑर्गनाइज़ किया। क्लब प्रेसिडेंट ने अपनी ओपनिंग स्पीच में ऑल इंडिया रेडियो सिलचर सेंटर को क्लब का करीबी परिवार बताया। इवेंट के चीफ स्पीकर स्टेशन के प्रोग्राम्स हेड हतब्रत भट्टाचार्य थे, जिन्होंने इस खास दिन के असली महत्व और मकसद के बारे में डिटेल में बताया। उन्होंने हर साल ऐसी पॉजिटिव पहल करने के लिए सभी

की तरफ से क्लब वैली व्यू का दिल से धन्यवाद किया। इस मौके पर क्लब ने उन्हें और एक और सीनियर ऑफिसर, शांतनु करमाकर को सम्मानित किया। क्लब वैली व्यू के मेंबर्स की पहल पर, इवेंट में मौजूद सभी लोगों में मिठाई और स्नैक्स बांटे गये। इवेंट में मौजूद दूसरी जानी-मानी हस्तियां थीं कृष्णेंदु चक्रवर्ती, आनंद कुमार वर्मा, तुलसीनांग्शु भट्टाचार्य, गोपाल चंद्र दास, मनोज कांति दास, झूलन बर्मन, पन्ना शर्मा, सुनील कुमार दास, हिमाद्री चक्रवर्ती, तपन कुमार दास, अभिजीत कर और दूसरे। क्लब वैली व्यू प्रोजेक्ट चेयरपर्सन बंदिता त्रिवेदी रॉय और को-प्रोजेक्ट चेयरपर्सन साहिन अख्तर ने इवेंट को सफल बनाने में उनके कीमती सहयोग के लिए सेंटर अधिकारियों को दिल से धन्यवाद दिया।

गौरीपुर में मवेशियों से भरा ट्रक जब्त, 4 धराये

धुबड़ी, 23 जुलाई (ख.सं)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर में पुलिस ने मवेशियों की कथित अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25 मवेशियों से भरा एक ट्रक जब्त किया और चार संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया। गुप्त सूचना के आधार पर गौरीपुर पुलिस की एक टीम ने रात में मलातीखामार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर अभियान चलाया। इसी दौरान ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें 25 मवेशी पाये गये। प्रारंभिक जांच के अनुसार मवेशियों को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से असम लाकर कथित रूप से अवैध तरीके से बेचने की कोशिश की जा रही थी।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

कोकराझाड़ व मंगलदै में जनगणना 2027 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोकराझाड़, 23 जुलाई (ख.सं)। जिला प्रशासन द्वारा आगामी डिजिटल जनगणना अभ्यास की तैयारी को मजबूत करने के लिए साइंस कॉलेज, कोकराझाड़ में ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (बीईईओ) और क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयकों (सीआरसीसी) के वास्ते जनगणना 2027 (चरण-) पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कोकराझाड़ के जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की। उन्होंने जनगणना 2027 के तहत प्रक्रियाओं, भूमिकाओं और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की स्पष्ट समझ के साथ प्रमुख शैक्षणिक पदाधिकारियों को सुसज्जित करने में इस जागरूकता पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त ने शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच परिचालन दिशानिर्देशों का प्रचार-प्रसार करने, जमीनी स्तर पर जागरूकता पैदा करने और जनगणना प्रक्रिया के दौरान प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने में बीईईओ और सीआरसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग आवश्यक सहायता प्रदान करके और जमीनी स्तर के कर्मियों के साथ सुचारू संचार सुनिश्चित करके जनगणना के सफल कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे इस बात पर बल दिया कि जनगणना 2027 के निर्बाध निष्पादन और पूरे जिले में सटीक जमीनी स्तर पर डेटा संग्रह सुनिश्चित करने में शैक्षणिक अधिकारियों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सहायक होगी। इस

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, प्रशासनिक प्रोटोकॉल और जनगणना 2027 के सफल संचालन का समर्थन करने में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में संवेदनशील बनाना था। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पूरे जिले के ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी और क्लस्टर संसाधन केंद्र समन्वयक उपस्थित रहे।

मंगलदै से हमारे संवाददाता के अनुसार पूरे राज्य के साथ-साथ दरंग जिले में भी जनगणना 2 अगस्त, 2026 से शुरू होगी। इस साल की जनगणना दो फेज में होगी और पहली बार पूरी तरह डिजिटल तरीके से होगी। दरंग जिले में जनगणना को सफलतापूर्वक कराने के लिए 2,018 गिनती करने वाले और 341 ऑब्ज़र्वर रखे गए हैं। इन अधिकारियों की ट्रेनिंग शुरू हो चुकी है और तीन दिनों तक अलग-अलग फेज़ में ट्रेनिंग देने का इंतज़ाम किया गया है। जनगणना का पहला फेज़ 2 अगस्त से शुरू होगा और उसी दिन मोबाइल पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च होने के बाद लोग पोर्टल पर लॉग इन करके अपने परिवार के सदस्यों, रहने की जगह, पढ़ाई, रोज़ी-रोटी वगैरह की जानकारी खुद से गिनती करके दे सकेंगे। यह सेल्फ-रजिस्ट्रेशन प्रोसेस 15 दिनों तक चलेगा। 17 अगस्त से, एन्यूमरेटर घर-घर जाकर इकट्ठा किए गए डेटा को चेक और वेरिफाई करेंगे और घरों की गिनती पूरी करेंगे। इस फेज को सितंबर तक पूरा करने का टारगेट है। गौरतलब है कि इस साल की जनगणना में कुल 33 सवाल हैं और हर व्यक्ति को इन सवालों के जवाब देने होंगे। यह पहली बार है जब हर घर को जियो-टैग किया जाएगा और हर घर को एक यूनिक हाउस आइडेंटिफिकेशन नंबर दिया जाएगा। महामारी के कारण देश 2021 की जनगणना नहीं कर सका। इसलिए, पांच साल के गैप के बाद होने वाली जनगणना को खास तौर पर अहम माना जा रहा है।

सिक्किम टनल हादसा : बचाव अभियान पूरा, सभी 25 शव बरामद

गंगटोक, 23 जुलाई (एजें)। सिक्किम के नामची जिले के समरदुंग स्थित राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) की तीस्ता चरण-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण हादसे के बाद पिछले चार दिनों से जारी खोज एवं बचाव अभियान गुरुवार को समाप्त हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार, आज तीन और शव बरामद किए जाने के बाद मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई है। प्रशासन ने बताया कि अंतिम चरण की व्यापक तलाशी के बाद यह पुष्टि कर दी गई कि सुरंग के भीतर अब कोई भी व्यक्ति फंसा नहीं है। इसके साथ ही चार दिनों तक चले चुनौतीपूर्ण बचाव अभियान का समापन कर दिया गया। मृतकों में राष्ट्रीय जलविद्युत निगम, एआरएक्स तथा पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड से जुड़े कर्मचारी और अधिकारी शामिल हैं। ये पश्चिम बंगाल, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, केरल, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, पंजाब और असम सहित दस राज्यों के निवासी थे। इनमें सबसे अधिक 11 श्रमिक पश्चिम बंगाल के थे। सभी शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए सिंगतम जिला अस्पताल, सर थुतोब नामग्याल स्मारक अस्पताल (एसटीएनएम), नामची जिला अस्पताल तथा केंद्रीय रेफरल अस्पताल, मणिपाल भेजा गया। जिन मृतकों की पहचान हो चुकी है, उनके शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस बीच, सिक्किम सरकार ने हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है। समिति भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुझाव भी देगी। चार दिनों तक चले इस कठिन अभियान में नामची जिला प्रशासन के नेतृत्व में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (आसनसोल) की खदान बचाव टीम, सिक्किम पुलिस, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय जलविद्युत निगम तथा अन्य संबंधित एजेंसियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। पूरे अभियान की निगरानी सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा की गई। जिला प्रशासन ने अभियान की सफलता पर सभी बचाव एजेंसियों और कर्मियों की प्रतिबद्धता, समन्वय और पेशेवर दक्षता की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

अरुणाचल सरकार के10 साल पूरे होने पर राज्यपाल ने की तारीफ

इटानगर, 23 जुलाई (भा)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के.टी. परनाइक ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पेमा खांडू और टीम अरुणाचल प्रदेश को जनसेवा के 10 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने इस दशक में अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति का भी ज़िक्र किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास की प्राथमिकताओं, अहम परियोजनाओं को लागू करने और प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसम से जुड़ी घटनाओं से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए यहां लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। खांडू 17 जुलाई, 2016 को पहली बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। राज्य सरकार की जन-केंद्रित पहलों की सराहना करते हुए, परनाइक ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में किए गए प्रयासों से शासन नागरिकों, खासकर दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के करीब आया है।

सरकार सभी जिलों के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध : सीएम संगमा

शिलांग, 23 जुलाई (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार सभी जिलों में समान और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विशेष विकास कोष (सीएमएसडीएफ) राज्यभर के समुदायों की तत्काल विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।शिलांग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर मुख्यमंत्री विशेष विकास कोष के तहत स्वीकृति पत्र (सैंक्शन लेटर) वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि यह कोष ऐसे विकास कार्यों के लिए समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है, जिनका लोगों के जीवन पर सीधा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और जो सरकार की बड़ी विकास योजनाओं के पूरक के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'सीएमएसडीएफ समुदायों की तत्काल विकास आवश्यकताओं को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए सरकार ऐसे परियोजनाओं को समय पर सहायता प्रदान कर पाती है, जिनसे लोगों के जीवन में सीधे सुधार आता है।'मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों और परियोजनाओं को लागू करने वाली एजेंसियों से अपील की कि स्वीकृत कार्यों को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।इस योजना के तहत राज्यभर में सामुदायिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, खेल संगठनों और स्थानीय निकायों को बुनियादी ढांचे और जनसेवा से जुड़ी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।लाभार्थियों में सिनजुक रंगबह श्नोंग दोरबार रैड मथान, चिबाक अगलगिट्टिम स्पोर्ट्स एंड कल्चरल क्लब, लैतनोंग्रिम अपर प्राइमरी स्कूल, चर्च ऑफ गॉड (एम एंड ए), सोहरिंगखाम, रंगथोंग कल्चरल क्लब एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन, रीच शिलांग मिनिस्ट्रीज, मिजो वूमेन वेलफेयर सोसायटी, उम्पलिंग प्रेस्बिटेरियन सेकेंडरी स्कूल, सेंट एंथनी हायर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न जिलों के सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल रहे।स्वीकृत परियोजनाओं में स्कूल भवन और अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण, सामुदायिक एवं बहुउद्देशीय भवन, सामुदायिक संगठनों के कार्यालय, स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों में स्वच्छता सुविधाएं, बास्केटबॉल कोर्ट, कपड़े धोने के प्लेटफॉर्म, पेयजल सुविधाएं, एंबुलेंस सेवाओं के लिए सहायता, खेल उपकरण, शैक्षणिक संसाधन और अन्य सामुदायिक बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है।मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि स्थानीय स्तर पर चिन्हित परियोजनाएं जमीनी स्तर की संस्थाओं को मजबूत करने और लोगों तक आवश्यक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार शिक्षा, खेल और सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने वाली पहलों के साथ-साथ स्थायी सार्वजनिक परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए आगे भी सहयोग जारी रखेगी।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामुदायिक नेता और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे। लाभार्थियों ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं से सामुदायिक संस्थाओं को मजबूती मिलेगी और मेघालय में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विकास तेज होगा।

सरकारी लाभ सुदूर क्षेत्रों तक शीघ्रता और पारदर्शिता से पहुंचे : मंत्री रतन लाल

अगरतला, 23 जुलाई (एजें)। त्रिपुरा के बिजली, कृषि और किसान कल्याण मंत्री रतन लाल नाथ ने 23 जुलाई को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि सरकारी परियोजनाओं का लाभ दूरदराज के इलाकों में लोगों तक जल्दी और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। नाथ ने अंबासा में धलाई जिले की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की, जिले के संरक्षक मंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद यह उनकी पहली ऐसी बैठक थी। बैठक में धलाई के जिला मजिस्ट्रेट विवेक एचबी, विधायक, एमडीसी, जन प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ. माणिक साहा के नेतृत्व में धलाई जिले सहित पूरे त्रिपुरा में कई विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य चल रही परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करना है ताकि नई विकास पहल की जा सके। बैठक में जल जीवन मिशन, सड़क कनेक्टिविटी, वीबी-जीआरएएम-जी योजना और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं सहित प्रमुख योजनाओं और मुद्दों की प्रगति की समीक्षा की गई। नाथ ने कहा कि अधिकारियों को जमीन पर उपलब्ध कराई गई जानकारी को सत्यापित करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि चावमानु, गंडतविसा और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी स्थानीय निकायों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। विधायकों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने और जनता और निर्वाचित प्रतिनिधियों से फीडबैक लेने के बाद परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य वित्तीय आत्मनिर्भरता हासिल करना, रोजगार के अवसर पैदा करना और विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाना है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पेयजल सुविधाओं, कृषि, बुनियादी ढांचे, बिजली सेवाओं और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

असम में 26 तक भारी बारिश का अलर्ट

गुवाहाटी, 23 जुलाई (एजें)। असम में एक बार फिर मूसलाधार बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। बोरझार स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने 26 जुलाई तक राज्य सहित पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान कई स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ बारिश होने की संभावना है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

सेव मणिपुर के नाम पर युवाओं को भड़काने की साजिश : कोंथौजाम

इंफाल, 24 जुलाई (एजें)। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजाम ने गुरुवार को जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'सेव मणिपुर' का नारा लगाने वाले लोग मणिपुर के युवाओं को गुमराह और भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'मणिपुर को बचाने का काम मणिपुर के लोग ही करेंगे, जंतर-मंतर पर नारे लगाने वाले नहीं। यह सब केवल दिखावा है। इंफाल स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में गोविंददास कोंथौजाम ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के पीछे विपक्षी दलों का हाथ है। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन में आगे छात्र दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनके पीछे कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के कार्यकर्ता सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन स्थल पर सीजेपी के समर्थकों की तुलना में विपक्षी दलों के कार्यकर्ता अधिक दिखाई दिए। गृह मंत्री ने कहा कि जंतर-मंतर का प्रदर्शन और प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी के नेतृत्व में दिया गया धरना संसद के मानसून सत्र को बाधित करने की सुनियोजित कोशिश है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि देश के युवाओं का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के मामलों में दोषियों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से सरकार और प्रधानमंत्री पर भरोसा रखने की अपील की। गोविंददास कोंथौजाम ने यह भी आरोप लगाया कि एफसीआरए नियमों में बदलाव से असंतुष्ट कुछ ताकतें विदेशों से आर्थिक सहायता लेकर विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रदर्शन स्थल पर भोजन और पानी की व्यवस्था आखिर किसके पैसे से की जा रही है। उन्होंने विपक्ष पर देश की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा का उचित मंच संसद है, न कि हिंसक प्रदर्शन। प्रेस वार्ता के दौरान कमजोंग जिले में क्षतिग्रस्त हुए बेली ब्रिज का भी उल्लेख किया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में दो संभावनाएं सामने आई हैंपहली, सीमा पार से सक्रिय उग्रवादियों द्वारा विस्फोट, और दूसरी, राज्य के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा असम राइफल्स की आवाजाही बाधित करने के उद्देश्य से पुल को नुकसान पहुंचाना।

मणिपुर में 1.5 करोड़ की ड्रग्स के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

इंफाल, 23 जुलाई (एजें)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग एंटी-ड्रग ऑपरेशन में मुख्य नारकोटिक्स सप्लायर और एक महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने भारी मात्रा में म्यांमार की अफीम और ब्राउन शुगर भी जब्त की है।एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक छापेमारी के दौरान, मणिपुर पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के एक होटल से नेंगजतुआन उर्फ तुआनपी को गिरफ्तार किया, जो मिजोरम के साथ सीमा और म्यांमार के साथ एक बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है।गिरफ्तार व्यक्ति एक प्रमुख ड्रग आपूर्तिकर्ता है और एनसीबी, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और मणिपुर पुलिस द्वारा पंजीकृत नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत कई मामलों में वांछित है।इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रीपुखरी बाजार और उसके आसपास चलाए गए एक अन्य मादक द्रव्य विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने लगभग 22 लाख रुपए मूल्य की 3.66 किलोग्राम संदिग्ध अफीम जब्त की और तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अनिल दास (75) रोशन बसनेत (48) और गोमा कार्की (33) के रूप में की गई, जो राज्य के विभिन्न जिलों के निवासी थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जब्त किया गया मादक पदार्थ पड़ोसी देश म्यांमार से आया है। जो मणिपुर के साथ लगभग 400 किमी लंबी बिना बाड़ वाली सीमा साझा करता है।म्यांमार दुनिया में अफीम के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है। खासकर इसके उत्तरी क्षेत्रों में जिसमें काचिन और शान राज्य भी शामिल हैं।जब्ती पिछले कई महीनों से मणिपुर में सक्रिय म्यांमार से जुड़े मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क पर एक और बड़ी कार्रवाई का प्रतीक है।तीसरे ऑपरेशन में मणिपुर पुलिस ने पर्वतीय चंदेल जिले के सुगनू क्षेत्र की निवासी तिन्नई थाडौ (52) को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से लगभग 1.6 किलोग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की, जिसकी कीमत 1.5 करोड़ रुपए से अधिक है। महिला को चुराचांदपुर जिले के सोंगजा खोपी गांव इलाके से गिरफ्तार किया गया।इस बीच, केंद्र और राज्य दोनों के सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई जारी रखी है। राज्य भर के सीमावर्ती, मिश्रित आबादी वाले और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास जारी है।उग्रवादियों, अन्य प्रारंभिक तत्वों और संदिग्ध वाहनों की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिए पूरे मणिपुर में घाटी और पहाड़ी दोनों जिलों में कुल 112 नाके-चौकियां स्थापित की गई हैं।सुरक्षा बल इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) पर आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रकों सहित वाहनों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए राजमार्ग के संवेदनशील हिस्सों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और काफिले की सुरक्षा जारी रखी गई है।मणिपुर पुलिस ने जनता से अफवाहों या गलत सूचनाओं पर विश्वास न करने का आग्रह किया है और लोगों को सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी वीडियो से सावधान रहने की सलाह दी है।

मेघालय सरकार और एसबीआई में समझौता

शिलांग, 23 जुलाई (भा)। मेघालय सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली वेतन बैंकिंग सेवाओं को सुदृढ़ करने और उन्हें अधिक वित्तीय तथा बीमा लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ एक संशोधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की उपस्थिति में संपन्न हुए इस समझौते ने वर्ष 2012 के पुराने समझौते का स्थान ले लिया है। 'राज्य सरकार वेतन पैकेज' के तहत किया गया यह नया समझौता मौजूदा कर्मचारियों के साथ-साथ नए नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के लिए भी लागू होगा।

प्रधानमंत्री की घोषणा का त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

अगरतला, 23 जुलाई (भा)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने प्रश्नपत्र लीक मामलों में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने लिए त्वरित अदालतें स्थापित करने से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा का स्वागत किया। मोदी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक संदेश में कहा कि सरकार ने प्रश्नपत्र लीक मामलों में शामिल लोगों को जल्द और सख्त सजा दिलाने के लिए त्वरित अदालतें स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं का कल्याण और उनका भविष्य सबसे महत्वपूर्ण है। यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, यह कदम देश के युवाओं की मेहनत, योग्यता और भविष्य की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका उद्देश्य परीक्षा में गड़बड़ी और प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों में शामिल लोगों के लिए जल्द और कड़ी सजा सुनिश्चित करना है।

बिजली की बढ़ती मांग से ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियां : मणिपुर सीएम

इंफाल, 23 जुलाई (एजें)। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुरुवार को कहा कि राज्य में लगातार बढ़ती आबादी और बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि के कारण बिजली क्षेत्र के सामने नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है।मुख्यमंत्री इंफाल में मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग (एमएनईआरसी) के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल, आयोग के अध्यक्ष सौबाम इबोपिशक सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ घरेलू उपभोक्ताओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे बिजली क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग उपभोक्ताओं के हित में दूरदर्शी और प्रगतिशील कदम उठाता रहेगा।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली क्षेत्र को मजबूत बनाने, सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए आयोग को हरसंभव सहयोग देगी।इस अवसर पर राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने आयोग के अध्यक्ष, सचिव, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रथम स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर आयोग की उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ उसकी भविष्य की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार करने का भी है।राज्यपाल ने कहा कि बिजली आधुनिक विकास की आधारशिला है और मणिपुर के आर्थिक विकास तथा लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति अनिवार्य है।उन्होंने इंजीनियरों, तकनीशियनों, फील्ड कर्मचारियों और अन्य कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनकी मेहनत के कारण राज्य में बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहती है।राज्यपाल ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक, मजबूत और उपभोक्ता-केंद्रित बिजली क्षेत्र देश के विकास का महत्वपूर्ण आधार होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग पारदर्शिता, पेशेवर कार्यशैली और प्रभावी नियमन के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए राज्य के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।गौरतलब है कि मणिपुर विद्युत विनियामक आयोग का गठन बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 82 के तहत किया गया था। आयोग बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण की दरें तय करने, बिजली कंपनियों को लाइसेंस जारी करने, बिजली खरीद की निगरानी, राज्य के भीतर बिजली पारेषण और व्यापार को बढ़ावा देने, नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करने, हितधारकों के बीच विवादों के निपटारे तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा का दायित्व निभाता है।

शिलांग हवाईअड्डे के रनवे का विस्तार जल्द होगा शुरू

शिलांग, 23 जुलाई (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने 22 जुलाई को राज्य के विमानन बुनियादी ढांचे पर बड़ी प्रगति की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि उमरोई हवाई अड्डे के रनवे का लंबे समय से प्रतीक्षित विस्तार अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा, जबकि केंद्र ने गारो हिल्स में बाल्जेक हवाई अड्डे के उन्नयन के लिए 60 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी भी दे दी है। नई दिल्ली की अपनी यात्रा के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए संगमा ने कहा कि उन्होंने मेघालय में हवाई कनेक्टिविटी में सुधार लाने के उद्देश्य से कई विमानन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। संगमा ने कहा, ''निविदा पूरी हो चुकी है, काम आवंटित कर दिया गया है और हमें उम्मीद है कि कुछ हफ्तों के भीतर रनवे के विस्तार के लिए वास्तविक भौतिक काम शुरू हो जाएगा।'' उन्होंने कहा कि रनवे विस्तार परियोजना की प्रगति की व्यक्तिगत समीक्षा करने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के 15 अगस्त के बाद शिलांग का दौरा करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक नई विमानन योजना के तहत बाल्जेक हवाई अड्डे का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

मेघालय के विकास के लिए शिक्षा ही कुंजी : सीएम

शिलांग, 23 जुलाई (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा राज्य के समावेशी और समग्र विकास के दृष्टिकोण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्थिक विकास तभी सार्थक होता है, जब उसका हर नागरिक पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। तुरा में पीएएसएफ-अबोंग नोगा कॉलेज की नई इमारत की नींव रखने और उसके कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि मेघालय देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जहां नॉमिनल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की वृद्धि दर 15 प्रतिशत से अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा, असली विकास समग्र विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पूरे राज्य में संतुलित और समावेशी प्रगति सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा, युवाओं, महिलाओं और किसानों में बड़े पैमाने पर निवेश करना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि मेघालय के राज्य बजट का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा वर्तमान में शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया है। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक बना हुआ है। सीएम संगमा ने कहा, हमारे सामने अब मुद्दा केवल मात्रा का नहीं, बल्कि गुणवत्ता का है। उन्होंने बताया कि सरकार ने पिछले आठ वर्षों में शिक्षा क्षेत्र को व्यवस्थित करने और उसमें सुधार लाने की दिशा में काम किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के उस हालिया फैसले पर भी प्रकाश डाला, जिसके तहत लगभग 23,000 एसएसए और तदर्थ शिक्षकों के लिए एक व्यवस्थित वेतन प्रणाली लागू की गई है। इसमें लगभग 800 करोड़ रुपए की वार्षिक वित्तीय प्रतिबद्धता शामिल है। उन्होंने कहा, अगर शिक्षा में सार्थक सुधारों को सफल बनाना है, तो शिक्षकों के पास स्थिरता और गरिमा होनी चाहिए। दिवंगत पूर्णो अजितोक संगमा के दृष्टिकोण को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा हमेशा से ही इस अनुभवी नेता की प्राथमिकता रही थी, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की थी। सीएम संगमा ने एक निजी संस्था को भी धन्यवाद दिया, जिसने कॉलेज की नई इमारत के निर्माण के लिए सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत सहायता प्रदान की। इसमें कुल आठ करोड़ रुपए का योगदान शामिल था। उन्होंने कहा, कंपनी देश के किसी भी संस्थान को चुन सकती थी, फिर भी उन्होंने पीएएसएफ-अबोंग नोगा कॉलेज को चुना।

पूसीरे का कटिहार और मनिहारी के बीच श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी, 23 जुलाई (ख.सं)। आगामी श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सुविधा प्रदान करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने कटिहार मंडल के अधीन कटिहार और मनिहारी के बीच स्पेशल ट्रेन सेवाओं के परिचालन करने का निर्णय लिया है। वार्षिक श्रावणी मेले में आने वाले हजारों भक्तों, तीर्थयात्रियों और यात्रियों के लिए सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इन स्पेशल ट्रेनों की योजना बनाई गई है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि स्पेशल ट्रेनों की एक जोड़ी, ट्रेन संख्या07540/07539 (कटिहार - मनिहारी - कटिहार) श्रावणी मेला स्पेशल, प्रत्येक दिशा से 22-22 फेरों के लिए चलेगी। 25 जुलाई से 23 अगस्त तक ट्रेन संख्या 07540 प्रत्येक मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को कटिहार से 19:00 बजे रवाना होकर मनिहारी 19:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 26 जुलाई से 24 अगस्त तक ट्रेन संख्या 07539 प्रत्येक बुधवार, गुरुवार, शनिवार, रविवार और सोमवार को मनिहारी से 03:30 बजे रवाना होकर कटिहार 04:15 बजे पहुंचेगी। इस सेवा का ठहराव मनसाही और महियारपुर स्टेशनों पर होगा। इसके अलावा, एक अन्य जोड़ी, ट्रेन संख्या 07542/07541 (कटिहार - मनिहारी - कटिहार) श्रावणी मेला स्पेशल, प्रत्येक दिशा से 8-8 फेरों के लिए चलेगी। 27 जुलाई से 20 अगस्त तक ट्रेन संख्या 07542, प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को कटिहार से 20:30 बजे रवाना होकर मनिहारी 21:15 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में,28 जुलाई से 21 अगस्त तक ट्रेन संख्या 07541 प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को मनिहारी से 05:15 बजे रवाना होकर कटिहार 06:00 बजे पहुंचेगी। अपनी यात्रा में यह ट्रेन मनसाही और महियारपुर स्टेशनों पर ठहरेगी। इन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का उद्देश्य श्रावणी मेला अवधि के दौरान बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना और भीड़भाड़ को कम करना है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, यात्रामौसम की मांग को देखते हुए ट्रेन सेवाओं में वृद्धि कर तीर्थयात्रियों और यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और कुशल यात्रा प्रदान करने को प्रतिबद्ध है।

समुद्री कूटनीति का नया अध्याय

भारत और पनामा के बीच समुद्री सहयोग को लेकर हुई ताजा पहल केवल एक द्विपक्षीय कूटनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि यह भारत की उस व्यापक समुद्री रणनीति का महत्वपूर्ण संकेत है, जिसके माध्यम से वह वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और भू-राजनीतिक समीकरणों में अपनी भूमिका को और सशक्त बनाना चाहता है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज-अचा वास्केज के बीच हुई वार्ता इस बात का प्रमाण है कि भारत अब अपनी समुद्री शक्ति को केवल घरेलू विकास तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उसे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से वैश्विक प्रभाव में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पनामा का महत्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विश्व व्यापार का एक बड़ा हिस्सा पनामा नहर के माध्यम से गुजरता है। अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाली यह नहर आज भी वैश्विक समुद्री परिवहन की जीवनरेखा मानी जाती है। दुनिया के प्रमुख समुद्री लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में पनामा की पहचान उसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का स्वाभाविक केंद्र बनाती है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र की सबसे बड़ी समुद्री शक्तियों में तेजी से उभर रहा है। ऐसे में इन दोनों देशों का सहयोग केवल द्विपक्षीय व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों तक दिखाई देगा।

पिछले एक दशक में भारत ने समुद्री क्षेत्र में जिस गति से निवेश किया है, उसने उसकी क्षमताओं को नयी ऊंचाई दी है। सागरमाला परियोजना, राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास, बंदरगाहों का आधुनिकीकरण, हरित जहाजरानी, जहाज निर्माण, क्रूज पर्यटन और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स जैसी पहले भारत को वैश्विक समुद्री मानचित्र पर मजबूत स्थान दिला रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्र को केवल व्यापार का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, सुरक्षा और समृद्धि का आधार माना है। इसी सोच के अनुरूप भारत अब समुद्री कूटनीति को अपनी विदेश नीति का महत्वपूर्ण अंग बना रहा है। पनामा के साथ बातचीत में जिन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गयी है, वे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। समुद्री सुरक्षा आज केवल समुद्री डकैती या सीमा सुरक्षा तक सीमित विषय नहीं रह गयी है। साइबर सुरक्षा, संवेदनशील समुद्री मार्गों की सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गयी है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्मार्ट पोर्ट, डिजिटल लॉजिस्टिक्स और सिंगल विंडो प्रणाली जैसे विषय आने वाले वर्षों में वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा का आधार बनने वाले हैं। यदि भारत और पनामा इन क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करते हैं तो दोनों देशों को इसका दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू कौशल विकास भी है। भारत विश्व के सबसे बड़े नाविक मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। भारतीय नाविकों की दक्षता और अनुशासन को वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त है। यदि समुद्री शिक्षा, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग को संस्थागत रूप दिया जाता है तो यह हजारों भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर भी उत्पन्न करेगा। इसी प्रकार हरित जहाज पुनर्चक्रण और पर्यावरण अनुकूल समुद्री गतिविधियों में सहयोग सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों को भी मजबूती देगा। भारत के लिए लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र लंबे समय तक अपेक्षाकृत कम प्राथमिकता वाले क्षेत्र रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इन देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू किये हैं। पनामा इस पूरे क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए यदि भारत पनामा के साथ मजबूत समुद्री और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करता है तो इससे भारतीय निर्यातकों को नए बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी। साथ ही भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला भी अधिक मजबूत और विविधतापूर्ण बनेगी। भारत की समुद्री नीति का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह प्रतिस्पर्द्धा के बजाय साझेदारी पर आधारित है। भारत अपने बंदरगाहों और समुद्री अवसंरचना का विस्तार करते हुए अन्य देशों के साथ तकनीक, निवेश और अनुभव साझा करने की नीति पर चल रहा है। यही कारण है कि भारत आज इंडो-पैसिफिक से लेकर अफ्रीका और अब लैटिन अमेरिका तक अपनी समुद्री उपस्थिति को सहयोग और विश्वास के आधार पर विस्तार दे रहा है। निस्संदेह भारत और पनामा के बीच बढ़ता समुद्री सहयोग केवल दो देशों के बीच संबंधों का विस्तार नहीं है। यह बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, समुद्री शक्ति के महत्व और नई आर्थिक कूटनीति का भी संकेत है। यदि प्रस्तावित समझौतों को शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाता है और संस्थागत सहयोग निरंतर आगे बढ़ता है, तो यह साझेदारी भारत के वैश्विक समुद्री विजन को नयी दिशा देने के साथ-साथ लैटिन अमेरिका के साथ उसके आर्थिक संबंधों को भी अभूतपूर्व गति प्रदान कर सकती है। यही इस पहल का सबसे बड़ा संदेश और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

चंद्रशेखर आजाद की जयंती
संयम का संघर्ष ही सच्ची क्रांति

हर पीढ़ी अपने नायकों को अपने समय की कसौटी पर परखती है। शहीद चंद्रशेखर आजाद को यदि केवल इतिहास की किताबों तक सीमित कर दिया जाए तो यह उनके व्यक्तित्व के साथ अन्याय होगा। आजाद केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध हथियार उठाने वाले क्रांतिकारी नहीं थे, अपितु वे आत्मसम्मान, अनुशासन, त्याग और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा के प्रतीक थे। यही कारण है कि उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में थे। आज का भारत स्वतंत्र है। अपनी बात कहने की आजादी है, संविधान है, न्यायपालिका है, चुनाव हैं और लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ऐसे में संघर्ष का स्वरूप भी बदल चुका है। अब परिवर्तन की लड़ाई बंदूक से नहीं, अपितु विचार, संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया से लड़ी जाती है। यही वह अंतर है, जिसे आज की युवा पीढ़ी को समझने की आवश्यकता है। जब विरोध प्रदर्शन संयमित रहते हैं, तब समाज उनकी बात सुनता है, लेकिन जब वे अराजकता, हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या आम लोगों के जीवन को बाधित करने का रूप ले लेते हैं तो उनका नैतिक बल कमजोर पड़ जाता है। चंद्रशेखर आजाद का जीवन हमें सिखाता है कि संघर्ष और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, अपितु पूरक हैं। उन्होंने अंग्रेजी शासन का डटकर सामना किया, लेकिन अपने संगठन में अनुशासन को सर्वोच्च स्थान दिया। उनका जीवन बताता है कि क्रांति केवल आक्रोश से नहीं, बल्कि स्पष्ट उद्देश्य, आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प से सफल होती है। आज सोशल मीडिया के दौर में युवा क्षणिक उत्तेजना का शिकार जल्दी हो जाते हैं। कुछ मिनटों का वायरल वीडियो या भावनात्मक संदेश कई बार विवेक पर भारी पड़ जाता है। ऐसे समय में चंद्रशेखर आजाद का संदेश पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। वे सिखाते हैं कि भावनाएं आवश्यक हैं, लेकिन उनका मार्गदर्शन विवेक और राष्ट्रहित से होना चाहिए। क्रोध यदि अनुशासन खो दे तो वह परिवर्तन नहीं, केवल टकराव पैदा करता है। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो अपने अधिकारों के प्रति सजग हों, लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही प्रतिबद्ध रहें। जो विरोध करें तो तथ्यों और तर्कों के साथ करें, जो आंदोलन करें तो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर करें और जो परिवर्तन की बात करें तो समाज को साथ लेकर चलें। यही लोकतंत्र की शक्ति है और यही उसकी सुंदरता भी। शहीद चंद्रशेखर आजाद की सबसे बड़ी विरासत उनका साहस नहीं, बल्कि वह चरित्र है, जिसने उन्हें आखिरी सांस तक अपने संकल्प पर अडिग रखा। आज उनकी जयंती या बलिदान दिवस पर केवल पुष्प अर्पित करना पर्याप्त नहीं होगा। सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी, जब देश का युवा यह समझे कि राष्ट्र निर्माण का मार्ग अराजकता से नहीं, बल्कि संयम, अनुशासन, कर्तव्यबोध और सकारात्मक कर्म से होकर गुजरता है। आज के भारत में चन्द्रशेखर आजाद इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची क्रांति व्यवस्था को जलाने में नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने में होती है। लोकतंत्र में आवाज बुलंद करना अधिकार है, लेकिन उस आवाज में संयम बनाए रखना नागरिक का दायित्व भी है। यही आजाद के जीवन का सार है और यही आधुनिक भारत के लिए सबसे बड़ा संदेश।

- विनोद पाठक

मोदी के बारह वर्षों की सौगात

तरुण चुघ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर विश्व को भारत के श्रमिकों, इंजीनियरों की मेहनत की पराकाष्ठा, पराक्रम और तकनीक की धमक सुनायी, कुरुक्षेत्र में भव्य सिख संग्रहालय की आधारशिला रखकर गुरु परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया और फिर जालंधर की पावन धरती से पंजाब को 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की रेल और सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के करोड़ों श्रद्धालुओं की दशकों पुरानी मांग पूरी करते हुए बेगमपुरा के बाद अब दूसरी ट्रेन छेहर्टा (अमृतसर) से काशी तक संत गुरु रविदास एक्सप्रैस का शुभारंभ हुआ और 100 करोड़ की लागत से बना हुआ जालंधर कैंट का एयरपोर्ट जैसा भव्य रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित हुआ।

आज जब पंजाब 2027 की दहलीज पर खड़ा होकर अंगड़ाई ले रहा है, तो हर पंजाबी के मन में 3 प्रश्न हैं- बीते 12 वर्षों में मोदी ने पंजाब को क्या दिया? आप के कुशासन ने पंजाब का क्या हाल कर दिया और पंजाब का भविष्य किसके हाथों में सुरक्षित है? इन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर पंजाब की दिशा और दशा तय करेंगे। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के दिन से ही मोदी ने पंजाब को केवल एक सीमावर्ती राज्य नहीं, बल्कि गुरुओं, महात्माओं, संतों, राष्ट्रभक्तों और शहीदों की पवित्र भूमि माना है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण करतारपुर साहिब कॉरिडोर है। नवंबर 2019 में कॉरिडोर खुला और आज लाखों श्रद्धालु बिना वीजा के दर्शन कर घर लौटते हैं। सितंबर 2020 में श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर को एफसीआरए पंजीकरण मिला, जिससे 1984 के 36 साल के बाद पहली बार विदेशों में बैठी संगत सीधे गुरु घर की सेवा में दान भेज पा रही है। सेवा भोज योजना के अंतर्गत लंगर की सामग्री पर लगने वाले जीएस,टी की प्रतिपूर्ति कर केंद्र सरकार ने एसजीपीसी को करोड़ों रुपये लौटाए, गुरु के लंगर को कर-मुक्त किया।

गुरु नानक देव का 550वां प्रकाश पर्व, गुरु गोबिंद सिंह का 350वां प्रकाश पर्व और गुरु तेग बहादुर का 400वां प्रकाश पर्व केवल भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में अभूतपूर्व भव्यता के साथ मनाये गये। सुल्तानपुर लोधी का विकास, स्मारक सिक्के, डाक टिकट और अंतर्राष्ट्रीय आयोजन गुरुओं की वाणी को विश्व मंच तक ले गये। 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित कर साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की लासानी शहादत और दोनों साहिबजादों की वीरता, शौर्य एवं अपने धर्म के प्रति प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्मृति का अंग बनाया गया। जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक का भव्य पुर्नविकास हुआ। दशकों पुरानी ब्लैकलिस्ट के 314 में से 312 नाम हटाकर प्रवासी सिख परिवारों के लिए वतन के दरवाजे खोल बड़ी राहत दी। कांग्रेस पार्टी द्वारा गांधी नेहरू परिवार के इशारे पर 1984 के सिख विरोधी नरसंहार में एसआईटी के माध्यम से साढ़े 3 दशक बाद पहली बार दोषियों को सजा दिलाकर इंसाफ की ज्योति जलायी गयी।

925 करोड़ रुपये की लागत से 750 बिस्तरों वाला एम्स बठिंडा, मोहाली में टाटा कैंसर संस्थान, आईआईएम अमृतसर, आईआईटी रोपड़ का विस्तार, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ का लगभग 1,000 करोड़ रुपये का सारंगपुर विस्तार परिसर और होशियारपुर कपूरथला में नये मैडिकल-नर्सिंग कॉलेज-मोदी ने पंजाब में स्वास्थ्य और शिक्षा की पूरी क्रांति खड़ी कर दी। कनैक्टिविटी में तो युग बदल गया। 40,000 करोड़ रुपये का दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रैस-वे दिल्ली से माता वैष्णो देवी का 16 घंटे का सफर घटाकर लगभग 6 घंटे और अमृतसर का सफर लगभग 4 घंटे कर देगा। ब्यास दरिया पर देश का सबसे लंबा केबल-स्टेड पुल बन रहा है। पंजाब में 43,527 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय राजमार्ग और लगभग 34,000 करोड़ रुपये का रेलवे अवसंरचना निर्माण चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना में पंजाब के 30 स्टेशन शामिल हैं। अन्नदाता के सम्मान में पंजाब के 11 लाख किसानों के खातों में पीएम-किसान की राशि सीधी पहुंच रही है, गरीब कल्याण के तहत प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा लगभग 1.40 करोड़ लाभाथयों को मुफ्त राशन मिल रहा है, शौचालय, पक्के घर, उज्ज्वला और आयुष्मान ने आम परिवारों का जीवन बदला है।

अब दूसरी तस्वीर देखिए, जो हर पंजाबी का कलेजा चीर देती है। जिस पंजाब को केंद्र सरकार गफ्फे दे रही है, उसी पंजाब को भगवंत मान सरकार ने हर क्षेत्र में पीछे धकेल दिया है। सबसे बड़ा घाव नशे का है-आज पंजाब ड्रग्स के दरिया में डूबा कराह रहा है। गली-गली में मातम है। जो लोग नशा खत्म करने की कसमें खाकर सत्ता में आये थे, उनके राज में नशे का कारोबार और फला-फूला कई गुणा और जगह उपलब्ध हुआ है। तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई की इच्छाशक्ति ही नहीं है, क्योंकि जिन पर रोकने की जिम्मेदारी थी, वहां रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं। कानून-व्यवस्था का आलम यह है कि गैंगवार, फिरौती और टारगेट किलिंग रोज की खबर बन गयी है। व्यापारी असुरक्षित है, उद्योगपति पलायन कर रहा है और निवेशक पंजाब का नाम सुनकर दूर भागता है। खजाने का हाल और भी बुरा है-पंजाब इतिहास के सबसे बड़े कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है, सरकार वेतन देने तक के लिए उधार पर उधार ले रही है और हर पंजाबी के सिर पर कर्ज का बोझ रोज बढ़ रहा है। जिन्होंने खनन से खजाने में 20,000 करोड़ रुपये लाने का दावा किया था, उनके राज में उल्टे पंजाब की धरती लुट रही है। सुबह-सुबह नहरों और दरियाओं के किनारे टिप्परों-टैंकरों की कतारें पंजाब का सीना छलनी कर रही हैं। अवैध खनन का पैसा खजाने में नहीं, दलालों और दलालों के रखवालों की जेबों में जा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी के समय बने धुस्सी बांध ने 25 वर्षों तक पंजाब की रक्षा की, परंतु बांधों के आस-पास तक अवैध खुदाई कर इन्होंने पंजाब की ढाल को ही कमजोर कर दिया। परिणाम यह कि पानी ने रास्ता बदला और 2,100 गांव डूब गये, जो कहते थे कि बकरी तक का मुआवजा पहुंचेगा, उनके राज में सालभर बाद भी पीड़ितों तक मुआवजा नहीं पहुंचा। इस संकट में प्रधानमंत्री मोदी जी दिल्ली से आकर किसानों से मिले। केंद्र का एक-एक मंत्री पंजाब के जिलों-गांवों में पहुंचा, केंद्रीय आपदा टीमों ने जानें बचाईं, परंतु अहंकार में डूबी पंजाब सरकार के न मुख्यमंत्री पीड़ितों के आंसू पोंछने गये, न कोई मंत्री। सेहत क्रांति के नारे पर सत्ता में आये लोग अस्पतालों या इंस्टीट्यूट बनाना तो छोड़ो किसी अस्पताल में एक नया वार्ड बनाया हो, वह तक नहीं गिना सकते, मैडिकल कॉलेज और अस्पताल तो दूर की बात, इनकी पूरी राजनीति केंद्र की योजनाओं पर अपना स्टिकर चिपकाकर जनता को भ्रमित करने तक सिमट गयी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि गुरुओं की कृपा और जनता के आशीर्वाद से 2027 में पंजाब डबल इंजन सरकार चुनेगा, और तब कर्ज, नशे और भय के अंधेरे से निकलकर पंजाब फिर देश का नंबर एक राज्य बनेगा। विकसित भारत के संकल्प का सबसे तेज इंजन, सुनहरा पंजाब, हरियाला पंजाब, खुशहाल पंजाब। जय हिंद, जय पंजाब।

सोशल मीडिया जानकारी के प्रमुख स्रोत के रूप में उभरा

विपिन पब्बी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो क्लिप में दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को बिना किसी उकसावे के एक युवा लड़की को जोर से थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। एक अन्य क्लिप में एक पुलिसकर्मी को एक लड़की का यौन उत्पीड़न करते हुए दिखाया गया है। एक और वीडियो में सादे कपड़ों में डंडे लिए हुए पुरुष दिखायी दे रहे हैं। इसके अलावा एक ऐसा वीडियो भी है, जिसमें पुलिसकर्मी खुद ही एक पुलिस वाहन को पलट रहे हैं ताकि उसका दोष प्रदर्शनकारियों पर मढ़ा जा सके। ऐसे कई अन्य वीडियो चल रहे हैं, जिनमें पुलिस की बर्बरता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

इनमें से कोई भी वीडियो या तस्वीरें किसी भी राष्ट्रीय टैलीविजन चैनल पर नहीं दिखायी गयी और न ही मुख्यधारा के मीडिया में प्रकाशित हुईं। कॉक्रोच जनता पार्टी के नेतृत्व में छात्रों द्वारा किये जा रहे विरोध प्रदर्शनों की इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा कवरेज ने उसकी विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुंचाया है और इसने सोशल मीडिया के एक अधिक विश्वसनीय और पारदर्शी सूचना स्रोत के रूप में विकसित होने को चिह्नित किया है।

विजुअल मीडिया के अंतर्निहित लाभ को देखते हुए देश में मीडिया की स्थिति पर कोई भी बात वास्तव में टैलीविजन समाचारों पर ही केंद्रित रहती है। हालांकि वर्षों से अपनी स्पष्ट रूप से सरकार समर्थक कवरेज के कारण इसे गोदी मीडिया का नाम मिला है। सोमवार को संसद भवन की ओर छात्रों के मार्च के दौरान इसके खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश फूट पड़ा। जब से कॉक्रोच जनता पार्टी ने दिल्ली में अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया है, जिसमें लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा शुरू किया गया अनिश्चितकालीन उपवास भी शामिल है। लगभग पूरे मुख्यधारा के मीडिया ने इस विरोध को कम करके दिखाया है। जहां दिल्ली स्थित किसी भी टीवी चैनल ने इस आंदोलन के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा, वहीं राजधानी के अधिकांश समाचार पत्रों ने भी इस खबर को अपने मुख्य पृष्ठों से दूर रखा।

सूचना के उस बड़े अंतर को सोशल मीडिया ने भरा, जिसमें नागरिक पत्रकार भी शामिल थे, जिन्होंने दृश्यों को खुद बोलने दिया क्योंकि दिनों के साथ आंदोलन के लिए समर्थन बढ़ता गया। केवल मोबाइल फोन लेकर रिपोर्टिंग करने वाले कई युवा पत्रकारों ने विरोध स्थल से लगातार रिपोर्टिंग की। एक अग्रणी राष्ट्रीय अंग्रेजी समाचार पत्र ने अपनी मुख्य हैडलाइन में विरोध मार्च के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों पर लाठीचार्ज या चोटों का कोई उल्लेख नहीं किया, जिसमें केवल यह उल्लेख किया गया था कि पुलिस ने संसद का घेराव करने के एक प्रयास को विफल कर दिया और छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिला। कई अन्य समाचार पत्रों ने पुलिस लाठीचार्ज की बजाय छात्रों द्वारा पत्थर फैंकने की तस्वीरें दिखायी। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने विरोध प्रदर्शनों को खिंचने दिया और एक महीने से अधिक समय से विरोध कर रहे छात्रों तक नहीं पहुंची। शायद सरकार ने सोचा होगा कि यह विरोध, जो प्रतियोगी या प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के बार-बार लीक होने के खिलाफ ऑनलाइन शुरू हुआ था, अपने आप शांत हो जाएगा। हालांकि यह बढ़ता रहा और अब कई शहरों में फैल गया है। यह विरोध स्वाभाविक रूप से बढ़ा और इस बात का कोई संकेत नहीं था कि युवाओं के बीच बढ़ते असंतोष के पीछे कोई राजनीतिक दल था। सरकार को अपनी प्रतिष्ठा पर अड़े नहीं रहना चाहिए था और इसे नजरअंदाज करना जारी नहीं रखना चाहिए था। यदि सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत शुरू की होती, तो छात्रों और आम जनता की नजरों में सरकार का सम्मान और बढ़ जाता। लेकिन सोशल मीडिया की भूमिका पर वापस आएं तो यह कहना होगा कि यह परिपक्व हो गया है। इसकी पहुंच अब टीवी समाचार चैनलों से कहीं अधिक है, जिन्होंने अपनी सारी विश्वसनीयता खो दी है। अब पुलिस या अन्य सुरक्षा एजैंसियों के लिए ज्यादतियों से बच निकलना बहुत मुश्किल होगा। लेकिन सावधानी बरतने की भी जरूरत है। नागरिक पत्रकारिता हमेशा जिम्मेदार या सही नहीं हो सकती।

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (एआई) के इस युग में कभी-कभी यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि क्या वास्तविक है और क्या गलत। हालांकि प्रदर्शनकारियों द्वारा कैद किये गये बिना संपादित दृश्यों ने वह सब उजागर कर दिया है, जिसे मुख्यधारा के मीडिया द्वारा छुपाया जा सकता था या हो सकता है कि उनके पास ऐसी सभी कार्रवाइयों को कैद करने के संसाधन न हों। सरकार के लिए यह बेहतर होगा कि वह पुलिस द्वारा की गयी सभी ज्यादतियों का संज्ञान ले, जिसमें सादे कपड़ों में लाठी लिए पुलिसकर्मी भी शामिल हैं और सुनिश्चित करे कि दोषियों को सजा मिले। सूचना प्रौद्योगिकी और मोबाइल फोन की शक्ति के इस युग में, किसी भी सरकार के लिए किसी भी ज्यादती को छुपाना मुश्किल होगा।

उद्यमी कर रहे आत्मनिर्भर भारत का निर्माण

चिराग पासवान

जब 2020 में कोविड-19 महामारी ने लोगों के जीवन और आजीविका पर बुरा असर डाला, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया कि फिर से पूर्वस्थिति बहाल करने की प्रक्रिया केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसे सबसे छोटे उत्पादकों और उद्यमों तक भी पहुंचना चाहिए, खासकर उन उद्यमों तक, जो भारत के गांवों और छोटे शहरों में कार्यरत हैं। इस उद्देश्य के साथ उस साल आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना शुरू की गयी थी। इसकी शुरुआत खाद्य अर्थव्यवस्था के उस हिस्से के साथ हुई, जो लंबे समय तक औपचारिक वित्त और संस्थागत समर्थन से बाहर रहा था-सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण, जो पहले ही उत्पादन व बिक्री कर रहे थे और कुछ लोगों को रोजगार दे रहे थे, लेकिन जिनके पास आगे बढ़ने के लिए आवश्यक पूंजी या मार्गदर्शन नहीं था। यह योजना उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है, जिसे प्रधानमंत्री लगातार मानते रहे हैं, कि भारत की वृद्धि इसके आधार से शुरू होनी चाहिए, यानी उन लोगों के बीच, जो अपने खुद के उद्यम शुरू करना चाहते हैं।

पीएमएफएमई के ऋण से जुड़े घटक के तहत अब तक 2 लाख से अधिक मंजूरियां दी जा चुकी हैं। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके पीछे वे उद्यमी हैं, जो औपचारिक ऋण-प्रणाली से जुड़े हैं और जिन्हें अपने उद्यम-निर्माण का असली मौका मिला है। इनमें सबसे पहले व्यक्ति जमनालाल पाटीदार थे, जिनका आवेदन पीएमएफएमई के तहत सबसे पहले मंजूर किया गया था। 10वीं पास इस उद्यमी के पास खाद्य प्रसंस्करण का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन इन्होंने 10 लाख रुपये के निवेश के साथ धनिया प्रसंस्करण इकाई शुरू की। इस योजना की मदद से उन्हें वित्त, मशीनरी और मार्गदर्शन की सुविधा मिली और उनका विचार एक कामयाब व्यवसाय में बदल गया, जो आज 5 से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। उसकी कहानी एक सरल बात बताती है। उद्यमिता केवल अच्छे परिवार या अच्छे शिक्षा प्राप्त लोगों का विशेषाधिकार नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कोई व्यक्ति अपने विचार को क्रियान्वित करने के लिए वित्त, तकनीक और सहायता प्राप्त कर सकता है। आम भारतीयों को उद्यम बनाने और दूसरों को रोजगार देने में सक्षम बनाकर, पीएमएफएमई योजना प्रधानमंत्री के उस विजन को आगे बढ़ा रही है, जिसमें नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वाले में बदलने की बात कही गयी है।

इस बदलाव में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही है। ऋण से जुड़ी 2 लाख मंजूरियों में से लगभग 44 प्रतिशत का लाभ महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को मिला है, जबकि 4 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने अपने व्यवसाय को मजबूत और उन्नत करने के लिए शुरुआती पूंजी प्राप्त की है। पूरी योजना से 20,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकषत हुआ है और लगभग 6 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

75,000 से अधिक इकाइयां उद्यम पंजीकरण और एफएसएसएआई व जीएसटी के तहत अनुपालन के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुकी हैं। कई महिलाओं के लिए इसका मतलब है, घर या समुदाय में अभ्यास किये जाने वाले हुनर को ऐसे मान्यता प्राप्त उद्यमों में बदलना, जहां उन्हें वित्त, तकनीक और बड़े बाजारों तक पहुंच मिल सके। इनमें से प्रत्येक संख्या के पीछे एक बड़ा लाभ छिपा है। एक कामकाजी उद्यमी किसान की उपज खरीदता है, हर फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करता है और अधिक मूल्य वहीं रखता है, जहां इसे बनाया गया। एक स्थानीय फसल ब्रांडेड उत्पाद बन जाती है। एक घरेलू कौशल स्थायी रोजगार बन जाता है। समय के साथ, एक जिले की पहचान उसके द्वारा बनाई गयी चीजों से होने लगती है। व्यावहारिक तौर पर यही वोकल फॉर लोकल है, एक समय में एक उद्यम।

पीएमएफएमई के तहत 2 लाखवीं मंजूरी रांची के इंदरजीत सिंह को मिली, जो एक बेकरी बना रहे हैं और सपना देखते हैं कि उनके केक और पेस्ट्री एक दिन पूरे झारखंड में मशहूर होंगे। अगर पाटीदार दिखाते हैं कि यह यात्रा कितनी दूर तक जा सकती है, तो सिंह दिखाते हैं कि यह अभी और गति पकड़ रही है। आगे के रास्ते का यही रूप है। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण के लिए औपचारिक ऋण को सुविधाजनक बनाना पहला काम था और मुश्किल लेकिन ज्यादा संतोषजनक काम यह है कि हर मंजूरी को वास्तव में दिये गये ऋण में बदलना और हर ऋण से एक ऐसा व्यवसाय बनाना, जो कारोबार करे और लंबे समय तक चलता रहे। मंजूरी से दरवाजा खुलता है।

पीएमएफएमई के अगले चरण की दिशा यही होनी चाहिए। हम होनहार उद्यमों तक तेजी से ऋण पहुंचाएंगे, बेहतर तकनीक और पैकेजिंग अपनाने में उनकी मदद करेंगे, बाजार तक उनकी पहुंच का विस्तार करेंगे और इनमें से बहुत-से उद्यमियों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचने के लिए तैयार करेंगे। हम उद्यमियों के साथ मंजूरी के केवल पहले ही नहीं, बल्कि मंजूरी के बाद भी खड़े रहेंगे, उन्हें लगातार ऐसा सहयोग देंगे, जिससे उनका पहला ऋण स्थायी आजीविका का एक जरिया बन जाए। कुल मिलाकर ये 2 लाख मंजूरियां प्रशासनिक उपलब्धि से कहीं ज्यादा हैं। हर ऐसा उद्यम, जो जड़ें जमा लेता है, अपने आस-पास की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। यह पास के खेतों से खरीददारी करता है, घर के पास आय सृजित करता है और महिलाओं और युवा भारतीयों को खुद का व्यवसाय शुरू करने का आत्मविश्वास देता है।

संक्षिप्त समाचार

भूजल सप्ताह में हो रही भूजल की बर्बादी

लखनऊ, एजेंसी। एक तरफ प्रदेश में भूजल सप्ताह मनाया जा रहा है। भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। दूसरी ओर शहर में लगातार बढ़ रही बोरिंग के चलते भूजल स्तर गिरता जा रहा है। जिधर देखो बोरिंग हो रही है। पुराने लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित नगर निगम के मार्ग प्रकाश कार्यालय के पीछे कुछ ऐसा ही देखने को मिला। यहां बोरिंग के लिए पाइप डाली गई है। काफी दिनों से साफ पानी आ भी रहा है। इसके बाद भी पानी साफ करने के नाम पर रोज बेहिसाब पानी बहाया जा रहा है। इससे सड़क भी खराब हो रही है। भूजल की इस बर्बादी पर किसी की नजर नहीं है।

गंदे भोजनालयों और मिलावट पर फूड सेफ्टी कनेक्ट से सीधे होगी कार्रवाई

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने आम लोगों को खाद्य सुरक्षा का सजग प्रहरी बनाने के उद्देश्य से ''''खाद्य सुरक्षा के साक्षी बनें'''' विशेष अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल व ऐप की सुविधा दी गई है, जिसके जरिए उपभोक्ता सिर्फ एक फोटो खींचकर लापरवाही की शिकायत सीधे अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं। जिले में 596 लाइसेंसी व 1,117 पंजीकृत रेस्टोरेंट हैं। 2,540 से अधिक मोबाइल फूड वेंडर भी हैं। धार्मिक और पर्यटन नगरी होने के कारण यहां खान-पान के स्थानों पर छोटी सी भी अनदेखी बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। खाद्य विभाग के सहायक आयुक्त कौशलेंद्र शर्मा ने बताया कि बाजारों, भोजनालय संघों और वेंडर समितियों के साथ समन्वय बैठकें की जा रही हैं। उपभोक्ता 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' ऐप पर मौके की तस्वीर अपलोड कर तुरंत रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। शिकायत दर्ज होते ही यह अपने आप संबंधित क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा अधिकारी को हस्तांतरित हो जाती है। पोर्टल पर लाइसेंस सत्यापन, खाद्य सुरक्षा के दिशा-निर्देश और पुरानी शिकायतों की स्थिति देखने की व्यवस्था भी मौजूद है।

जौहर विश्वविद्यालय बचाने को आगे आए कई संगठन, कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर, एजेंसी। मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण के विरोध में बुधवार को विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कमिश्नर को सौंपा। उन्होंने ध्वस्तीकरण के निर्णय को दुर्भाग्यपूर्ण एवं अस्वीकार्य बताया। नेतृत्व कर रहे समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला सचिव मुहम्मद आसिम खान ने कहा कि रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण गरीब, वंचित और जरूरतमंद तबके के बच्चों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। उसके ध्वस्तीकरण से इन तबकों के हजारों बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। राजनीतिक कारणों से भवनों के मानचित्र संबंधी विवाद को आधार बनाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल में पार्षद दल के नेता अशोक यादव, पार्षद शहाब अंसारी, पूर्व पार्षद कुद्दुस अली, पूर्व पार्षद इश्तेयाक अहमद, शकील अहमद अंसारी, हाजी कलीम अहमद फरजंद, अनवार आलम, नबीउल्लाह अंसारी, दिलीप निषाद, हाजी कलीम अहमद, मुर्तजा हुसैन रहमानी, अभय गुप्ता व राजू लारी सहित अन्य कई लोग शामिल रहे।

सावन में शिवालयों पर लगेंगे स्टॉल मिलेगा गंगाजल

गोरखपुर, एजेंसी। सावन में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं को गंगाजल के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डाक विभाग शहर के प्रमुख शिवालयों पर गंगोत्री के गंगाजल के स्टॉल लगाएगा। इसके अलावा प्रधान डाकघर में भी गंगाजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने अतिरिक्त स्टॉक के लिए मुख्यालय को ऑर्डर भेज दिया है। प्रधान डाकघर में फिलहाल 250 मिलीलीटर की गंगाजल की एक हजार से अधिक बोतलें उपलब्ध हैं। डिप्टी पोस्टमास्टर अजय कुमार पांडेय ने बताया कि 250 मिलीलीटर की एक बोतल 30 रुपये में बेची जा रही है। सावन में मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त गंगाजल मंगाया जा रहा है। डाक विभाग के अनुसार, गंगोत्री को मां गंगा का उद्गम स्थल माना जाता है। इसलिए वहां का गंगाजल धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। विभाग अधिकृत स्रोत से प्राप्त गंगाजल को सीलबंद बोतलों में उपलब्ध कराता है, जिससे उसकी शुद्धता और प्रामाणिकता बनी रहती है।

बिहार पुलिस रेडियो एएसआई परीक्षा में पेपर लीक की कोशिश नाकाम

शिक्षक पर लगा 'पेपर की डील' का आरोप

गया, एजेंसी। गयाजी में बिहार पुलिस रेडियो वायरलेस परीक्षा के दौरान पेपर लीक करने की एक बड़ी कोशिश नाकाम हो गई। कासमी पल्स टू हाई स्कूल के एक शिक्षक दिलशाद अपने साथियों के साथ अभ्यर्थियों को पेपर देने के बदले पैसे की डील कर रहा था। जिला पुलिस को सूचना मिलते ही तुरंत छापेमारी की गई और कार का पीछा किया गया, जिसमें आरोपी फरार हो गए।

शिक्षक दिलशाद और शिवम सिंघनिया पर शक: शिक्षक दिलशाद, जो करीमगंज मोहल्ले में रहता है और टेकारी का मूल निवासी है, पिछले 3-4 साल से कासमी हाई स्कूल में बायोलॉजी पढ़ा रहा था। उसके साथ रामपुर थाना क्षेत्र के शिवम सिंघनिया का भी नाम शामिल बताया जा रहा है। शिवम के घर से विभिन्न व्यक्तियों की मार्कशीट, डिग्री और अन्य कागजात बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

एक गिरफ्तारी, कई युवा हिरासत में लिए गए: पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पूछताछ जारी है। शक के आधार पर कई युवाओं को हिरासत में लिया गया था, लेकिन प्रारंभिक जांच में उनकी संलिप्तता न पाए जाने पर रामपुर थाना से बाउंड पेपर भरवाकर छोड़ दिया गया। फरार आरोपियों की गाड़ी और ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज और चेक भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने किया कार का पीछा: पुलिस टीम ने कार का पीछा किया, जिसमें आरोपी कार छोड़कर भाग निकले। सूत्रों के अनुसार पीछा करते समय फायरिंग भी हुई, लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने गोली चलने की बात से इनकार किया है और इसे अफवाह बताया है। जब्त कार की ड्राइविंग सीट के नीचे गोली का निशान देखा गया है।

पुलिस ने कहा नहीं हुआ पेपर लीक: बुधवार को गया के 14 केंद्रों पर लगभग 8000 अभ्यर्थियों ने शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा दी। वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने स्पष्ट किया कि पेपर लीक नहीं हुआ, बल्कि कुछ लोग पेपर लीक करने की कोशिश कर रहे थे। पैसे के बदले पेपर देने की डील हो रही थी, जिसे पुलिस की त्वरित कार्रवाई से विफल कर दिया गया।

शिक्षक ड्यूटी पर नहीं था, स्कूल प्रिंसिपल का बयान: कासमी हाई स्कूल के प्रिंसिपल मो। आफताब ने बताया कि दिलशाद बुधवार को परीक्षा ड्यूटी पर नहीं था और स्कूल से बाहर था। वे छुट्टी पर थे। स्कूल प्रशासन को यह नहीं पता कि वे इस दौरान पेपर लीक की कोशिश में कैसे शामिल हो गए। पुलिस शिक्षक के पुराने रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

जांच जारी, पूरी सच्चाई सामने आएगी: पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनके ठिकानों पर छापेमारी जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिनकी संलिप्तता पाई जाएगी, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अभ्यर्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले गिरोह पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा में युवक की हत्या, मो. रेहान से 2.5 लाख लूटकर फरार हुए बदमाश

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में मंगलवार रात एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मर्डर के बाद बदमाश उसके पास से करीब 2I5 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। मृतक की पहचान 21 वर्षीय मो। रेहान के रूप में हुई है, जो पास के ही हार्डवेयर की दुकान में काम करता था। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दरभंगा में युवक की हत्या: वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि मो। रेहान डीह टोला छत्तवन निवासी मो। अशरफ अली का पुत्र था। वह पप्पू हार्डवेयर दुकान में काम करता था और दुकान के हिसाब-किताब की जिम्मेदारी भी उसी के पास थी। मंगलवार कि देर शाम बुलेट से वह दुकान की बिक्री के 2.5 लाख रुपये लेकर अपने मालिक को देने जा रहा था।

2.5 लाख मालिक को देने जा रहा था: इसी दौरान रास्ते में बदमाशों ने उसकी बाइक को रोका और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस बात की सूचना मिलते ही केवटी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रेहान को केवटी पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

क्या बोली केवटी पुलिस ?: घटना को लेकर केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि ''घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और अपराधियों की पहचान के लिए विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

युवक की हत्या से इलाके में दहशत: युवक मो। रेहान की हत्या की खबर देखते-देखते पूरे इलाके में फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। फिलहाल केवली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है।

चढ़ावा चोरी के बाद बदली राम मंदिर की पूरी व्यवस्था, अब समिति लेगी सभी बड़े फैसले

लखनऊ, एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर की धार्मिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पूजा-अर्चना और धार्मिक गतिविधियों की पूरी निगरानी अब अयोध्या के संत समाज को सौंप दी है। ट्रस्ट ने धार्मिक समिति का पुनर्गठन करते हुए स्पष्ट किया है कि अब राम मंदिर की सभी धार्मिक गतिविधियां वैदिक रामानंदी परंपरा के अनुरूप संचालित होंगी और इस संबंध में समिति का निर्णय सर्वोपरि माना जाएगा।

समिति के अध्यक्ष ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि होंगे, जबकि इसमें अयोध्या के पांच प्रमुख संत राम मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास (निर्मोही अखाड़ा), महंत कमलनयन दास (मणिराम दास छावनी), महंत डॉक्टर रामानंद दास (रामकथा कुंज), अधिकारी राजकुमार दास (रामबल्लबा कुंज) और महंत मिथिलेशनंदिनी शरणको शामिल किया गया है। इनके अलावा जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, जगद्गुरु स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ और राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि समिति में रहेंगे। नौ सदस्यीय समिति में अयोध्या के संतों का बहुमत रहेगा।

स्वामी गोविंद देव गिरि ने बताया कि यह भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है और यहां सेवा-पूजा रामानंदी वैदिक परंपरा के अनुसार ही होती रहे, यह सुनिश्चित करना समिति का सबसे बड़ा दायित्व होगा। अब मंदिर अयोध्या के संतों की निगरानी में चलेगा और वैदिक रामानंदी परंपरा के अनुसार ही संचालित होगा। ट्रस्ट के इस फैसले को राम मंदिर की धार्मिक व्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा संस्थागत बदलाव माना जा रहा है।

बीच-बचाव करने पहुंचे बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, जमीनी विवाद में कई घायल, गांव में तनाव

अयोध्या, एजेंसी। जमीनी विवाद में हुए खूनी संघर्ष में एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

अयोध्या जिले के हैदरगंज थाना क्षेत्र के कुआडाड़ गांव में जमीनी विवाद ने बुधवार देर रात खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे 63 वर्षीय चैतू राम की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, जबकि परिवार के कई अन्य सदस्य भी घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

परिजनों के अनुसार, रात करीब साढ़े नौ बजे गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान चैतू राम अपने बेटों के साथ विवाद शांत कराने पहुंचे। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों, कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में चैतू राम गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को पहले स्थानीय स्तर पर

उपचार के लिए ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में उन्हें दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। चिकित्सकों ने चैतू राम को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।

घटना को लेकर मृतक के बेटे बालगोविंद उर्फ बालक राम ने थाना हैदरगंज में तहरीर देकर कई लोगों पर हत्या और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि घटना के दौरान पुलिस की पीआरवी टीम गांव पहुंची थी, लेकिन विवाद बढ़ने पर मौके से चली गई। उनका कहना है कि समय रहते सख्ती से कार्रवाई होती तो इतनी बड़ी घटना टाली जा सकती थी। हालांकि पुलिस ने इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और पूरे मामले की विवेचना की जा रही है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अहिबरनपुर उपकेंद्र के खंभे टूटने से आठ घंटे तक बिजली-पानी का संकट

लखनऊ, एजेंसी। अहिबरनपुर उपकेंद्र के त्रिवेणीनगर स्थित सिटी कॉर्ट कॉलोनी व आसपास के लोग बुधवार को आठ घंटे तक बिजली-पानी के लिए तरसते रहे। यह संकट वाहन की टक्कर से बिजली के दो खंभे टूटने के कारण उत्पन्न हुआ। इसके अलावा अन्य इलाकों में भी तकनीकी गड़बड़ी के कारण भी बिजली आपूर्ति में व्यवधान आया।

अधिशासी अभियंता पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि सुबह 8:30 बजे वाहन की टक्कर से यह घटना हुई। इससे 150 से ज्यादा घरों की बिजली शाम 4 बजे चालू हो सकी। पहले टूटे खंभे हटाए और फिर नए लगाए गए। इसके बाद नए तारों के जरिये आपूर्ति चालू कराई गई। उधर, अमीनाबाद उपकेंद्र इलाके में दोपहर के वक्त एक दुकान में एसी का कंप्रेसर फटने से आग लग गई। इससे एक घंटे तक गूंगे

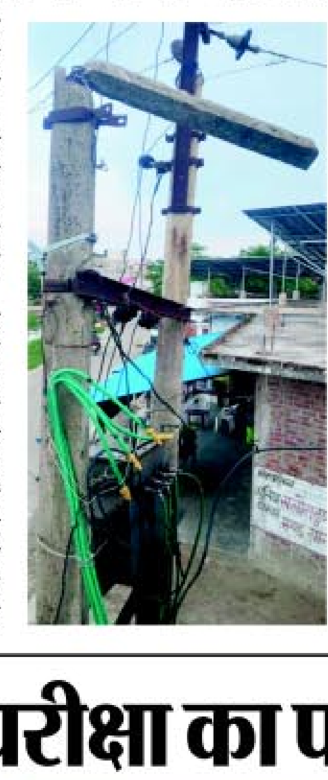

नवाब पार्क और मुमताज मार्केट के आसपास बिजली आपूर्ति बाधित रही। इसी प्रकार विभूतिखंड और महिला पॉलीटेक्निक उपकेंद्र की 33 केवी बिजली एक तरफ से बंद होने पर दूसरी तरफ से चालू कर ली गई। विश्वविद्यालय उपकेंद्र के निराला नगर लाइन में फॉल्ट आने के कारण सुबह 8 से 11:30 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही।

एक लाख की आबादी ने बिन बिजली गुजारी रात

मंगलवार देर रात करीब 11 बजे रहीमाबाद के करीब 50 गांवों की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। ग्रामीणों ने रहीमाबाद उपकेंद्र पर फोन मिलाना शुरू किया। उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ आलोक कुमार ने बताया कि बिजली सही करवा रहे हैं। लेकिन रात भर बिजली नहीं आई। नौ घंटे बीतने के बाद बुधवार सुबह आपूर्ति बहाल हुई। जिंदौर, लालूहार, शेरनगर, गदिया खेड़ा, झुरी खेड़ा, गढ़ी सहित करीब 50 गांवों के लोग रात में गर्मी व उमस से परेशान रहे।

बिजली चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

राजधानी में बुधवार को बिजली चोरी में पकड़े गए लोगों पर कार्रवाई हुई। अमौसी जोन में सुमन बंशीगढ़ी, लखनऊ सेंट्रल में मेराज, मुमताज, वहीदा, भवन लाल और धर्म किशोर सीधे केबल से बिजली चोरी करते पकड़े गए। इसी प्रकार गोमतीनगर जोन में इरशाद खां, दिलदार खां निवासी मटियारी शिवपुरी पर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने दुकानदार ने तोड़ा शीशा, घायल

आगरा, एजेंसी। नगर निगम ने बुधवार को मामू-भांजा, बारहद्वारी और रसलगंज क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान मामू-भांजा बाजार में एक मोबाइल शॉप संचालक ने कार्रवाई का विरोध करते हुए अपनी दुकान के काउंटर पर लगे शीशे पर खुद ही हाथ मार दिया। इससे शीशा टूट गया और दुकानदार के हाथ में चोट लग गई।

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की निगरानी में मामू-भांजा, बारहद्वारी और रसलगंज क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने सड़क और फुटपाथ पर कब्जा कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई दुकानों और ठेलों का सामान जब्त किया।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि एक मोबाइल शॉप संचालक ने नगर निगम की टीम को डराने के उद्देश्य से अपनी दुकान के

काउंटर का शीशा स्वयं तोड़ लिया, जिससे वह घायल हो गया। नगर आयुक्त ने बताया कि मामू-भांजा में हुई घटना की पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है।उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर को अतिक्रमण और जाम से मुक्त कराना है। यदि कोई व्यक्ति दोबारा अतिक्रमण करता है या कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ नगर निगम अधिनियम की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में अंतिम सक्षमता परीक्षा का परिणाम जारी, 2 I71 लाख शिक्षक हुए पास

पटना, एजेंसी। बिहार में स्थानीय निकाय के शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने की प्रक्रिया का अंतिम चरण भी पूरा हो गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति यानी बीएसईबी ने आज मंगलवार को पांचवीं एवं अंतिम सक्षमता परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया। इसके साथ ही आयोजित पांचों सक्षमता परीक्षाओं में कुल 271133 शिक्षक अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए हैं। सफल अभ्यर्थियों को अब शिक्षा विभाग की ओर से कार्उंसलिंग के लिए अलग से सूचना दी जाएगी।

पांचवीं सक्षमता परीक्षा में 30% सफल: बीएसईबी अध्यक्ष डॉ। त्यागराजन एसएम ने बताया कि पांचवीं सक्षमता परीक्षा का आयोजन 5 जून से 8 जून 2026 तक कंप्यूटर आधारित परीक्षा के माध्यम से किया गया था। इसमें 14512 शिक्षक अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें 6559 पुरुष और 7953 महिला अभ्यर्थी थे। परीक्षा में 1870 पुरुष और 2483 महिला, यानी कुल 4353 शिक्षक सफल हुए। इस परीक्षा का कुल सफलता प्रतिशत 30 प्रतिशत रहा।

वर्गवार ऐसा रहा परिणाम: घोषित नतीजों के अनुसार कक्षा 1 से 5 वर्ग में सबसे अधिक 13235 अभ्यर्थी शामिल हुए, जिनमें 3868 यानी 29I23 प्रतिशत सफल रहे। कक्षा 6 से 8 में 781 अभ्यर्थियों में से 313 यानी 40I08 प्रतिशत सफल हुए। कक्षा 9 से 10 में 367 अभ्यर्थियों में से 122 यानी 33I24 प्रतिशत ने परीक्षा पास की। वहीं कक्षा 11 से 12 में 129 अभ्यर्थियों में से 50 यानी 38I76 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए।

150 प्रश्नों की हुई थी ऑनलाइन परीक्षा: पांचवीं सक्षमता परीक्षा में कुल 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए थे। इनमें भाषा के 30 प्रश्न, सामान्य अध्ययन के 40 प्रश्न तथा संबंधित विषय के 80 प्रश्न शामिल थे। परीक्षा की अवधि 2 घंटे 30 मिनट निर्धारित थी। प्रश्न पत्र का निर्माण राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना द्वारा किया गया था।

किन शिक्षकों को मिला था मौका?: इस परीक्षा में वैसे शिक्षक शामिल हुए थे जो पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी सक्षमता परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे या असफल रहे थे। इसके अलावा ऐसे शिक्षक भी परीक्षा में शामिल हुए जिनका पूर्व में आवेदन किसी प्रशासनिक कारण से अनुमोदित नहीं हो पाया था।

सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश के अनुसार सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 36I5 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 34 प्रतिशत, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, दिव्यांग और महिला अभ्यर्थियों के लिए 32 प्रतिशत अंक न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित किए गए थे। निर्धारित कटऑफ प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है।

पांचों चरण की प्रक्रिया पूरी: बिहार सरकार ने स्थानीय निकाय के शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के लिए कुल पांच सक्षमता परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया था। पांचवीं परीक्षा का परिणाम जारी होने के साथ ही यह पूरी प्रक्रिया समाप्त हो गई है। बीएसईबी के अनुसार अब तक आयोजित सभी पांच परीक्षाओं में कुल 271133 शिक्षक अभ्यर्थी सफल हुए हैं। यह परीक्षा सभी नियोजित शिक्षकों के लिए अनिवार्य था। ऐसे में जो नियोजित शिक्षक अब तक असफल रहे हैं उनके संबंध में शिक्षा विभाग विचार करेगा।

अब होगी कार्उंसलिंग: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने स्पष्ट किया है कि जारी किया गया परिणाम प्रोविजनल है। परिणाम जारी होने के बाद शिक्षा विभाग सफल अभ्यर्थियों की कार्उंसलिंग कराएगा। इसके लिए सभी सफल शिक्षकों को अलग से सूचना भेजी जाएगी। कार्उंसलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्यकर्मी का दर्जा देने की आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्या बोले शिक्षा मंत्री ?: वहीं शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बताया कि आज ही रिजल्ट आया है और इस पर तुरंत कुछ नहीं बता सकते लेकिन उनकी कोशिश होगी कि किसी की नौकरी न जाए। संभव हुआ तो बचे हुए शिक्षकों के लिए एक और मौका देने पर भी विचार किया जा सकता है। वह इस रिजल्ट को बारीकी से देखने और सब कुछ जांच विचार करने के बाद ही आगे निर्णय लेंगे।

सिनेमा हॉल में फूट-फूटकर रोये परवेश, विपक्ष ने उड़ाया मजाक

चेन्नई, 23 जुलाई (एजें)। तमिलनाडु सरकार के मंत्री मोहम्मद परवेश अपने सीएम थलपति विजय की फिल्म जननायकन देखते समय सिनेमा थिएटर में ही रोने लगे। वहां मौजूद टीवीके के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें ढांढस बंधाया। हद तो यह रही कि सिनेमा हॉल में जब मंत्रीजी की आंखों में आंसू आये, तो दर्शकों ने इसे अपने मोबाइल फोन में रेकॉर्ड करना शुरू कर दिया। उनके रोने के वीडियो जब विपक्ष के हाथ लगी, तो उन्होंने आलोचनाओं और तंज का पिटारा खोल दिया। सीएम जोसेफ सी. विजय की फिल्म जननायकन को आम दर्शक देख ही रहे हैं। साथ ही, तमिनलाडु के मंत्री भी समर्थकों के साथ सिनेमा हॉल पहुंच रहे हैं। थलपति सरकार के मंत्री मोहम्मद परवेज भी टीवीके नेताओं के साथ पुडुक्कोट्टई के थिएटर में गये। वहां क्लाईमैक्स देखकर अचानक भावुक हो गये, फिर फफककर रोने लगे। मंत्री के अचानक रोने से साथी भी भौंचक रह गये। वहां मौजूद लोगों ने इस पूरे वाकये को कैमरे में कैद कर लिया। इसके बाद वह विपक्ष के निशाने पर आ गये। एक विपक्षी नेता ने कहा कि मंत्री मोहम्मद परवेश शायद करूर भगदड़ में 41 लोगों की बेरहमी से मौत पर भी इतनी तड़प के साथ न तो जोर-जोर से रोये होंगे और न ही सिसकियां भरी होंगी। एक अन्य ने सोशल मीडिया में कमेंट किया कि पहली बार पूरा देश किसी के रोने पर हंस रहा है। मोहम्मद परवेश तमिलनाडु के श्रम कल्याण और कौशल विकास मंत्री हैं। वह अरानथंगी विधानसभा से चुनकर पहली बार विधायक बने हैं। उन्होंने 21 मई 2026 को मंत्री पद की शपथ ली थी। मो. परवेश मंत्री बनने के बाद पहले भी विवाद में आ चुके हैं। वह ऑफिस में निरीक्षण करने पहुंचे थे। वहां वह सीएम विजय की तस्वीर नहीं होने पर भड़क गये। विवाद तब शुरू हुआ, जब मंत्री ने कर्मचारी को अंबेडकर पेरियार की तस्वीरें हटाने को कहा। विधानसभा चुनाव से पहले मोहम्मद परवेश टीवीके के पुडुक्कोट्टई में पार्टी के केंद्रीय जिला सचिव पद पर थे। तब उनके खिलाफ पुलिस ने बिना अनुमति के वाहन रैली आयोजित करने के लिए मामला दर्ज किया था।

प्रदर्शनकारी छात्रों को फर्जी ड्रग्स मामले में फंसाने वाली वीडियो की जांच शुरू

मुंबई, 23 जुलाई (भा)। मुंबई पुलिस ने उस वीडियो की जांच के आदेश दिये हैं, जिसमें एक पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों छात्र को दोबारा आंदोलन में शामिल होने पर उनके पास मादक पदार्थ रखा और उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की कथित तौर पर धमकी देता दिखायी दे रहा है। यह जानकारी आज एक अधिकारी ने दी। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा वीडियो में दावा किया गया है कि पुलिस का एक वाहन चालक छात्रों से यह कहकर धमकी दी है कि यदि वे फिर से प्रदर्शन में शामिल होते दिखायी दी तो उसे झूठे मादक पदार्थ रखने के मामलों में फंसा दिया जाएगा और उन्हें पूरी जिंदगी जेल के सलाखों में बितानी पड़ेगी। फिलहाल इस वीडियो की गहन जांच-पड़ताल जारी है।

दो करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी मामले में चार लोगों के खिलाफ आरोपपत्र

श्रीनगर, 23 जुलाई (भा)। जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने धोखाधड़ी के एक मामले में चार लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इस संबंध में बृहस्पतिवार को एक अधिकारी ने बताया कि ईओडब्ल्यू ने प्राथमिकी संख्या 55/2022 में रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) और 201 (साक्ष्य मिटाने) के तहत श्रीनगर स्थित उप न्यायाधीश (लघु वाद) की अदालत में चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। उन्होंने आरोपियों की पहचान श्रीनगर निवासी अर्शिद अहमद शोरा उर्फ बिलाल, फिरदौस अहमद भट, फिरदौस अहमद मीर और आफताब अहमद शाह के रूप में की। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार शोरा के नेतृत्व में आरोपियों ने शिकायतकर्ता को अधिक लाभ का लालच देकर 2.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शॉल की आपूर्ति करने के लिए राजी किया, लेकिन बाद में उसका भुगतान नहीं किया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान लगभग 68 लाख रुपये मूल्य की 338 शॉल बरामद की गयीं, जिन्हें अदालत के निर्देश पर शिकायतकर्ता को सौंप दिया गया। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है।

पीके कलन अनुसूचित जनजाति आवास योजना में अनियमितता की जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम, 23 जुलाई (भा)। केरल के स्थानीय स्व-शासन मंत्री केएम शाजी ने आज पीके कलन अनुसूचित जनजाति आवास योजना के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिये। एक बयान के मुताबिक कथित अनियमितताएं अलाप्पुझा जिले में इस योजना के तहत किये गये निर्माण कार्यों से जुड़ी हैं। ये निर्माण कार्य अलाप्पुझा नगरपालिका के अलावा पुन्नाप्रा, मरारिकुलम, मन्नानचेरी और आर्याड स्थानीय निकाय क्षेत्रों में किये गये थे। बयान के अनुसार मंत्री ने परियोजना के सभी चरणों (निविदा प्रक्रिया से लेकर निर्माण कार्य पूरा होने तक) की समीक्षा के लिए स्थानीय स्वशासन विभाग (एलएसजीडी) की अवर सचिव लीना एनटी की अध्यक्षता में एक जांच समिति बनाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि समिति में निर्माण की गुणवत्ता और नुकसान का आकलन करने के लिए सिविल इंजीनियरिंग या संरचना संबंधी विशेषज्ञ भी होंगे। समिति को 30 दिनों के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने समिति को यह जांचने का भी आदेश दिया कि क्या किसी ने कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश की थी। अधिकारियों के अनुसार समिति को भ्रष्टाचार या चूक के लिए जिम्मेदार पाये गये निकायों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने को कहा गया है। एलएसजीडी की वेबसाइट के अनुसार केरल में बिखरे हुए आदिवासी परिवारों के विकास के लिए 2018 में पी के कलन योजना शुरू की गयी थी।

सुपरटेक ट्विन टावर्स खरीदने का मामला

खरीददारों को धन वापसी के अनुरोध वाली याचिका पर न्यायालय ने सुनवाई टाली

नयी दिल्ली, 23 जुलाई (भा)। उच्चतम न्यायालय ने नोएडा में रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक के ध्वस्त किये गये ट्विन टावर्स के घर खरीददारों को रकम वापस दिलाने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई आज तीन महीने के लिए टाल दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन दलीलों पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि जिन घर खरीदारों ने वैकल्पिक आवंटन का विकल्प नहीं चुना है, उनके दावों का निपटारा करने के प्रयास जारी हैं। पीठ से अनुरोध किया गया था कि घर खरीददारों के दावों के समाधान के लिए अन्य विकल्प तलाशने के वास्ते तीन महीने का समय दिया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने सुनवाई टाल दी। कुछ घर खरीदारों का प्रतिनिधित्व कर रहे एक वकील ने कहा कि उन्हें धनराशि वापस नहीं मिली है और आखिरी भुगतान 2024 में ही किया गया था। इससे पहले शीर्ष अदालत ने कहा था कि ध्वस्त किए जा चुके ट्विन टावर्स के घर खरीददारों को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) द्वारा जमा कराई गई राशि में से अनुपातिक आधार पर धन वापसी की जाएगी। रियल एस्टेट कंपनी दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवाला समाधान प्रक्रिया का सामना कर रही है। नोएडा के सेक्टर 93ए में एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के ट्विन-टावर्स को 28 अगस्त, 2022 को विस्फोटकों का इस्तेमाल करके ध्वस्त कर दिया गया था।

दक्षिण गुजरात में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हजारों लोगों को पहुंचाये गये सुरक्षित स्थानों पर

अहमदाबाद, 23 जुलाई (भा)। दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वलसाड जिले के उमरगांव तालुका में आज सुबह तक 16 घंटे के दौरान 1,100 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी, जिसके बाद प्रशासन ने निचले इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण सूरत जिले में नदियां और अन्य जलाशय उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गयी है। अहमदाबाद में केवल दो घंटे में 66 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया और यातायात प्रभावित हुआ। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए मुंबई जाने वाली कई रेलगाड़ियों को रद्द कर दिया गया या उनका मार्ग छोटा कर दिया गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार कल सुबह छह बजे से आज सुबह 10 बजे तक वलसाड जिले का उमरगांव तालुका 1,100 मिलीमीटर से अधिक बारिश के साथ सबसे अधिक प्रभावित रहा।इस दौरान वलसाड जिले के कई अन्य तालुकों में भी 600 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गयी। अधिकारियों ने बताया कि औरंगा, पार और दमनगंगा जैसी नदियों के उफान पर आने से वलसाड जिले के निचले इलाकों में व्यापक जलभराव हो गया, जिसके कारण हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं, सूरत शहर के निचले इलाकों में रहने वाले 2,200 से अधिक लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। तापी, डांग, सूरत और नवसारी जिले भी भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण सामान्य जनजीवन बाधित हुआ और प्रशासन ने बचाव एवं राहत अभियान तेज कर दिया।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार के लिए वलसाड, नवसारी, डांग, सूरत और तापी जिलों में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिये गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए विभिन्न मंत्रियों को प्रभावित जिलों में भेजा है। सूरत में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने नौकाओं की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। विभाग के अनुसार पांडेसरा क्षेत्र से जलभराव के कारण 40 लोगों को निकाला गया। सूरत जिले के उमरपाड़ा, अंबिका, पलसाना और महुवा तालुकों में भी बुधवार को भारी बारिश हुई।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में ज्ञापन देने पहुंचे थे पूर्व कांग्रेस नेता, उल्टा तिरंगा लहरा दिया, मचा बवाल

मंदसौर, 23 जुलाई (एजें)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिला कलेक्ट्रेट परिसर से एक हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आयी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे समर्थकों के हाथ में देश का राष्ट्रध्वज उल्टा लगा हुआ दिखायी दिया। इस लापरवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गयी है। यह पूरा घटनाक्रम आज दोपहर करीब 1 बजे का बताया जा रहा है। कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर कांग्रेस से पूर्व में जुड़े और निर्दलीय चुनाव लड़ चुके स्थानीय नेता श्यामलाल जोकचंद के नेतृत्व में समर्थक ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। कलेक्ट्रेट परिसर में दाखिल होते समय समर्थक केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान भीड़ के बीच चल रहे एक समर्थक के हाथ में जो तिरंगा लहरा रहा था, उसमें हरा रंग ऊपर और केसरिया रंग नीचे की तरफ था। ज्ञापन सौंपने और नारेबाजी करने के दौरान वहां मौजूद किसी भी प्रदर्शनकारी का ध्यान इस बात पर नहीं गया कि राष्ट्रध्वज उल्टा पकड़ा गया है। इसी बीच मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरी लापरवाही का अपने मोबाइल में वीडियो बना लिया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, स्थानीय लोगों और प्रबुद्ध वर्ग के बीच राष्ट्रध्वज के अनादर को लेकर तीखी चर्चाएं शुरू हो गयीं। वीडियो के वायरल होते ही आयोजकों को भी अपनी इस बड़ी चूक का अहसास हुआ। फिलहाल इस मामले में पुलिस या जिला प्रशासन की तरफ से कोई आधिकारिक एफआईआर या बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर पूरे मामले की मॉनिटरिंग की जा रही है।

पृष्ठ 1 का शेष

कांग्रेस नेता...

दूसरी बार वह राज्यसभा चुनाव की औपचारिकताओं में व्यस्त थे। खेड़ा ने कहा कि जब भी मुझे बुलाया जाता है, मैं यहां आने की पूरी कोशिश करता हूं। मुझसे पहले भी दो बार पूछताछ हो चुकी है और अब मुझे फिर से बुलाया गया है। मैं कानून का पालन करूंगा तथा जांच में पूरा सहयोग करूंगा। मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने छह अप्रैल को कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष खेड़ा तथा उनके साथ मिलीभगत करने वाले अन्य सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था, जिनमें धारा 175 (चुनाव से संबंधित झूठा बयान) और धारा 318 (धोखाधड़ी) शामिल हैं। रिनिकी भुइयां ने कहा था कि खेड़ा ने अपने आरोपों के समर्थन में जो दस्तावेज दिखाये, वे सभी फर्जी, छेड़छाड़ किये हुए, जाली और मनगढ़ंत थे।

डिब्रुगढ़ में...

और मिथु गोगोई भी घायल हुए हैं। तीनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए डिब्रुगढ़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आयी है। घटना के बाद लाहोवाल इलाके में दहशत फैल गयी। स्थानीय लोगों ने अचानक हुई हिंसा को लेकर चिंता जतायी है। हमलावर घटना को अंजाम देने के तुरंत बाद फरार हो गये, जिससे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार हमलावरों की पहचान करने और हमले के पीछे के कारण का पता लगाने के प्रयास किये जा रहे हैं। जांच जारी है और मामले में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

अंतर-मत्रालयी...

जान चली गयी हैं और हजारों पशु बह गये हैं। उन्होंने कहा कि ''ऊपरी इलाकों में बादल फटने की घटनाओं और स्थानीय स्तर पर सामान्य से 436 प्रतिशत अधिक हुई भारी बारिश के कारण उन गांवों में भी बाढ़ आ गयी है, जहां हाल के वर्षों में इतनी बड़ी तबाही नहीं देखी गयी थी। शर्मा ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए पूरी सरकार के संयुक्त प्रयास के तहत पूरी ताकत से कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से लेकर राज्य प्रशासन तक सभी एजेंसियां चौबीसों घंटे काम कर रही हैं और हवाई मार्गों तथा नावों के माध्यम से बचाव एवं निकासी अभियान चला रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 148 से अधिक राहत शिविर बनाये गये हैं, जहां वर्तमान में करीब 30,000 लोग शरण लिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी टीम अधिक से अधिक प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सामान पहुंचा रही हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में ही तीन लाख किलोग्राम से अधिक चावल और अन्य जरूरी राहत सामग्री पहले ही पहुंचायी जा चुकी है तथा और सामग्री भेजी जा रही है। शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के लिए व्यापक दीर्घकालिक पुनर्वास पैकेज तैयार करने के लिए विभिन्न विभागों और केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

सरकार के लिए...

जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने त्वरीत अदालतें स्थापित करने की घोषणा की थी, ताकि प्रश्नपत्र लीक के मामलों में शामिल लोगों को शीघ्र और कड़ी सजा सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री की यह पहल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हजारों छात्रों द्वारा आयोजित संसद चलो मार्च के तीन दिन बाद सामने आयी है। इस मार्च में मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गयी थी।

बनाएंगे फास्ट ट्रैक...

कार्रवाई की। इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे, इसलिए दोबारा परीक्षा करायी गयी और समय पर परिणाम भी घोषित किये गये। पीएम ने कहा कि आगे ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सख्त कदम उठाये गये हैं और दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलायी जाएगी, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पेपर लीक कोई राजनीतिक या दलगत मुद्दा नहीं, बल्कि देश के युवाओं और उनके भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा कि राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं, तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते।

शिक्षा मंत्री का...

ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी है कि गठबंधन के सांसद और नेता शांतिपूर्ण तरीके से तीस जनवरी मार्ग पर गांधी स्मृति जा रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि हम उन छात्रों को याद करने जा रहे हैं, जिन्हें हमने खो दिया, वे बच्चे जिन्हें पेपर लीक के बाद अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि हम उन छात्रों के साथ खड़े होने जा रहे हैं, जो आज घायल हैं, जिन्हें न्याय और जवाबदेही की शांतिपूर्ण मांग करने पर पीटा गया। भारत के छात्र अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष उनके और उनकी मांगों के साथ खड़ा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने गठबंधन की बैठक पर सवाल उठाये हैं। बीएल संतोष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी के घर पर एक और ड्रामेबाजी चल रही है। बसें आ रही हैं और कांग्रेस के सांसद वहां पहुंच रहे हैं। बीएल संतोष ने आगे लिखा कि वे जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों से ध्यान हटाने के लिए कोई नाटक कर रहे हैं। इस ड्रामेबाजी वाली होड़ में कुछ समय के लिए देश का नुकसान हो रहा है। नीट पेपर लीक पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध के चलते संसद का मानसून सत्र बाधित हो रहा है। विपक्ष लगातार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार सुबह पेपर लीक मामले में त्वरित सजा सुनिश्चित करने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मामला चलाने की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार संसद में नीट पेपर लीक पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कलप्रेस कांफ्रेंस में कहा कि विपक्ष जितना चाहे उतने समय तक सरकार बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने पिछले 24 घंटों में बातचीत के कई प्रस्ताव दिये हैं और वह विरोध-प्रदर्शन से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। सरकार ने दोहराया कि वह बातचीत के लिए तैयार है और प्रदर्शनकारियों को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आवास या कार्यालय में बातचीत के लिए आमंत्रित किया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि हम उस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, जिसकी वजह से यह आंदोलन हो रहा है और इससे जुड़े सभी दूसरे मुद्दों पर भी। बातचीत खुले मन से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर हो सकती है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सरकार के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और जोर दिया कि कोई भी बैठक या तो जंतर-मंतर पर या आपसी सहमति से तय किसी तटस्थ जगह पर होनी चाहिए। आशुतोष रांका ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को बातचीत से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वे किसी केंद्रीय मंत्री के आवास पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

सरकार बोली-सीजेपी...

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में नारेबाजी की। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बीच संसद मार्ग पर बड़ी संख्या में पुलिस के जवान तैनात किये गये हैं। करीब एक महीने में सीजेपी का प्रदर्शन राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। शुरुआती सख्ती के बाद अब सरकार बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।

देशभर में...

पर पथराव किया। साथ ही कांच की बोतलें, लकड़ी और जूते भी फेंके, जिससे 16 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी घायल हो गए। खम्हारडीह थाना प्रभारी की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में लघु सचिवालय में ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गेट पर ही रोक लिया। इसे लेकर पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच धक्का-मुक्की हो गयी। इसे लेकर कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके कांग्रेसी वहां लगायी बैरिकेड हटाकर डीसी दफ्तर पहुंच गए। नीट और जेपीएससी में कथित गड़बड़ियों को लेकर रांची में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गये हैं। कल भाजपा ने कांग्रेस ऑफिस का घेराव किया तो आज कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंच गयी। इसे देखते हुए हरमू रोड स्थित भाजपा कार्यालय के पास भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी मोर्चा संभाल लिया। कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने आ गये। दोनों ओर से नारेबाजी हुई। पत्थर, टमाटर, अंडे और पानी की बोतलें फेंकी गयीं। इस दौरान एक पत्रकार को चोट लग गयी।

असम विस में...

हालांकि बहुविवाह के खिलाफ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है; इसके तहत बहुविवाह में शामिल व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा और दोषी पाये जाने वाले सरकारी कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण फैलाने वाले क्षेत्रों पर ग्रीन सेस लगाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे प्राप्त राशि का उपयोग पर्यावरण सुधार कार्यों में होगा। रोजगार के क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने और नये पद सृजित कर कुल 2 लाख लोगों को नौकरियां देने का लक्ष्य तय किया गया है। इस बजट में 419 करोड़ 26 लाख रुपये का घाटा दर्शाया गया है और राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत के भीतर रखने का लक्ष्य है। विनियोग विधेयक पारित होने से सरकार को बजट में घोषित विकास कार्यों और प्रशासनिक खर्चों के लिए राज्य की समेकित निधि से धनराशि उपयोग करने की कानूनी मंजूरी मिल गयी है।

लश्कर के दो...

एसओजी से जुड़े हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रुकी हुई थी। दोपहर करीब12.30 बजे आतंकियों ने आतंकियों ने उन्हें बहुत करीब से निशाना बनाया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। हमले के बाद आतंकी भाग गये। इस दौरान हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गये। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद जवान आशिक हुसैन के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। दोनों 2018 से सक्रिय बताये गये हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आदिल ठोकर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है, जबकि मौजूदा खुफिया जानकारी के मुताबिक हारून गनई हिजबुल मुजाहिदीन से संबद्ध है। हालांकि एक अन्य अधिकारी के बयान में दोनों को का आतंकी बताया गया है। आदिल ठोकर 2018 में पंजाब के अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान गया था। वहां उसने आतंकी शिविरों में ट्रेनिंग ली और पिछले वर्ष किसी समय फिर जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कर लौट आया। हमले के बाद सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे कश्मीर घाटी में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2,000 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्कर्स को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई आतंकियों और उनके समर्थन तंत्र के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है। वहीं, अनंतनाग समेत कई इलाकों में सर्च ऑपरेशन भी तेज कर दिये गये हैं। पुलिस और सुरक्षा बल उन सभी तत्वों की पहचान कर रहे हैं, जो आतंकियों को रहने का ठिकाना, आर्थिक मदद, ट्रांसपोर्ट और संचार जैसी सुविधाएं मुहैया कराते हैं।

एंटीबायोटिक दवाओं...

सामान्य संक्रमणों के इलाज के लिए पहली पसंद होती हैं, जबकि वॉच और रिजर्व श्रेणी की दवाओं का उपयोग गंभीर और जटिल संक्रमणों के लिए सीमित रखा जाना चाहिए। अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2019 में दुनिया भर में बैक्टीरियल संक्रमणों के इलाज के लिए करीब 43 अरब एंटीबायोटिक कोर्स की जरूरत थी। इनमें से लगभग 77 प्रतिशत एक्सेस श्रेणी की दवाएं होनी चाहिए थीं, जो संयुक्त राष्ट्र के 2030 तक कम से कम 70 प्रतिशत एक्सेस एंटीबायोटिक्स के उपयोग के लक्ष्य का समर्थन करता है। शोधकर्ताओं ने 67 देशों के वास्तविक आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसमें पाया गया कि 72 प्रतिशत देशों में कुल एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल अनुमान से अधिक था, जबकि 99 प्रतिशत देशों में वॉच श्रेणी की एंटीबायोटिक्स का उपयोग जरूरत से ज्यादा किया जा रहा था। वहीं, आधे से अधिक देशों में रिजर्व श्रेणी की दवाओं का पर्याप्त इस्तेमाल नहीं हो रहा था, जिससे गंभीर और दवा-प्रतिरोधी संक्रमण वाले मरीजों के इलाज पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा 60 प्रतिशत देश अब भी ऐसी एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिन्हें डब्ल्यूएचओ ने मरीजों को न लिखने की सलाह दी है। भारत के संदर्भ में अध्ययन में अनुमान लगाया गया कि प्रति 1,000 लोगों पर प्रतिदिन एंटीबायोटिक्स की आदर्श खपत 9.9 से 14.7 डिफाइंड डेली डोज (डीआइडी) होनी चाहिए, जबकि वास्तविक खपत 18.3 डीआइडी दर्ज की गयी। इसमें वॉच श्रेणी की एंटीबायोटिक्स का हिस्सा सबसे अधिक रहा। शोधकर्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि कम और मध्यम आय वाले देशों में संक्रामक रोगों और दवा-प्रतिरोध का बोझ अधिक होने के बावजूद, महंगी और प्रभावी एंटीबायोटिक्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल उच्च आय वाले देशों में हो रहा है। उन्होंने सरकारों से ऐसी राष्ट्रीय नीतियां बनाने का आग्रह किया है, जो गैर-जरूरी एंटीबायोटिक्स के उपयोग पर रोक लगाएं और जरूरतमंद मरीजों को समय पर सही दवाएं उपलब्ध कराएं।

सोनम रघुवंशी की...

रघुवंशी) जमानत की हकदार नहीं है। न सिर्फ गुणों के आधार पर, बल्कि दोनों कोर्ट द्वारा चर्चा किये गये आधारों पर भी ऐसा नहीं है कि प्रतिवादी को गिरफ्तारी के आधार नहीं दिये गये थे। गिरफ्तारी के आधार न देने और सही कारण बताने में अंतर है। पीठ ने कहा कि उसकी गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेज उसे दे दिये गये हैं और वह इस बात पर विचार नहीं करना चाहती कि मामला अपनी मर्जी से सरेंडर करने का है या गिरफ्तारी का। पीठ ने कहा कि इस कोर्ट के फैसले के आधार पर जमानत देने में दोनों निचली अदालतों (ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट) ने गलती की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें यह भी पता है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद है, हालांकि हम एक ऐसे मामले से निपट रहे हैं, जहां गुण के आधार पर विस्तार को खारिज करने वाले पहले के जमानत आदेश अंतिम हो गये हैं। ट्रायल पहले ही शुरू हो चुका है। पीठ ने कहा कि हम यह देखना चाहते हैं कि इस चरण पर प्रतिवादी का लगातार जमानत विस्तार वर्तमान ट्रायल में रुकावट डाल सकता है हम विवादित ऑर्डर को रद्द करना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने सोनम को सरेंडर करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया। पीठ ने आगे कहा कि अगर ट्रायल 6 महीने के अंदर आगे नहीं बढ़ता और खत्म नहीं होता है, तो प्रतिवादी को नयी जमानत अर्जी दाखिल करने की आजादी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश राज्य सरकार की उस याचिका पर दिया, जिसमें मेघालय हाईकोर्ट के सोनम की रिहाई को बरकरार रखने के आदेश को चुनौती दी गयी। 21 जुलाई को राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि घटना के बाद सोनम फरार हो गयी और सह-अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद ही सामने आयी। मेहता ने कहा कि उनके पति का शव ड्रोन की मदद से 10 दिनों के बाद बरामद किया गया था और उनका चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। मेहता ने कहा कि शव की पहचान टैटू के जरिए ही की गयी। पीठ ने सोनम के वकील से पूछा कि वह अपने मुवक्किल के व्यवहार को कैसे समझाएंगे? उनका केस यह है कि आप मृतक के साथ उस जगह पर गये थे और घटना हुई। पीठ को बताया गया कि 94 सरकारी गवाहों में से सिर्फ चार से पूछताछ हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इशारा किया कि जब तक ट्रायल कोर्ट सरकारी वकील के खास गवाहों के सबूत रिकॉर्ड कर रहा है, तब तक सोनम को सरेंडर कर देना चाहिए। पीठ ने इशारा किया कि वह फिर गुण के आधार पर उसकी जमानत पर फिर से सोच सकती है। पीठ ने सोनम के वकील से कहा कि वे इस बारे में निर्देश लें कि क्या वह अपनी जमानत पर आगे विचार होने तक सरेंडर करने को तैयार है। पीठ ने कहा कि दो विकल्प हैं या तो हम गुण पर विचार करेंगे और ऑर्डर पास करेंगे या हम आपको गवाहों की जांच होने तक सरेंडर करने का ऑर्डर देंगे, फिर हम इसे मेरिट पर देखेंगे पीठ ने कहा कि हम आपको अचरज नहीं करना चाहते। दूसरा विकल्प आपके लिए बेहतर हो सकता है। निर्देशन लें और वापस आएं'सोनम के वकील ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उनकी मुवक्किल पर कड़ी शर्तें लगायी हैं, जिनमें से एक यह है कि उन्हें शिलांग में रहना होगा और हर दिन कार्रवाई में शामिल होना होगा। पीठ ने कहा कि वह उन शर्तों पर विचार करेगी और यह साफ किया कि वह दोनों पक्षों के साथ निष्पक्ष रहना चाहेगी।

जयशंकर ने ओमान के विदेश मंत्री से मुलाकात की

पश्चिम एशिया की स्थिति पर हुई चर्चा

मनीला, 23 जुलाई (भा)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज ओमान के अपने समकक्ष सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी से मुलाकात की और पश्चिम एशिया के संकट तथा क्षेत्र में बदलते घटनाक्रम पर चर्चा की। फिलीपीन की राजधानी मनीला में मौजूद जयशंकर ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान) से जुड़ी बैठकों के दौरान नीदरलैंड, पापुआ न्यू गिनी और ब्रुनेई के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ अन्य नेताओं से भी मुलाकात की। जयशंकर ने यहां फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से भी मुलाकात की। जयशंकर और अल बुसैदी की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और ईरान द्वारा सैन्य गतिविधियां बढ़ाने से पश्चिम एशिया में तनाव फिर से बढ़ गया है। जहां अमेरिकी सेना ईरान के पुलों, जलापूर्ति संयंत्रों और बिजली सुविधाओं को निशाना बना रही है, वहीं तेहरान भी पश्चिम एशिया में सहयोगी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मनीला में ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी के साथ मुलाकात अच्छी रही। खाड़ी क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया। संपर्क में बने रहने पर सहमति बनी। फिलीपीन के राष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक में जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और आसियान की अध्यक्षता के सफल संचालन के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया। जयशंकर ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया नीदरलैंड यात्रा के नतीजों के बारे में विदेश मंत्री टॉम बेरेन्डसेन से बातचीत की। हमारे रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने से सहयोग के नये रास्ते खुले हैं।

घर के बाहर शौच को लेकर विवाद में युवक की हत्या, तलवार के वार से गर्दन धड़ से अलग

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत खटीक मोहल्ले में देर रात घर के बाहर शौच करने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक की तलवार से काटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान देवीलाल उर्फ राजा बाबू खटीक के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 10 बजे देवीलाल उर्फ राजा बाबू खटीक और उसके पड़ोसी ओमप्रकाश के बीच घर के पास शौच करने के मुद्दे पर कहासुनी शुरू हुई। विवाद बढ़ते देख देवीलाल के परिजन (उसकी मां और भाई) भी घर से बाहर आ गए और दोनों पक्षों के बीच बीच-बचाव करने लगे। इसी दौरान आरोपी ओमप्रकाश अचानक अपने घर के भीतर गया और तलवार निकाल लाया। उसने देवीलाल की गर्दन पर तलवार से जोरदार वार कर दिया, जिससे देवीलाल की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही गोगुंदा थानाधिकारी प्रवीण सिंह राजपुरोहित पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

शव का मोर्चरी में रखवाया जानाः पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर मृतक के शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए गोगुंदा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

आरोपी की तलाशः वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ओमप्रकाश मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पीएम स्वनिधि योजना : 15 दिन में लंबित आवेदनों का निस्तारण करें बैंक, आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर के आयुक्त ओमप्रकाश कसेरा की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति और लंबित ऋण आवेदनों की समीक्षा के लिए सभी बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ओमप्रकाश कसेरा के साथ उपायुक्त श्यामलाल जांगिड़, जिला परियोजना अधिकारी गोपाल लाल रेगर, जिला अग्रणी प्रबंधक गणेश कुमार तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में योजना के तहत प्रथम, द्वितीय और तृतीय ऋण के लंबित आवेदनों की बैंकवार समीक्षा की गई। इस दौरान 100 से अधिक लंबित आवेदन वाले बैंकों के मामलों पर विशेष चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई कर लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ओमप्रकाश कसेरा ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को अधिकतम ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगले 15 दिनों के भीतर विशेष अभियान चलाकर सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण किया जाए, ताकि रेहड़ी-पटरी और छोटे स्वरोजगार से जुड़े लाभार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके।

उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगर निगम और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया।

नागौर की प्रसिद्ध पान मेथी को जल्द मिलेगा जीआई टैग : हनुमान बेनीवाल

नागौर, एजेंसी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा लोकसभा में मंगलवार को नागौर की विश्व प्रसिद्ध पान मेथी को बहुत जल्द जीआई टैग मिलने की संभावना है। इस संबंध में सांसद बेनीवाल द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने यह भरोसा दिलाया।

बेनीवाल ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से पूछा कि नागौर की पान मेथी के लिए जीआई टैग का आवेदन लंबे समय से लंबित है, ऐसे में सरकार इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर किसानों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए क्या कदम उठा रही है जिस पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने लिखित उत्तर में बताया कि 7 जुलाई 2023 को कृषि उपज एवं मंडी समिति, राजस्थान द्वारा नागौरी पान मेथी के जीआई पंजीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था, 6 फरवरी 2026 को विशेषज्ञ समिति द्वारा इसका मूल्यांकन किया गया तथा समिति की अनुशंसाओं के आधार पर आवेदक को जांच रिपोर्ट जारी की गई।

आवेदक द्वारा 13 जुलाई 2026 को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है, जिसकी वर्तमान में जीआई पंजीकरण कार्यालय, चेन्नई में जांच की जा रही है। मूल्यांकन पूरा होने के बाद जीआई अधिनियम, 1999 के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि नागौर की पान मेथी अपनी विशिष्ट गुणवत्ता, सुगंध और स्वाद के कारण देश-विदेश में पहचान रखती है। इसे जीआई टैग मिलने से न केवल इस उत्पाद की वैश्विक ब्रांडिंग होगी, बल्कि क्षेत्र के हजारों मेथी उत्पादक किसानों को बेहतर बाजार, उचित मूल्य और आर्थिक लाभ मिलेगा, गौरतलब है कि सांसद इस मुद्दे को कई बार लोक सभा में उठा चुके है और बजट सत्र में उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से इस संदर्भ में मुलाकात भी की।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने एमवीयू के कॉल सेंटर का किया औचक निरीक्षण

जयपुर, एजेंसी। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को जामडोली स्थित मोबाइल वेटनरी यूनिट के कॉल सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को सुधारने और पशुपालकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कई कड़े और महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। निरीक्षण के समय उनके साथ पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री कुमावत ने व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान कॉल सेंटर पर पांच कॉलिंग एक्जक्यूटिव अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। मंत्री ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित मिले पांचों कर्मचारियों के विरुद्ध तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

क्षमता विस्तारः 44 से बढ़कर 60 होंगे पद

पशुपालकों की शिकायतों और कॉल्स का त्वरित निस्तारण करने के लिए मंत्री ने कॉल सेंटर की क्षमता बढ़ाने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री का संबल सखी यंग प्रोफेशनल्स से संवाद : प्रदेश की महिलाओं को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना

राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, संबल सखियों के माध्यम से साकार होगा, विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प– – मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से तीन माह पहले शुरू किया गया संबल सखी अभियान आज महिला सशक्तीकरण का जनआंदोलन बन चुका है। संबल सखियों द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर संबल सखी यंग प्रोफेशनल्स से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प संबल सखियों के समर्पण से ही साकार होगा। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों, वंदे गंगा अभियान में संबल सखियों ने योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने संबल सखियों से संवाद करते हुए उनके विचार जाने। संबल सखियों ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल पर उन्हें समाज के बीच जाकर सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का मौका मिल रहा है। वास्तविक लाभार्थियों को पहुंच रहे लाभ से उनको प्रेरणा मिलती है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला उत्थान के लिए मिला यह अवसर उन्हें पूरी निष्ठा और तन्मयता के साथ निभाना चाहिए। साथ ही, योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने और समस्या के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चार प्रमुख जातियों किसान, मजदूर, महिला और युवा का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है। राज्य सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, पर्याप्त सिंचाई जल, और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार हो सके। इसी प्रकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए हमारी सरकार रोजगार के साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 78 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं तथा 1 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख युवाओं को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने और अगली पीढ़ी के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हमारी डबल इंजन सरकार धरातल पर काम कर आमजन के जीवन को सुगम बना रही है। रोडमैप बनाकर पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं, जिसका असर धरातल पर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। मई, जून और जुलाई के जिन महीनों में राज्य पूर्व में अन्य राज्यों से बिजली खरीदता था, वहीं इस बार राजस्थान ने न केवल अपनी जरूरतें पूरी की, बल्कि बिजली उत्पादन में सरप्लस उत्पादन कर अन्य राज्यों को भी बिजली बेचने का ऐतिहासिक कार्य किया है। साथ ही, सड़कों के उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण के महत्वपूर्ण कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सेवा शिविरों की प्रभावशीलता का उल्लेख करते हुए बताया कि शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से वर्षों पुरानी जटिल समस्याओं का निस्तारण हुआ। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की अवधि को बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया गया है।

भाजपा अपना अहंकार छोड़कर छात्रों की आवाज़ सुने, राहुल गांधी से दुर्व्यवहार मोदी सरकार के तानाशाहीपूर्ण रवैये की एक और कड़ी : टीकाराम जूली

जयपुर, एजेंसी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा को अपना अहंकार छोड़कर देश और प्रदेश के छात्रों की आवाज़ को गंभीरता से सुनना चाहिए। युवाओं और छात्रों के न्यायपूर्ण मुद्दों से मुँह मोड़कर सत्ता के बल पर उन्हें दबाने की कोशिशें पूरी तरह तानाशाहीपूर्ण हैं। जूली ने अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मालाखेड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और छात्रों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। वहीं ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के चिकानी में विरोधस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका गया। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सभाओं में दावा करते थे कि उनके

समय पेपर लीक नहीं होंगे, लेकिन हकीकत सबके सामने है। राजस्थान में सीकर और अन्य स्थानों का नाम पेपर लीक में आना बेहद चिंताजनक है। इस दौरान शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो,पेपर माफिया पर कार्रवाई करो और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो के नारे गूंजे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि नीट-2026 का पेपर राजस्थान में लीक हुआ और राज्य सरकार ने 9 दिन तक एफआईआर तक दर्ज नहीं की। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आया है कि पिछले तीन साल से लगातार नीट का पेपर लीक हो रहा है और पिछले 12 सालों में 90 पेपर लीक हो चुके हैं।

जूली ने बुधवार को जयपुर में भाजपा द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर निकाले गए पैदल मार्च पर तंज कसते हुए कहा कि शायद भाजपा नेता यह भूल चुके हैं कि वे सत्ता में हैं, विपक्ष में नहीं। छात्रों की आवाज़ और उनकी वाजिब माँगों का समर्थन कर रही मुख्य विपक्षी पार्टी के खिलाफ भाजपा का इस तरह सड़कों पर उतरना अत्यंत निंदनीय और हास्यास्पद है। सत्ता पक्ष का काम जनता और छात्रों की समस्याओं का समाधान करना होता है, न कि विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना।

नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को दिल्ली में जिस तरह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ दुर्व्यवहार और बलप्रयोग किया गया, वैसा शर्मनाक घटनाक्रम देश के लोकतांत्रिक इतिहास में कभी नहीं देखा गया। कांग्रेस पार्टी देश के छात्रों और युवाओं के अधिकारों, उनके भविष्य और उनकी आवाज़ को हर मंच पर पूरी मजबूती से उठा रही है।

प्रधान खनिजों के 141 ब्लॉकों की ई-नीलामी के साथ राजस्थान देशभर में अव्वल

जयपुर,एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान खनन क्षेत्र का सिरमौर बन कर उभर रहा है। प्रधान खनिजों के 141 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के साथ राजस्थान ने प्रधान खनिजों की नीलामी में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। ई-नीलामी प्रक्रिया से बदल रही प्रदेश में खनन की तस्वीर–खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा ई-नीलाम किये गये 141 प्रधान खनिज ब्लॉकों में से 105 खनिज ब्लॉकों की माइनिंग लीज और 30 खनिज ब्लॉकों की कंपोजिट लाइसेंस के लिए नीलामी की गई है। इसके अलावा एक एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नीलामी की गई है। सामरिक महत्व को देखते हुए इनमें से राजस्थान से ही 7 क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉकों की नीलामी भारत सरकार द्वारा की गई है। राज्य में ई-नीलामी प्रक्रिया लागू होने के बाद से अब तक सर्वाधिक 101 लाइमस्टोन के ब्लॉकों की नीलामी हुई है। इसके अलावा आयरन ओर के 13, बेसमेटल के 8, सिलियस अर्थ के 4, मैगनिज के 3, गोल्ड के 2, पोटाश एवं हैलाइट के 2, रेयर अर्थ एलिमेंट के 4 और गार्नेट, एमरल्ड, फ्लोराइट व रॉक फास्फेट के एक-एक ब्लॉकों की नीलामी हुई है। विभाग का फोकस नीलाम ब्लॉकों को परिचालन में लाने पर है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में खनिज खोज और खनिज ब्लॉकों के योजनाबद्ध नीलामी की प्रभावी कार्ययोजना तैयार की गई। जिसके परिणामस्वरूप राजस्थान के खान विभाग ने मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। चालू वित्तीय वर्ष के भी आरंभिक तीन-साढ़े तीन माह में ही 14 प्रधान खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की जा चुकी है।

अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, 4 संस्थान 180 दिनों के लिए सीज

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर द्वारा मंगलवार को अग्निषमन सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन नहीं करने पर प्रतिष्ठानों/संस्थानों पर सीज की कारवाई की गई। जिसके अन्तर्गत होटल, कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी सम्मिलित है। यह कार्रवाई राजस्थान नगरपालिकाएं अधिनियम, 2009 की धारा 194 की उपधारा (7) के तहत की गई। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार उपायुक्त (फायर) प्रवीण कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को मुख्य अग्निषमन अधिकारी गौत्तमलाल की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ने अग्नि सुरक्षा मानकों की अवहेलना करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए 1. होटल कर्मा Plot number 2 Scheme s-vw Govind Nagar ajmer road Heerapur Jaipur, 2. प्रयास कोचिंग Riddhi Siddhi Crircle, Gopalpura Bypass Rd, Plot no 412, 413 B Surya Nagar, Jaipur 3. चिन्मय कोचिंग 423b, Surya Nagar, Gopalpura Bypass Rd, near Riddhi Siddhi Choraha, near shades and shine, Jaipur 4. जनपथ लाईब्रेरी 3 Near Barjmandal Colony 80 Feet Road, Jan Path, Jhotwara के विरूद्ध सीज किया गया। मुख्य अग्निषमन अधिकारी गौत्तमलाल ने बताया कि प्रतिष्ठान को पूर्व में अग्नि सुरक्षा प्रावधानों की पूर्ति कर आवश्यक अग्नि अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) प्राप्त करने का नोटिस दिया गया था। इसके बावजूद प्रतिष्ठानों/संस्थानों द्वारा निर्धारित समयावधि में आवश्यक अनुपालना नहीं की गई।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रतिष्ठान में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव है, जिससे वहां आने वाले नागरिकों, कर्मचारियों एवं संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था।

स्वर्गीय विद्या विनोद काला की 28वीं पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा जागरूकता व्याख्यान एवं कैंसर जांच शिविर आयोजित

जयपुर, एजेंसी। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रेरणास्रोत, स्वप्नदृष्टा, एवं संस्थापक प्रबंधन्यासी - वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी स्वर्गीय विद्या विनोद काला की 28वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार प्रातः अस्पताल परिसर में श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन एन. आर. कोठारी, विवेक,आलोक ,अजय एवं संजय काला, अस्पताल के ट्रस्टीगण, वरिष्ठ चिकित्सक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय विद्या विनोद काला के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कैंसर उपचार के क्षेत्र में स्वर्गीय काला के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को समाज के लिए एक बड़े संकल्प में परिवर्तित किया।

राजस्थान में कैंसर रोगियों को बेहतर उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में उनके प्रयासों ने एक जनआंदोलन का रूप लिया और भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ जो मानव सेवा का सबसे बड़ा मंदिर है।

इसके पश्चात राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से कैंसर एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अपूर्वा टांक ने कैंसर की प्रारंभिक पहचान, नियमित जांच, आधुनिक उपचार पद्धतियों तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी।

व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ तथा रोटरी क्लब जयपुर मरुगंधा की अध्यक्षा डॉ. नीलिमा गुप्ता सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।नीलिमा गुप्ता ने कहा की कैंसर के प्रति उदासीनता ही सबसे घातक है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के ट्रेनर अजय काला ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान, उन्नत जांच तकनीकों और नई उपचार पद्धतियों के कारण कैंसर अब पहले की तरह असाध्य बीमारी नहीं रहा है।

समय पर जांच और उचित उपचार से रोगियों का जीवन न केवल अधिक सुरक्षित हुआ है, बल्कि उनकी जीवन-गुणवत्ता और आयु में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि कैंसर के प्रति भय से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय विद्या विनोद काला को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज, सरकार और दानदाताओं को एक मंच पर लाकर सेवा के एक ऐसे संस्थान की नींव रखी, जो आज हजारों रोगियों के लिए आशा और उपचार का केंद्र बना हुआ है।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के मूल्यांकन के मापदण्ड जारी, जवाबदेही का होगा निर्धारण, रियल टाइम सर्विस होगी प्राथमिकता : डॉ. समित शर्मा

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर जिन्स की खरीद करने से लेकर कृषि आदानों की मांग के अनुसार आपूर्ति करने, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र की सेवायें मुहैया कराने और कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से किराये पर खेतीबाडी में काम आने वाले उपकरण और ड्रोन जैसी सुविधा प्रदान करने के लिये क्रय-विक्रय सहकारी समितियों का संचालन किया जा रहा है। इन समितियों में अधिकारियों एवं कार्मिकों की दक्षता एवं उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं की रियल टाइम सर्विस डिलेवरी को सुनिश्चित करने के साथ जवाबदेही के निर्धारण के लिये सहकारिता विभाग द्वारा मूल्यांकन के मापदण्ड जारी किये हैं। शासन सचिव, सहकारिता डॉ. समित शर्मा द्वारा मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में विभिन्न योजनाओं का संचालन सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है। इसलिये यह हमारा प्राथमिक कर्तव्य है कि केन्द्र सरकार

एवं राज्य सरकार की मंशा के अनुसार योजनाओं का निष्पादन किया जाये। उन्होंने समितियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को कहा कि वे सरकार की योजनाओं का फायदा लक्षित किसान तक पहुंचाने के लिये रियल टाइम सर्विस डिलेवरी को प्राथमिकता बनायें और उनके प्रति जवाबदेह बनें। इन मापदण्डों के आधार पर होगा मूल्यांकन–

डॉ. शर्मा ने बताया कि सहकारी संस्थाओं के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा उनकी कार्यप्रणाली में सुधार के लिये महत्वपूर्ण घटक है। इसके लिये 11 मापदण्ड निर्धारित किये गये हैं। जैसे समर्थन मूल्य पर किसानों का पारदर्शी ढंग से पंजीकरण करना, उनसे निर्धारित समयावधि में एफएक्यू मापदण्डानुसार जिन्स की तुलाई करना एवं विक्रय पर्ची जारी होने पर समय-सीमा में किसान को बैंक खाता में त्वरित भुगतान होने के आधार पर 10 अंक मिलेंगे। इसी प्रकार यदि समिति किसानों के लिये बुवाई सीजन से पहले प्रमाणित उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक का पर्याप्त बफर स्टॉक करती है और उसका सुचारू वितरण पोस मशीन के माध्यम करती है तो उसे 15 अंक मिलेंगे। किसी भी समिति के संचालन में पारदर्शी लेखांकन एवं ऑडिट व्यवस्था के साथ संचालक मण्डल की नियमित बैठकों का आयोजन करना एवं समिति के कामकाज की नियमित समीक्षा करने पर ही समिति के अधिकारियों एवं कार्मिकों की जवाबदेही को तय किया जा सकता है, इसलिये इनकी पालना के 5 अंक निर्धारित किये गये हैं। समिति के द्वारा दी जा रही सेवाओं के विस्तार एवं लाभ में वृद्धि तथा समिति में अनुपयोगी पत्रावलियों एवं रिकॉर्ड के निस्तारण के लिये 10 अंक निर्धारित हैं।

समिति को अपनी आय में वृद्धि करने के लिये प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्य करने, किसानों को तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराने मृदा परीक्षण की व्यवस्था करने, उन्नत कृषि तकनीक, खाद व मशीनरी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये 5 अंक निर्धारित किये गये हैं। यदि समिति द्वारा कस्टम हायरिंग सेंटर के रूप में कार्य किया जा रहा है और किसानों को किफायती दरों पर खेतीबाडी के काम में आने वाले महंगे कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की सेवायें दी जा रही है तो उन्हें 5 अंक मिलेंगे।

समीक्षा बैठक में शासन सचिव ने बताया कि भीण्डर, चौमहला, देवली, टोडारायसिंह एवं उनियारा की क्रय-विक्रय सहकारी समितियों द्वारा 50-50 अंक प्राप्त कर प्रदेश में अव्वल रही। उन्होंने सभी क्रय-विक्रय सहकारी समितियों का आह्वान किया कि वे निर्धारित मापदण्ड के आधार पर प्रथम स्थान पर आने का प्रयास करें। इसके लिये कार्यस्थल पर निर्धारित समयावधि में कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चत की जावे तथा किसानों की आवश?यकता एवं विभागीय योजनाओं की एसओपी के अनुसार सर्विस डिलेवरी को सुनिश्चित किया जावे।'

भारत का पहला पदक पक्का

लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके अलावा, उन्होंने चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता।

पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान पर लाखों ठगी का आरोप

नवीन जिंदल से पहचान बताकर काम में पार्टनर बनाने ठेकेदार को फंसाया

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान पर 17.52 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा है। जिंदल इस्पात लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम दिलाने का झांसा देकर ठेकेदार से फ्रॉड किया गया। अब कोर्ट ने उन पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र का कहना है कि, राजेश चौहान ने खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बताते हुए उद्योगपति नवीन जिंदल से करीबी संबंध होने का दावा किया था। भरोसा दिलाने के लिए जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर भी दिखाया और ट्रांसपोर्ट के काम में पार्टनर बनाने की बात कही। बाद में पता चला कि पूरा दस्तावेज फर्जी था। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) कोर्ट ने मोहन नगर पुलिस को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है।

कौन हैं राजेश चौहान?

राजेश चौहान भारत के पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने 1993 से 1998 के बीच भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। 90 के दशक में वे अनिल कुंबले और वेंकटपति राजू के साथ भारत की स्पिन तिकड़ी का अहम हिस्सा रहे।

- **दोस्त के जरिए हुई पहचान, करोड़ों के काम का दिया लालच-** पीड़ित दिनकर विश्वमित्र ने कोर्ट में बताया कि, उसकी मुलाकात दोस्त सरोज कुमार के जरिए राजेश चौहान से हुई थी। बातचीत के दौरान राजेश ने कहा कि उसकी गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी को ओडिशा के क्योंझर स्थित जिंदल इस्पात लिमिटेड में आयरन और अन्य सामग्री के ट्रांसपोर्ट का बड़ा ठेका मिला है। अगर वह ट्रक लगाकर इस काम में पार्टनर बनता है, तो उसे अच्छा मुनाफा मिलेगा। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपी ने जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर और दूसरे दस्तावेज भी दिखाए। इन्हें देखकर दिनकर ने साझेदारी के लिए हामी भर दी।

- **इकरारनामा हुआ, फिर अलग-अलग किस्तों में लिए 17.52 लाख रुपए-** शिकायत के अनुसार, 30 जुलाई 2021 को दोनों पक्षों के बीच इकरारनामा हुआ। उसी दौरान दिनकर ने 2.51 लाख रुपए का पहला भुगतान किया। इसके बाद आरोपी के कहने पर गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी के खाते में दो किस्तों में 15.01 लाख रुपए और ट्रांसफर कर दिए। इस तरह आरोपी ने कुल 17.52 लाख रुपए ले लिए। पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही ट्रांसपोर्ट का काम शुरू होगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी न तो काम मिला और न ही किसी तरह का फायदा।

पॉजिटिव सेल्फ टॉक ने हालैंड को बनाया सुपर स्टार

अर्लिंग हालेंड ने बताया- थकान सिर्फ दिमाग में होती है; विज्ञान भी यही कहता है

न्यूयॉर्क। फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।- फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।

हालिया फुटबॉल वर्ल्ड कप में नॉर्वे के अर्लिंग हालेंड 7 गोल दागकर टूर्नामेंट के चौथे सबसे सफल खिलाड़ी रहे। 6 फुट 5 इंच लंबे इस खिलाड़ी की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। पिछले साल की एक घटना है, जब मैनचेस्टर सिटी की ट्रेनिंग फैसिलिटी में हालेंड एक 'हाइपोक्सिक चैंबर' में एक्सरसाइज बाइक चला रहे थे। यह एक ऐसा कमरा होता है, जहां पहाड़ों जैसी ऊंचाई और तेज गर्मी का माहौल बनाकर हवा में ऑक्सीजन काफी कम कर दी जाती है। हालेंड को पूरी ताकत लगाकर अपना हार्ट रेट 150 बीट्स प्रति मिनट तक ले जाना था।

उन्होंने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा था कि वह यह बिल्कुल नहीं करना चाहते, लेकिन फिर भी करेंगे क्योंकि यह उनके शरीर और दिमाग दोनों के लिए अच्छा है।

वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे 2 विकेट से जीता

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-3 से सीरीज गंवाई, हेटमायर की फिफ्टी

ब्रिजटाउन। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में 2 विकेट की जीत हासिल की। हालांकि, बुधवार को मिली इस जीत के बावजूद टीम ने 5 मैचों की सीरीज 2-3 से गंवा दी। ब्रिजटाउन में कैरेबियाई टीम ने 269 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिमरोन हेटमायर ने नाबाद 69 रनों की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जॉयडन लेनिक्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत- टॉस हराने के बाद पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 268 रन बनाए। टीम ने 16 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां पर हेनरी निकोलस 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू फोर्ड ने बोल्ड किया।

यंग-केली ने पारी संभाली, दोनों की फिफ्टी- 5वें ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर विल यंग और निक केली ने कीवियों की पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद पर 86 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को विटेल लुईस ने विल यंग को बोल्ड करके तोड़ा। विल यंग ने 56 रन बनाए। यंग के आउट होने के बाद केली ने मार्क चैपमैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन चैपमैन 11 रन बनाकर आउट हो गए। चैपमैन के आउट होने के बाद विल यंग 64 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

टॉम लैथम ने स्कोर 200 पार पहुंचाया- मार्क चैपमैन के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे टॉम लैथम ने न्यूजीलैंड की पारी को 200 पार पहुंचा दिया। उन्होंने 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ ने 50 ओवर में टीम का स्कोर 268/9 पहुंचा दिया। विटेल लुइस और अल्जारी जोसेफ को दो-दो विकेट मिले।

कैरेबियाई ओपनर्स में फिफ्टी पार्टनरशिप 269 रन का टारगेट चेज करने उतरे कैरेबियाई ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। हालांकि, 59 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन भी लौट गए। एकीम ऑगस्टे 34 और जस्टिन ग्रीव्स 22 रन बनाकर आउट हुए। केसी कर्टी 20 और कप्तान शाई होप 39 रन बनाकर आउट हुए।

'आपके आंसू हमारे आंसू हैं'

मैदान पर भावुक हुए मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने लिखा खास पोस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है। स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।' लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने।

उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। स्पेन के खिलाफ मेसी 39 साल और 25 दिन की उम्र में मैदान पर उतरे। मेसी ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप (छह) खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

ED का जुर्माना रद्द

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे

IPL का पैसा विदेश भेजने का केस; बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नई दिल्ली। आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को आईपीएल 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े FEMA मामले में फैसला सुनाया था। इसमें मोदी को राहत देते हुए ED के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं।

2018 में लगा था 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना

ED ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी।

भारत से दक्षिण अफ्रीका पैसे भेजने का मामला था- यह मामला 2009 में IPL को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए BCCI ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन हुआ।

ट्रिब्यूनल बोली-

ललित व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं- ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ED की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया। उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए RBI की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था। ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह BCCI की ओर से FEMA के तहत कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका श्रेष्ठ ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका IPL से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया।

भारत की जगह लेना इतना आसान नहीं

ट्रंप के 200 अरब डॉलर के दांव पर एक्सपर्ट ने कह दी ये बात

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ का बम फोड़ा है। इस बार निशाने पर फार्मा सेक्टर है। ट्रंप चाहते हैं कि कंपनियां अमेरिका में रहकर मैन्युफैक्चरिंग करें। भारत में इसे लेकर हलचल है। वह दुनिया में जेनरिक दवाओं का बड़ा सौदागर है। इंडस्ट्री लीडर्स और ट्रेड एक्सपर्ट्स ने कहा कि जेनरिक दवाओं के लिए ट्रंप का टैरिफ प्लान एक्सपोर्ट पर असर डाल सकता है। लेकिन, मैन्युफैक्चरिंग की जटिलताओं और आर्थिक कारणों से अमेरिका में तेजी से शिफ्ट होना मुश्किल लगता है। ट्रंप ने अगस्त 2028 से इम्पोर्टेड जेनरिक दवाओं पर 100% और अगस्त 2029 से 200% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद है कि फार्मा कंपनियों को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाने के लिए दो साल का समय मिल सके।

भले ही दो साल बाद टैरिफ लागू हो जाएं। लेकिन, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि कंपनियां तब तक अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर पाएंगी। उन्होंने कहा, 'इसके लिए कई रेगुलेटरी जरूरतें होती हैं। मौजूदा माहौल इतने तेजी से बदलाव का समर्थन नहीं करता है।' जोशी के अनुसार, जेनरिक मेडिसिन मार्केट का अर्थशास्त्र भी बड़े पैमाने पर रीशोरिंग यानी उत्पादन को घरेलू देश में वापस लाने के खिलाफ काम करता है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में करीब 90 फीसदी प्रिस्क्रिप्शन जेनेरिक दवाओं के होते हैं। लेकिन, वैल्यू के हिसाब से जेनेरिक दवाओं की बाजार में हिस्सेदारी सिर्फ 13 फीसदी है। बाकी 87 फीसदी हिस्सेदारी पेटेंटेड और ब्रांडेड दवाओं की है। कंपनियां स्वाभाविक रूप से वहीं निवेश करेंगी जहां ज्यादा रिटर्न मिले। इसलिए कम मार्जिन वाली जेनेरिक दवाओं के मुकाबले ब्रांडेड दवाओं में निवेश करना व्यावसायिक रूप से ज्यादा फायदेमंद है।'

भारतीय जेनेरिक दवा निर्माता अमेरिका को हर साल लगभग 200 अरब डॉलर बचाने में मदद करते हैं। जोशी ने कहा, 'अगर भारतीय सप्लायर हट जाते हैं तो भारत को निर्यात में लगभग 10 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। लेकिन, अमेरिका को कहीं ज्यादा बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत पर भारी असर पड़ने की आशंका

ट्रंप के प्रस्तावित टैरिफ से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में भारत भी शामिल है। अमेरिका ने 2025 में 213 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट किए। इनमें 94.1 अरब डॉलर की तैयार दवाएं शामिल थीं। इससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मेडिसिन मार्केट बन गया। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2025 में दुनियाभर में 25.8 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट किए। इसमें से 9.7 अरब डॉलर (यानी 37.7%) अमेरिका भेजे गए। भारतीय कंपनियां देश में दी जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं की सप्लाई का 47% हिस्सा देती हैं। यह अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम में भारत की भूमिका को साफ दिखाता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लंबे समय में इसका असर टैरिफ के आंकड़ों से जितना गंभीर लग रहा है, उससे कम हो सकता है। फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने मनीकंट्रोल से कहा, 'सबसे खराब स्थिति यह हो सकती है कि दो साल बाद हमारे लगभग 60% शिपमेंट पर असर पड़े। समय के साथ यह आंकड़ा 80% तक बढ़ सकता है। लेकिन, 20-25% एक्सपोर्ट जारी रहने की संभावना है। जोशी ने कहा कि अमेरिका में जेनेरिक मैन्युफैक्चरिंग क्षमता स्थापित करना नीति-निर्माताओं की सोच से कहीं ज्यादा मुश्किल है। वह बोले, 'किसी भी जेनेरिक फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को शुरू से बनाने के लिए कम से कम पांच से 10 साल का समय लगता है।'

72% मुनाफा बढ़ा, फिर भी 5% टूट गया इंडसइंड बैंक का शेयर!

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के शानदार नतीजे पेश किए। बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 72% बढ़कर 1,037 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 603 करोड़ रुपये के आसपास था। इतना बड़ा मुनाफा आने के बावजूद शेयर बाजार में निवेशकों की प्रतिक्रिया उलटी रही। नतीजों के अगले ही दिन बैंक का शेयर 5% से ज्यादा टूटकर 1,015 रुपये के करीब पहुंच गया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब कंपनी का मुनाफा इतना बढ़ा है तो निवेशकों ने शेयर क्यों बेच दिए आइए आसान भाषा में समझते हैं। दरअसल, बैंक का मुनाफा जरूर बढ़ा, लेकिन निवेशकों की नजर सिर्फ नेट प्रॉफिट पर नहीं होती। वे बैंक के मुख्य कारोबार यानी नेट इंटरेस्ट इनकम और भविष्य की ग्रोथ पर भी ध्यान देते हैं। इंडसइंड बैंक की इंटरेस्ट इनकम लगभग स्थिर रही और यह 4,685 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 4,640 करोड़ रुपये थी, यानी बैंक की मुख्य कमाई में कोई बड़ा उछाल नहीं दिखा। यही वजह रही कि अच्छे मुनाफे के बावजूद बाजार ने ज्यादा उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि, बैंक के लिए कई सकारात्मक संकेत भी रहे। नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़कर 3.57% हो गया, जो पिछले साल 3.46% था। इसके अलावा बैंक की प्रोविजनिंग भी घटकर 1,384 करोड़ रुपये रह गई, जिससे मुनाफा बढ़ाने में मदद मिली। बैंक की एसेट क्वॉलिटी भी पहले से बेहतर हुई। ग्रॉस एनपीए घटकर 3.25% और नेट एनपीए 0.95% पर आ गया। इसका मतलब है कि खराब कर्ज का दबाव धीरे-धीरे कम हो रहा है।

चार्जिंग नेटवर्क के लिए 689 करोड़ रुपये मंजूर, लेकिन अभी तक खर्च निल बटे सन्नाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पीए ई ड्राइव स्कीम के तहत 6,562 पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल

चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए 688.84 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। लेकिन, अब तक कोई खर्च नहीं हुआ है। बुधवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को बताया कि सरकार ने पीए ई ड्राइव स्कीम के तहत पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये तय किए हैं। इसमें से 688.84 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। वहीं, अभी तक कोई खर्च नहीं हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि नई स्कीम के तहत मंजूरी तो मिल गई है। लेकिन, इसे लागू करने का काम अभी शुरू नहीं हुआ है। जवाब में सरकार के पुराने प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी गई है। इस स्कीम के तहत, देशभर में (हाईवे सहित) 9,332 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाए जाने हैं। इसमें मदद के लिए 912.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। सरकार ने इस स्कीम के तहत 898.37 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि स्कीम के तहत खर्च आने वाले महीनों में तेजी पकड़ने की उम्मीद है। कारण है कि इसे लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। सूत्रों ने कहा खर्च की रफ्तार उम्मीद से ज्यादा तेज होने की संभावना है। हम देश भर में पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाने के काम को तेजी से पूरा करने के लिए इसे लागू करने वाली एजेंसियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

होम लोन लेते समय भूलकर भी न करें 5 गलतियां, वरना सालों तक बढ़ता रहेगा ईएमआई का बोझ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी अपना घर खरीदने की तैयारी कर रहे हैं और होम लोन लेने वाले हैं, तो सिर्फ कम ईएमआई को देखकर फैसला करना भारी पड़ सकता है। कई लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें लाखों रुपये ज्यादा चुकाने पड़ते हैं। जानिए किन 5 गलतियों से बचकर आप अपना होम लोन सस्ता और आसान बना सकते हैं। घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन यह जिंदगी के सबसे बड़े फैसलों में से एक है। ऐसे में होम लोन लेने से पहले सिर्फ इस बात पर ध्यान देना कि सबसे ज्यादा लोन मिल जाए या सबसे कम ईएमआई बन जाए, सही तरीका नहीं है। सही योजना बनाकर लिया गया होम लोन भविष्य में आर्थिक बोझ बनने से बचा सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा का कहना है कि पहली बार घर खरीदने वाले लोग अक्सर कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका असर कई सालों तक उनकी जेब पर पड़ता है। लंबे पीरियडे का होम लोन लेने से हर महीने की ईएमआई तो कम हो जाती है, लेकिन पूरे लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज काफी बढ़ जाता है। इसलिए ऐसा पीरियड चुनें, जिसमें ईएमआई भी संभाली जा सके और ब्याज भी ज्यादा न देना पड़े। अगर आप कम डाउन पेमेंट करते हैं तो बैंक से ज्यादा रकम उधार लेनी पड़ती है। इससे लोन का अमाउंट बढ़ती है और कुल ब्याज भी ज्यादा देना पड़ता है। कोशिश करें कि अपनी क्षमता के अनुसार अच्छा डाउन पेमेंट करें। घर खरीदते समय सिर्फ लोन और ईएमआई ही खर्च नहीं होते। रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोसेसिंग चार्ज, इंश्योरेंस, मेंटेनेंस और दूसरे खर्च भी होते हैं। अगर पहले से इनका हिसाब नहीं लगाया तो बाद में बजट बिगड़ सकता है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं है तो बैंक ज्यादा ब्याज दर पर लोन दे सकता है। इससे ईएमआई और कुल पेमेंट दोनों बढ़ जाते हैं। इसलिए लोन लेने से पहले अपना क्रेडिट स्कोर बेहतर रखने की कोशिश करें। बैंक जितना अधिकतम लोन देने को तैयार हो, उतना लेना हमेशा समझदारी नहीं होती। इससे भविष्य में किसी इमरजेंसी या दूसरे जरूरी खर्च के लिए पैसे की कमी हो सकती है।

जेएलआर इंडिया का नया अश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम लॉन्च

मुंबई, 23 जुलाई। जेएलआर इंडिया ने भारतीय ग्राहकों के लिए नया अश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम लॉन्च किया है। कंपनी का कहना है कि इस नई पहल से रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी जैसी लग्जरी गाड़ियों की खरीद पहले से अधिक आसान, सुरक्षित और वित्तीय रूप से सुविधाजनक हो जाएगी। इसके साथ ही ग्राहकों के लिए बेहतर फाइनेंसिंग विकल्प भी उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी के अनुसार, यह कार्यक्रम विशेष रूप से भारतीय बाजार के लिए तैयार किया गया है। इसके तहत पात्र ग्राहकों को गाड़ी खरीदते समय ही एक्स-शोरूम कीमत का 55 प्रतिशत तक न्यूनतम गारंटीड बायबैक वैल्यू मिलेगी। यह सुविधा निर्धारित माइलेज सीमा, वाहन मॉडल और डीलर द्वारा तय नियम एवं शर्तों के अनुसार उपलब्ध होगी। जेएलआर इंडिया का कहना है कि यह योजना लग्जरी वाहन खरीदने वालों की सबसे बड़ी चिंता, यानी भविष्य में वाहन की रीसेल वैल्यू, को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। गाड़ी खरीदते समय ही उसकी न्यूनतम भविष्य की कीमत तय हो जाने से ग्राहकों का भरोसा बढ़ेगा और वे भविष्य में नई गाड़ी लेने या अपग्रेड करने की बेहतर योजना बना सकेंगे। जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि अश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम ग्राहकों को वाहन की भविष्य की कीमत को लेकर भरोसा देता है। उन्होंने कहा कि बेहतर फाइनेंसिंग विकल्पों के साथ यह पहल ग्राहकों को अधिक वित्तीय लचीलापन प्रदान करेगी और लग्जरी वाहन खरीदने के अनुभव को और बेहतर बनाएगी। उनका कहना था कि कंपनी का उद्देश्य केवल वाहन बेचना नहीं, बल्कि ग्राहकों को पूरी ओनरशिप अवधि के दौरान बेहतर अनुभव और दीर्घकालिक मूल्य उपलब्ध कराना है। कंपनी के मुताबिक, इस योजना के तहत ग्राहक फ्लेक्सिबल मासिक किस्तों का भी लाभ उठा सकेंगे।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक-सीएससी की साझेदारी गांव-गांव पहुंचेगी डिजिटल बैंकिंग

कोलकाता, 23 जुलाई। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता कर देशभर में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करने की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत एयरटेल पेमेंट्स बैंक की सेवाएं अब 5.60 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर उपलब्ध होंगी। इस पहल के बाद ग्राहक सीएससी केंद्रों पर बचत खाता खुलवा सकेंगे, सरकारी योजनाओं के लिए खाते लिंक करा सकेंगे और बिजली, पानी, मोबाइल सहित अन्य उपयोगिता बिलों का भुगतान कर सकेंगे। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों के लोगों को मिलेगा। सीएससी ई-गवर्नेंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि यह साझेदारी देशभर में सुरक्षित और सुलभ बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देगी तथा डिजिटल भुगतान को मजबूत बनाएगी। वहीं, एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मुख्य बिक्री एवं वितरण अधिकारी प्रणव कौशल ने कहा कि सीएससी के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश के अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने का लक्ष्य और मजबूत होगा। कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमेशा लीक से हटकर सोचें और जहां भी मौके मिलें, उन्हें अपनाएं: लक्ष्मी निवास मित्तल

नई दिल्ली, एजेंसी। लक्ष्मी निवास मित्तल आर्सेलर-मित्तल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। प्रोडक्शन के मामले में यह दुनिया की सबसे बड़ी स्टील और माइनिंग कंपनी है। राजस्थान के एक कारोबारी परिवार में जन्मे मित्तल की शुरुआत बहुत साधारण थी। ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद मित्तल अपने पिता के स्टील कारोबार से जुड़ गए। उन्होंने परिवार के स्टील कारोबार में तब तक काम किया, जब तक कि 1976 में दूसरी पीढ़ी के उद्यमी के तौर पर अपनी खुद की स्टील कंपनी शुरू नहीं की। तब से वह कारोबार को बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आज लक्ष्मी निवास मित्तल मल्टी-बिलियनेयर हैं। 2005 में फोर्ब्स ने मित्तल को दुनिया का तीसरा सबसे अमीर व्यक्ति बताया था। 2008 में भारत सरकार ने मित्तल को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उसी साल, उन्हें फोर्ब्स लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला। टाइम मैगजीन ने उन्हें दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक माना। फोर्ब्स के अनुसार, 22 जुलाई 2026 तक लक्ष्मी मित्तल की रियल टाइम नेटवर्थ 31.3 अरब डॉलर थी। जब लोग देख पाते हैं कि लीडर किस

दिशा में जा रहे हैं, तो उन्हें प्रेरित करना आसान हो जाता है। कारोबारी जिंदगी में यह एक सीख है कि सबसे पहले, आप जो काम कर रहे हैं, उसके लिए आपमें कमिटमेंट, डेडिकेशन और जुनून होना चाहिए। आखिरकार, आपको भावनाओं को दूर रखना होता है। हर किसी को मुश्किल समय का सामना करना पड़ता है। आप उनसे कैसे निपटते हैं और उनसे कैसे बाहर निकलते हैं, यही आपके दृढ़ संकल्प और समर्पण की परीक्षा है। मेहनत का फल जरूर मिलता है। आजकल बहुत से लोग कड़ी मेहनत करते हैं। इसलिए आपको यह पक्का करना होगा कि आप उनसे भी ज्यादा मेहनत करें और जो काम आप कर रहे हैं या जो लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं, उसके प्रति पूरी तरह समर्पित रहें। जब मैं खुद की और एक ओलंपियन की तुलना करता हूं तो मुझे लगता है कि बिजनेस की दुनिया में सफलता भी लगन और कड़ी मेहनत जैसे सिद्धांतों पर ही टिकी होती है। हमेशा लीक से हटकर सोचें और जहां भी मौके मिलें, उन्हें अपनाएं। एक मजबूत खिलाड़ी, जिसके पास काफी क्षमता हो, वह दबाव को बेहतर ढंग से झेल सकता है और एक ज्यादा स्थिर माहौल बना सकता है, जिससे शेयरहोल्डर्स और कर्मचारियों, दोनों को फायदा होता है। मैं हिंदी मीडियम स्कूल से आया था... प्रिंसिपल को लगा कि मैं इंग्लिश मीडियम कॉलेज में फिट नहीं हो पाऊंगा। हालांकि, स्कूल में मैं अपनी क्लास में टॉपर था और मुझे दूसरे कॉलेजों में भी एडमिशन मिल गया था। लेकिन, मैं असल में सेंट जेवियर्स में ही पढ़ना चाहता था।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट, तीन से चार महीनों में साइन होने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट है। अगले तीन से चार महीनों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इस डील के होने का लंबे समय से इंतजार है। इससे संकेत मिलता है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। बुधवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से इस बारे में जानकारी दी। मनीला में आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'डील... तैयार है। हमारे पास असल में कागजात मौजूद हैं।'

अधिकारी ने बताया कि अब बस वॉशिंगटन की ओर से 'सेक्शन 301' के तहत ट्रेड से जुड़ी जांच पूरी होनी बाकी है। इस कानून में गलत ट्रेड प्रैक्टिस शामिल हैं। यह अमेरिका को टैरिफ लगाने या जवाबी कार्रवाई करने की इजाजत देता

है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिशों के तहत मार्केट तक पहुंच बढ़ाने और ट्रेड से जुड़ी रुकावटों को कम करने के लिए एक द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, एग्रीमेंट लगभग पूरा हो चुका है। इसमें जो थोड़ी-बहुत देरी हो रही है, वह आपसी मुद्दों के अनसुलझे रहने के कारण नहीं, बल्कि अमेरिका में चल रही ट्रेड से जुड़ी जांच के कारण हो रही है।

जांच इस हफ्ते या अगले हफ्ते पूरी होने की उम्मीद: अधिकारी ने बताया कि 60 देशों से जुड़े 'सेक्शन 301' की एक जांच इस हफ्ते या अगले हफ्ते पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जब वह और दूसरी चल रही जांच पूरी हो जाएंगी, तो 'हमें न सिर्फ भारत में, बल्कि दूसरी जगहों पर भी प्रगति देखने को मिलेगी।' जब पूछा गया कि एग्रीमेंट कब तक पूरा हो सकता है तो अधिकारी ने जवाब दिया, 'शायद तीन-चार महीने और लग सकते हैं।' वॉशिंगटन पहले ही भारत समेत कई देशों पर 12.5% तक नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दे चुका है। इन देशों पर आरोप है कि वे जबरन मजदूरी से बनी चीजों के ट्रेड को रोकने में नाकाम रहे हैं।

मेरे परिवार को भरोसा नहीं था, प्रोफेसर ने नौकरी छोड़ बदला रास्ता, लाखों की कमाई का मॉडल पेश किया

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है एक ऐसे पूर्व प्रोफेसर की जिन्होंने शिक्षा जगत को छोड़कर बिल्कुल अलग रास्ता अपना लिया। उनका नाम है - डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार। उनके परिवार तक को यकीन नहीं था कि वह इस नए काम में सफलता हासिल कर पाएंगे। लेकिन, आज डॉ. नागेंद्रप्पा अपने इसी काम से लाखों की कमाई कर रहे हैं। नई दिल्लीः डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार कर्नाटक के बीदर जिले के रहने वाले हैं। वह पहले प्रोफेसर और प्रिंसिपल रहे हैं। हालांकि, शिक्षा जगत के दशकों लंबे करियर को विराम देकर उन्होंने अपना रास्ता बदल दिया। अपनी पुश्तैनी जमीन पर ऑर्गेनिक खेती को कमाई का नया जरिया बनाया। खेती के अपने अलग मॉडल से आज वह लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। 2021 में डॉ. नागेंद्रप्पा ने 5 एकड़ जमीन से शुरुआत की। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अवोकाडो, कटहल, जामुन और केले की खेती शुरू की। खेतों में जीवामृत, गोबर की खाद और हरी खाद का इस्तेमाल किया। अपने इंजीनियरिंग

बैकग्राउंड का फायदा उठाकर उन्होंने मिनी ट्रैक्टर और ब्रश कटर जैसे उपकरणों के जरिए खेती को मेकेनाइज्ड कर दिया। इससे मजदूरों पर निर्भरता कम हो गई। कृषि सलाहकार की मदद और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर (ड्रिप सिंचाई और फेंसिंग) तैयार करने के तीन साल के इंतजार के बाद उनके पौधों ने कमर्शियली फल देना शुरू किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, 'जब कोई शिक्षित व्यक्ति खेती का रुख करता है तो हर परिवार हिचकिचाता है। मेरा परिवार भी अलग नहीं था। शुरू में उन्हें पूरा भरोसा नहीं था कि मैं इसे सफलता से कर पाऊंगा।'

ऐसे बदल गया रास्ता

डॉ.नागेंद्रप्पा ने मेकेनिकल इंजीनियरिंग और प्रोडक्शन मैनेजमेंट में उच्च शिक्षा हासिल की है। उन्होंने टीचिंग और रिसर्च में दशकों का समय बिताया। आईआईटी बॉम्बे में रिसर्च स्कॉलर के रूप में काम किया। भारत के साथ इथियोपिया की यूनिवर्सिटी में भी सेवाएं दीं। हालांकि, समय के साथ फैकल्टी के सामने आने वाली चुनौतियों से हताश होकर उन्होंने 2020 में अकादमिक क्षेत्र छोड़ने का फैसला किया। इथियोपिया में ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति लोगों के जुड़ाव और फिर कोरोना महामारी के दौरान मिले समय ने उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। उनके मन में बीदर में 15 एकड़ के पुश्तैनी फार्म को ऑर्गेनिक हॉर्टिकल्चर बिजनेस मॉडल में बदलने का आइडिया आया। आज वह मुंबई और हैदराबाद के ऑर्गेनिक स्टोर्स और 100 से अधिक डायरेक्ट कस्टमर्स को उत्पाद बेच रहे हैं।

युद्ध के बीच एयर इंडिया का बड़ा ऐलान, तेल अवीव-दिल्ली रूट पर सितंबर तक सभी फ्लाइट सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में फिर से शुरू हुई लड़ाई और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस बीच, एयर इंडिया ने बुधवार को बड़ा ऐलान कर दिया। उसने कहा कि वह तेल अवीव-दिल्ली रूट पर अपनी उड़ानों को सितंबर के आखिर तक सस्पेंड कर रही है। एयरलाइन इस इलाके में सुरक्षा हालात को देखते हुए कई महीनों से इस रूट पर अपनी उड़ानों को लगातार सस्पेंड करती आ रही है।

सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच ऐलान

यह ताजा घोषणा पिछले 10 दिनों में सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच आई है। कारण है कि अमेरिका और ईरान के बीच मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है। अमेरिकी सेना ने ईरान में पुलों, पानी को खारापन-मुक्त करने वाले प्लांट और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया है। इसके जवाब में तेहरान ने पश्चिम एशिया में सहयोगी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं।

एयर इंडिया के इजरायल ऑपरेशन्स के प्रमुख एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि 'सुरक्षा चिंताओं के कारण' ऑपरेशन्स को 'सितंबर के आखिर तक' और सस्पेंड कर दिया गया है। इलाके में तनाव के चलते कई दूसरी बड़ी इंटरनेशनल एयरलाइंस भी 'इंतजार करो और देखो' यानी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अपना रही हैं।

इजरायली एयरलाइंस जैसे एल अल,

इजराएयर, अर्किआ और एयर हाइफा के अलावा बहुत कम इंटरनेशनल एयरलाइंस ही ऑपरेट कर रही हैं। इससे काम, छुट्टी या परिवार से मिलने के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे लोगों के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा हो गई हैं। फरवरी के आखिर में ईरान-अमेरिका संघर्ष शुरू होने के कुछ हफ्ते बाद भारतीय एयरलाइन ने अप्रैल में मई के आखिर तक अपने ऑपरेशन्स को रोकने की घोषणा की थी। इसे बाद में जुलाई के आखिर तक और अब सितंबर के आखिर तक बढ़ा दिया गया है। एयर इंडिया की उड़ानों के सस्पेंशन से इजरायल में रह रहे 40,000 से ज्यादा भारतीयों के बीच बड़ी चिंता पैदा हो गई है। ये निजी या प्रोफेशनल कारणों से या फिर इलाके में अनिश्चितता से बचने के लिए भारत आना चाहते हैं।

अनुपम खेर बनेंगे जटायु की आवाज

नितेश तिवारी की *रामायण* इस साल की बहु प्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। कई बड़े दिग्गज सितारों से सजी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, साई पल्लवी सीता माता की भूमिका में नजर आएंगी। अनुपम खेर भी फिल्म का हिस्सा हैं।

फिल्म *रामायण* में यश को रावण की भूमिका में देखा जाएगा। रवि दुबे को लक्ष्मण की भूमिका में देखा जाएगा। इनके अलावा अभिनेता अनुपम खेर भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें लिखा है, अनुपम खेर ने फिल्म में जटायु के किरदार को अपनी आवाज दी है।

इस पोस्ट में लिखा है, अनुभवी एक्टर अनुपम खेर को फिल्म रामायण में कन्फर्म किया गया है। वे नितेश तिवारी की *रामायण* में जटायु के किरदार को आवाज देंगे। इस एलान के साथ ही उन महीनों की अटकलों पर विराम लग गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि अमिताभ बच्चन जटायु की आवाज बनेंगे। मगर, अब पता चला है कि *बिग बी* नहीं, अनुपम खेर की आवाज दर्शक सुनेंगे।

उम्मीद है कि रावण के साथ जटायु की लड़ाई फिल्म के सबसे इमोशनल और दमदार दृश्यों में से एक होगी। निर्देशक नितेश तिवारी ने इस सीन को एक अहम सिनेमैटिक पल बताया है, जिसमें अनुपम खेर की आवाज इस सम्मानित किरदार को स्क्रीन पर जीवंत कर देगी।

फिल्म *रामायण* दो हिस्सों में बनेगी। फिल्म में सनी देओल को हनुमान के रोल में देखा जाएगा। फिल्म का संगीत हंस जिमर और ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। रामायण का पहला भाग इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा। दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

देर रात तक जागने और खाने की आदत बिगाड़ती है आपका मेटाबॉलिज्म

आजकल रात-रात भर जागना हमारी दिनचर्या का एक आम हिस्सा बन गया है। हम सभी यह सुनते आए हैं कि देर रात तक जागना सेहत के लिए अच्छा नहीं है, फिर भी हम अक्सर इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन हाल ही में हुए एक नए शोध ने इस आदत को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है।

फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन जर्नल में हाल ही में एक शोध प्रकाशित हुआ है। इस स्टडी में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो लोग रात में देर तक जागते हैं और उस दौरान अधिक एनर्जी, कार्बोहाइड्रेट और फैट वाली चीजें खाते हैं, उनके शरीर में गंभीर बदलाव आ सकते हैं। ऐसे लोगों में नीचे बताई गई परेशानियां देखने को मिल सकती हैं :

-शरीर में फैट का कुल प्रतिशत बढ़ना
-पेट की चर्बी में इजाफा
-ब्लड शुगर के स्तर का बढ़ना
-लिपिड लेवल का अधिक होना

इस रिसर्च को ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ, स्पोर्ट एंड सोशल वर्क की शोधकर्ता रोजेन क्रूगर ने लीड किया है। उनका कहना है कि हमारे शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक हमारी खाने की पसंद, हमारे व्यवहार और मेटाबॉलिज्म पर बहुत गहरा असर डालती है।

एक दिलचस्प बात यह भी सामने आई कि सुबह जल्दी उठने वाले लोग और देर रात तक जागने वाले लोग- दोनों ही दिनभर में लगभग एक जैसी ही मात्रा में खाना या एनर्जी लेते हैं। यानी, दोनों की खुराक में बहुत अंतर नहीं होता। असल समस्या यह है कि आप किस समय खा रहे हैं। सही समय पर भोजन न करना ही इस पूरी समस्या की असली जड़ है।

इस नतीजे तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने 18 से 45 साल की उम्र की 287 महिलाओं को अपने अध्ययन में शामिल किया था। इस दौरान महिलाओं के खानपान की आदतों को बारीकी से देखा गया, जिसमें कई हैरान करने वाले पैटर्न सामने आए :

-जो महिलाएं देर रात तक जागती थीं, उनमें सुबह के वक्त कम एनर्जी और कम प्रोटीन वाला भोजन लेने की संभावना काफी ज्यादा देखी गई।

-सुबह कम खाने की भरपाई ये महिलाएं अक्सर रात में करती थीं। वे ज्यादा एनर्जी, अधिक कार्बोहाइड्रेट और फैट से भरपूर चीजें खाती पाई गईं।

-शाम और रात के समय ज्यादा एक्टिव रहने वाली महिलाओं ने उन महिलाओं (जो सुबह या दिन के बीच में एक्टिव रहती हैं) की तुलना में कम माइक्रोन्यूट्रिएंट और कम एनर्जी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन किया।

देखो हंस न देना.....

पिंकी : मेरा बॉस सबको परेशान करता था तो कल शाम को मैंने उसके खाली टिफिन में चुपके से एक चॉकलेट और एक पर्ची डाल दी।
पिंकी : क्या लिखा था पर्ची में?
रिंकी : उसमे लिखा था कि, जानू तुम ही खाना, उस पागल औरत को मत देना।

मरीज : डॉक्टर साहब, मैं हर बात तुरंत भूल जाता हूं कोई दवाई दीजिए।
डॉक्टर : एक काम करो, पहले आप मुझे फीस दे दो, कहीं तुम दवाई लेने के बाद मेरी फीस भी भूल गए तो....।

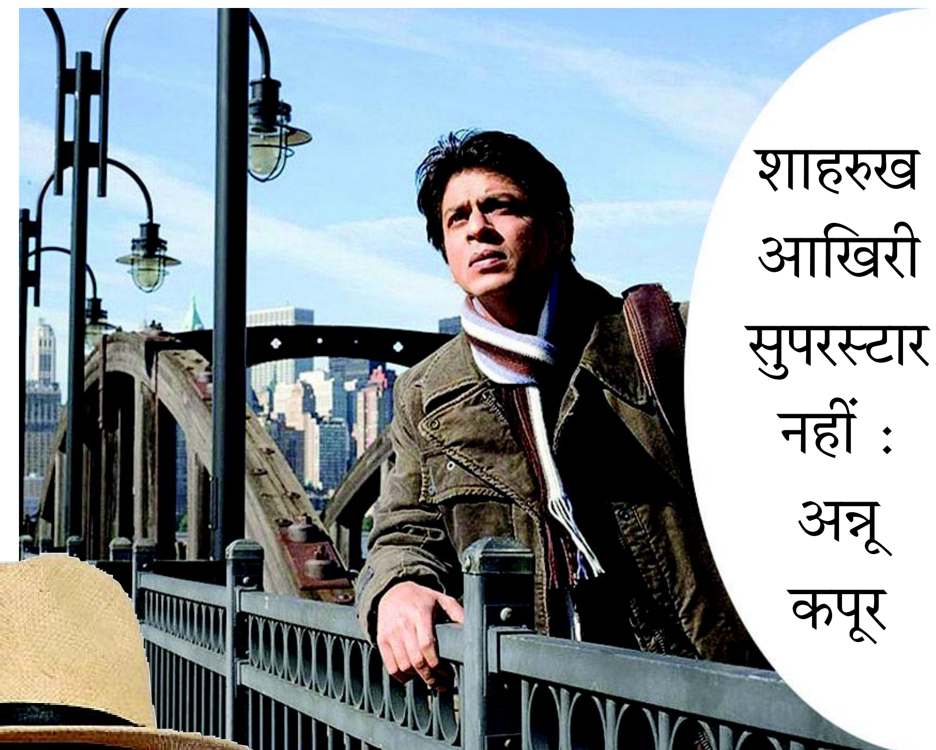

शाहरुख आखिरी सुपरस्टार नहीं : अन्नू कपूर

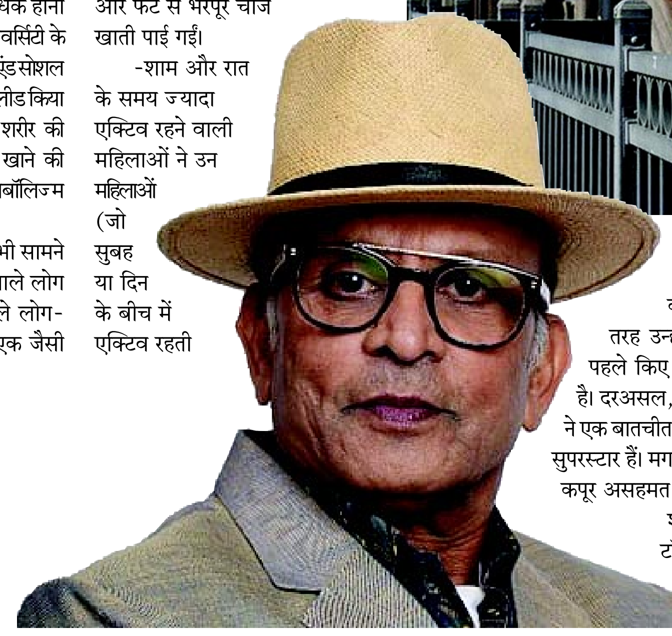

अन्नू कपूर ने शाहरुख खान को आखिरी सुपरस्टार कहने से इनकार कर दिया है। इस तरह उन्होंने शाहरुख खान के ही वर्षों पहले किए गए दावे को खारिज कर दिया है। दरअसल, कुछ साल पहले शाहरुख खान ने एक बातचीत में जिक्र किया था कि वे आखिरी सुपरस्टार हैं। मगर, शाहरुख की इस बात से अन्नू कपूर असहमत हैं।

शाहरुख खान ने अनुपम खेर के टॉक शो *कुछ भी हो सकता है* में बात करते हुए कहा था, मैं विनम्र हूं। लेकिन सच कहूं तो आखिरी सुपरस्टार हूं। उनके फैंस इस बात से सहमत भी होते हैं। मगर, अन्नू कपूर की राय एकदम अलग है।

फिल्म डर में शाहरुख खान के साथ काम कर चुके अन्नू कपूर का कहना है कि इंडस्ट्री में किसी भी स्टार के बारे में ऐसा कहना गलत है। शाहरुख आखिरी सुपरस्टार हैं, उन्हें ऐसा नहीं लगता। अन्नू कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें याद नहीं कि उन्होंने फिल्म डर में उनके साथ काम किया था। मगर, बाद में खुद ही इस बात की ओर संकेत किया कि उस वक्त शाहरुख खान नए अभिनेता थे। कितने ही पुराने कलाकार हैं, जिनकी जगह इडंस्ट्री में नए कलाकारों ने ली है।

प्लास्टिक के बर्तन में गर्म खाना तुरंत कर दें बंद

गर्भावस्था में डायबिटीज का खतरा

गर्मागर्म खाना और चाय-कॉफी को रखने के साथ ही खाने के लिए प्लास्टिक के डिब्बे और कप का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह गर्भवती के लिए घातक हो रहा है। गर्म होने से प्लास्टिक से निकल रहे *बिस्फेनाल-ए* शरीर में पहुंच रहे हैं, इससे गर्भावस्था में मधुमेह की बीमारी हो रही है। यह एसएन मेडिकल कालेज में अप्रैल 2023 से नवंबर 2024 186 गर्भवती पर की गई स्टडी में सामने आया है।

एसएन मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग में गर्भावस्था में डायबिटीज (जेस्टेशनल डायबिटीज) के कारण जानने के लिए अप्रैल 2023 से नवंबर 2024 तक स्टडी की गई। मेडिसिन विभाग के प्रो. प्रभात अग्रवाल के निर्देशन में जूनियर डाक्टर तृतीय वर्ष शिव कुमार ने स्टडी की।

स्त्री रोग विभाग में आने वाली सभी गर्भवती की मधुमेह की जांच कराई गईं। 186 गर्भवती को स्टडी में शामिल किया गया। इसमें से 83 गर्भवती ऐसी थी जिनका शुगर का स्तर 140 से कम (खाने खाने के बाद) और 83 गर्भवती का शुगर का स्तर 160 से 200 के बीच में था। इन्हें जेस्टेशनल डायबिटीज थी। काउंसिलिंग में सामने आया कि गर्भधारण करने से पहले मधुमेह की बीमारी नहीं थी। सभी 186 गर्भवती में *बिस्फेनाल-ए* का स्तर पता करने के लिए पेशाब की जांच कराई गई। जिन गर्भवती का शुगर का स्तर सामान्य था उनमें बिस्फेनाल-ए की अधिकतम मात्रा 14.19 मिली। वहीं, जेस्टेशनल डायबिटीज से पीड़ित गर्भवती में *बिस्फेनाल-ए* का अधिकतम स्तर 41.17 तक मिला।

प्रो. प्रभात अग्रवाल ने बताया कि प्लास्टिक को सख्त बनाए रखने के लिए *बिस्फेनाल-ए* का इस्तेमाल किया जाता है, यह पानी में घुलनशील है। एक की प्लास्टिक के बाक्स बार बार गर्म खाना रखने से *बिस्फेनाल-ए* उसमें घुल जाता है। इसी तरह से चाय के कप में भी *बिस्फेनाल-ए* घुल जाता है। *बिस्फेनाल-ए* घुले खाने और चाय पीने से यह शरीर में पहुंच जाता है। इससे बीटा सेल्स प्रभावित हो रही हैं और मधुमेह की बीमारी हो रही है।

गर्भावस्था में मधुमेह गर्भवती के साथ ही गर्भस्थ शिशु के लिए घातक होता है। गर्भावस्था में शुगर का स्तर नियंत्रित करने के लिए टेबलेट नहीं दी जाती हैं, इंसुलिन इंजेक्शन लगवाने पड़ते हैं। 95 प्रतिशत में प्रसव के बाद शुगर का स्तर सामान्य हो जाता है लेकिन पांच प्रतिशत में मधुमेह की आशंका रहती है। वहीं, दूसरी बार गर्भधारण होने पर 90 प्रतिशत में जेस्टेशनल डायबिटीज का खतरा रहता है।

प्लास्टिक के डिब्बे और कप का इस्तेमाल गर्भवती के लिए घातक हो रहा है। गर्म होने से प्लास्टिक से निकल रहे बिस्फेनाल-ए से गर्भावस्था में मधुमेह की बीमारी हो रही है।

सामंथा ने करण जौहर को बताया नाखुश शादियों की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो *कॉफी विद करण* के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ अक्षय कुमार भी मौजूद थे।

सामंथा ने करण जौहर के शो *कॉफी विद करण* से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं।

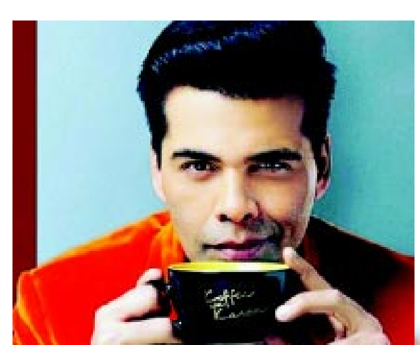

सामंथा ने कहा, बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी *कभी खुशी कभी गम* जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी *केजीएफ* जैसी मुश्किलों से भरी होती है।

सामंथा जल्द ही मां बनने वाली हैं। वह और उनके पति राज निदिमोरु अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। सामंथा ने हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पक्का किया है।

अपनी नई फिल्म *मा इंटी बंगारम* की सफलता के बाद मीडिया से बात करते हुए सामंथा ने बताया कि वह कुछ समय के लिए फिल्मों से ब्रेक ले रही हैं। उन्होंने कहा, *मा इंटी बंगारम* के बाद वह मैटरनिटी लीव पर जा रही हैं। ब्रेक के बाद वह एक नई फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच दोबारा वापसी करेंगी।

सामंथा और फिल्ममेकर राज निदिमोरु की पहली मुलाकात वेब सीरीज द *फैमिली मैन 2* की शूटिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों ने पिछले साल दिसंबर में शादी कर ली थी। यह सामंथा की दूसरी शादी है। इससे पहले उन्होंने साल 2017 में एक्टर नागा चैतन्य से शादी की थी।

नितेश तिवारी की *रामायण* का हिस्सा बनकर खुश रकुल

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म *रामायण* का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने *रामायण* के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म *रामायण* में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा। वहीं, दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2027 में दिवाली के अवसर पर रिलीज होगा।

फिल्म *जवान* के डायरेक्टर एटली ने रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म *रामायण* का ट्रेलर देख लिया है। उन्होंने इसकी जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के किरदारों को लेकर अपनी खास राय पेश की है।

एटली ने *एक्स* पर लिखा कि *रामायण* का ट्रेलर देखकर वह दंग रह गए। उनके मुताबिक, फिल्म का हर सीन जादुई और भव्य है। उन्होंने रावण का रोल कर रहे यश को खतरनाक, रणबीर कपूर को बेहद सुंदर और साई पल्लवी को सीता के रोल में बहुत आकर्षक बताया। फिल्म का ट्रेलर अभी ऑनलाइन रिलीज नहीं हुआ है, लेकिन 24 जुलाई को इसे सबके लिए जारी किया जाएगा।

नमस्कार
अपर असम

प्रातः खबर

शुक्रवार, 24 जुलाई 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30^{0}	19^{0}
डिब्रुगढ़	29^{0}	17^{0}
तिनसुकिया	30^{0}	18^{0}
शिवसागर	30^{0}	19^{0}

दुमदुमा के श्री सुन्दरकाण्ड परिवार का प्रथम वार्षिक महोत्सव 4 को

दुमदुमा 23 जुलाई (सं)। चाय नगरी दुमदुमा की श्री सुन्दरकाण्ड परिवार दुमदुमा का प्रथम वार्षिक महोत्सव आगामी 4 अगस्त मंगलवार को नगर के मारवाड़ी पंचायती भवन में मनाया जाएगा। इसमें सालासर धाम से लाई गई बालाजी महाराज की प्रतिमा मुख्य आकर्षण रहेगी। इस दौरान बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। छप्पन भोग, बालाजी महाराज की ज्योत, महाआरती, अमृत भण्डारा का भी आयोजन किया जाएगा। शाम 4.01 बजे से पूजन प्रारंभ, 5.01 दीप प्रज्वलन, 5.31 बजे से भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ शुभारंभ किया जाएगा एवं रात्रि 9.31 बजे से भक्ति गणों के बीच अमृत भण्डारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जोरहाट में आज शान से निकली भगवान जगन्नाथ की उल्टी रथयात्रा

देवी लक्ष्मी नहीं खोलेगी मंदिर के पट, रसगुल्ले से मनाएंगे प्रभु

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। जोरहाट में कल भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए उत्सव का एक बड़ा मौका फिर होगा, जब भगवान की उल्टी रथ यात्रा उनके मंदिर के लिए रवाना होगी। दोपहर तीन बजे मरियानी रोड स्थित जीबी गट्टाणी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स से निकलने वाली यह रथ यात्रा दो किलोमीटर का सफर तय कर चिनामारा स्थित श्री जग्गनाथ मंदिर पहुंचेगी। उल्लेखनीय है कि बीते आठ दिनों से भगवान जग्गनाथ अपने निज मंदिर से दूर मौसी के घर आए हुए थे। इस बार यह पारंपरिक व्यवस्था जीबी गट्टाणी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स में की गई। रोजाना सुबह मंगल आरती और रात को शयन आरती सहित कुल पांच आरती के साथ पूजन व भंडारा यहां रोजाना चल रहा है। कल समापन पर भोग आरती के बाद महाप्रसाद का आयोजन होगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी देखने को मिलेगी। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के सदस्य प्रदीप नायक ने बताया कि बीते 16 जुलाई को निकली रथ यात्रा में भक्तों का जो उत्साह था, कल भी वैसा ही उत्साह वापसी में नजर आएगा। दोनों ही रथ यात्राओं का सामान महत्व है। कल भक्त रंग, गुलाल लगाकर भगवान जग्गनाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को रथ पर बिठाकर मंदिर की तरफ रवाना करेंगे। यजमान के रूप में राजा इंद्रद्युम्न की भूमिका निभा रहे गौरीशंकर झंवर झाड़ू लगाकर पथ को निर्मल करते हुए रथ का मार्ग प्रशस्त करेंगे। रथ यात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने पर वहां भगवान जगन्नाथ को पुनः मंदिर में विराजमान किया जाएगा। इससे पहले भगवान की एक और लीला यहां नज़र आएगी। रथ के मंदिर पहुंचने पर मंदिर के कपाट बंद मिलेंगे। मान्यता है कि देवी लक्ष्मी भगवान जगन्नाथ के अपने बहन और भाई के साथ अकेले ही रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलने से रूष्ट हो जाती है। पंचमी तिथि को हेरा पंचमी कहा जाता है, जब देवी लक्ष्मी भगवान को खोजते हुए उनके मौसी के घर पहुंच जाती है और अपनी नाराजगी जाहिर करती है। ऐसे में भगवान कुछ दिनों में लौट आने का भरोसा देकर देवी लक्ष्मी को पुनः मंदिर वापस लौटा देते है। कल भगवान के आगमन पर देवी लक्ष्मी गुस्से में कपाट बंद कर बैठ जाती है। उन्हें मिट्टी के बर्तनों में रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है और तब जाकर वह कोप भवन से बाहर आकर प्रसन्न होती है। भगवान जगन्नाथ की विविध लीलाओं में कल यह लीला अनुपम होगी। मंदिर समिति की तरफ से ओमप्रकाश धूत ने कल सभी भक्तों से उलटी रथ यात्रा में शामिल होकर भगवाना की लीला के दर्शन करने का अनुरोध किया है। वहीं जय जगन्नाथ सेवा समिति ने भी सभी भक्तों से कल समापन पर सहयोग और उपस्थिति की अपील की है। इधर बीते 16 जुलाई से जीबी गट्टाणी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स मानों दूसरा पुरी धाम बना हुआ है। मुरलीधर गट्टाणी इस अवधि को जीवन काल में सुनहरा वक्त बताते हुए भगवान जगन्नाथ की कृपा सभी पर बने रहने की बात कहते है। उनका कहना है कि भगवान स्वस्थ और आनंदमय रखें, ताकि अगले साल फिर उनके स्वागत में तत्पर हो सकें। बीते आठ दिनों से यहां रोजाना आयोजित महाप्रसाद में भक्तों की श्रद्धा और भाव देखने लायक रहा। गट्टाणी ने कल अंतिम दिवस सभी भक्तों से जीबी गट्टाणी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स पहुंचने का अनुरोध किया है।

जोरहाट में बड़े पैमाने पर लोग बाढ़ से प्रभावित, प्रशासन ने जारी किये आंकड़े

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। जोरहाट जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण आई बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा जारी 22 जुलाई 2026 की आधिकारिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार जिले के पांच राजस्व चक्रमरियानी, जोरहाट पश्चिम, जोरहाट पूर्व, टियोक और तिताबर के कुल 177 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इस प्राकृतिक आपदा से जिले के 97,690 लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें 40,745 पुरुष, 38,445 महिलाएं और 18,500 बच्चे शामिल हैं। वहीं 34,592 पशुधन तथा 5,510.96 हेक्टेयर कृषि भूमि भी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जिला प्रशासन ने अब तक 16 राहत शिविर और 34 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री, शुद्ध पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला आयुक्त जय शिवानी स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उनके निर्देशन में जिला प्रशासन की टीम, अतिरिक्त जिला आयुक्त, सहायक आयुक्त, राजस्व चक्र अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। जिला आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी बाढ़ प्रभावित व्यक्ति राहत सामग्री, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधा, शिशु आहार और पशु चारे से वंचित न रहे। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में चावल, दाल, नमक, सरसों का तेल, बिस्कुट, पीने का पानी, शिशु आहार, दवाइयां, मोमबत्ती, ब्लीचिंग पाउडर, सैनिटरी नैपकिन, तिरपाल, हैलोजन टैबलेट तथा पशु चारा समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत एवं बचाव अभियान में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), असैनिक रक्षा विभाग तथा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। ग्राम स्तर पर लाट मंडल, गांवबूढ़ा तथा पंचायत सचिवों के माध्यम से राहत सामग्री प्रत्येक प्रभावित परिवार तक पहुंचाई जा रही है। जिला प्रशासन ने बाढ़ से संबंधित किसी भी आपात स्थिति या बचाव सहायता के लिए लोगों से जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने की अपील की है। इसके लिए टोल-फ्री नंबर 1077, दूरभाष नंबर 0376-2300124 तथा मोबाइल नंबर 60265-98982 और 70020-25416 जारी किए गए हैं।

जोरहाट में आज से पांच दिवसीय जीवन उपयोगी सत्संग समारोह

साधक संजीवनी पर आधारित, वृंदावन से पधारेंगे श्री हरिकृष्णदासजी महाराज

खबर संवाददाता

जोरहाट 23 जुलाई। परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन स्वामी रामसुखदास जी महाराज द्वारा श्रीमद्भगवत गीता पर लिखी टीका 'साधक संजीवनी' पर आधारित दुर्लभ सत्संग का कल से जोरहाट में आयोजन होने जा रहा है। इस 5 दिवसीय 'जीवन उपयोगी सत्संग समारोह' का आयोजन 24 जुलाई से 28 जुलाई तक श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित सत्संग भवन में किया जाएगा।संतों की चरण रज को शिरोधार्य कर इस दुर्लभ सत्संग रूपी अमृत का पान देश विदेश में करवाने वाले श्री हरिकृष्णदासजी महाराज (श्री चितरंजन दासजी महाराज) का आगमन कल हो रहा है। श्री धाम वृंदावन से पधारने वाले महाराज जी के सान्निध्य में रोजाना अपराह्न 3:30 बजे से 5:30 बजे तक सत्संग का क्रम चलेगा। इससे पहले अपराह्न 3:00 बजे से भजन और संकीर्तन के साथ सत्संग समारोह की शुरुआत होगी। वहीं प्रातः 4.55 से 6.15 बजे तक नित्य स्तुति-प्रार्थना भी होगी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यू ट्यूब चैनल 'पंचवटी सत्संग' पर भी किया जाएगा। सत्संग समारोह के विषय में अधिक जानकारी हेतु जगदीश गट्टाणी (94350-90509), रुक्मिणी कलानी (97060-90177), मंजु तोषनीवाल (94354-78753) अथवा हरिशंकर करवा से (94355-14200) संपर्क किया जा सकता है।

रेलवे कर्मचारी गणेश गोगोई ने मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में दिया 15 दिन का वेतन

खबर संवाददाता

जोरहाट 23 जुलाई। राज्य में आई भीषण बाढ़ के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कर्मचारी भी सहयोग में पीछे नहीं है। असम में बाढ़ की भयावह स्थिति के बीच जरूरतमंदों की मदद के लिए रेलवे के कर्मचारी गणेश गोगोई आगे आए हैं। गोगोई ने अपना 15 दिन का वेत मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष में दान कर दिया है। यह पहली बार नहीं है, जब गोगोई ने सहयोग का हाथ आगे बढ़ाया। इससे पहले भी उन्होंने दो बार भारत सरकार के बाढ़ राहत कोष में और कोरोना संकट के दौरान असम सरकार को आर्थिक सहायता भेजी थी। गणेश गोगोई एनएफआर ओबीसी एसोसिएशन के संयुक्त महासचिव और तिनसुकिया डिवीजन के सचिव भी हैं। चराईदेव जिले के निवासी गणेश गोगोई के इस मानवता के उदाहरण की हर ओर सराहना हो रही है।

जोरहाट जिला औषधि व्यवसायी संघ ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी 8 हजार पानी की बोतलें

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की सहायता के लिए जोरहाट जिला औषधि व्यवसायी संघ आगे आया है। पूर्वी जोरहाट के टियोक तथा उत्तर-पश्चिम जोरहाट के एलेंगमोरा क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच संघ ने एक लीटर की आठ हजार शुद्ध पेयजल की बोतलों का वितरण किया। बाढ़ के कारण दोनों क्षेत्रों के अनेक परिवारों को अपने घर छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे तथा ऊंचे तटबंधों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसे कठिन समय में पेयजल वितरण से बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत मिली। संघ के अध्यक्ष संजीव बोरा ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संगठन पुनः प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा और वहां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करेगा, ताकि बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम और लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। पेयजल वितरण अभियान में संघ के अध्यक्ष संजीव बोरा के साथ सुशील भट्टड़, अम्बरीश बरुआ, प्रांजल प्रतिम बोरा, अजय बरदलै और दिलीप दत्त ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

भोगदोई के तेज बहाव में डूबी वृद्धा की तीन जाबांजों ने बचाई जान

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। जोरहाट के बोरीगांव में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच आज एक वृद्ध महिला नदी में डूबने लगी। हालांकि समय रहते की गई बचाव की कोशिशों से महिला की जान बच गई। रुनू फुकन (70) नामक यह महिला पैर धोने के लिए नदी किनारे गई थी। इस दौरान संतुलन बिगड़ा और पैर फिसलने से वह नदी की तेज धार में डूबने उतराने लगी। इस दौरान तीन जाबांज युवक महिला की नाज़ुक स्थिति को देख नदी में कूद पड़े। नदी का तेज बहाव महिला को कई मीटर दूर ले गया, लेकिन जाबांजों के तैरने की रफ्तार कम नहीं थी और आखिरकार महिला को सकुशल किनारे लाने में यह सफल रहे। बाद में महिला को जरूरी उपचार देकर उसकी स्वास्थ्य जांच की गई। फिलहाल वृद्ध महिला पूरी तरह सुरक्षित है। जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ के दौरान सावधानी और एहतियात की अपील के बावजूद ऐसी घटनाएं होना चिंता का विषय है। दूसरी तरफ स्थानीय लोगों ने महिला की जान बचाने वाले तीनों जाबांजों के लिए उचित सम्मान की मांग की है।

मारवाड़ी युवा मंच ने बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाए गर्म भोजन के पैकेट

खबर संवाददाता

जोरहाट 23 जुलाई। जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए मारवाड़ी युवा मंच, जोरहाट शाखा ने गुरुवार को राहत सेवा अभियान चलाते हुए लायंस रोटी वैन (रोटी ऑन व्हील्स) के सहयोग से 1200 से अधिक ताज़ी रोटियां और सब्जी तैयार कर जरूरतमंदों तक पहुंचाने की पहल की। एलेंगमोरा चाराली के समीप आयोजित इस सेवा अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन तैयार किया। इसके बाद भोजन के पैकेट जोरहाट के सर्किल ऑफिसर तथा सीडीआरफ और एनडीआरएफ की टीम को सौंपे गए, ताकि इन्हें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों में रह रहे लोगों तक समय पर पहुंचाया जा सके। अभियान में मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने भोजन तैयार करने तथा उसकी पैकिंग और वितरण व्यवस्था में सक्रिय योगदान दिया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय समाज के हर वर्ग का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और इसी उद्देश्य से यह सेवा अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मंच के सचिव सीए जितेश पटवारी, उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, कार्यकारिणी सदस्य अमृत जालान, अमृतधारा संयोजक मनोज बलदेवा, स्वच्छ भारत अभियान संयोजक संतोष जैन, रक्त संयोजक भरत साराफ तथा सदस्य सिद्धांत अग्रवाल उपस्थित रहे। मारवाड़ी युवा मंच, जोरहाट शाखा ने कहा कि संस्था समाज सेवा के अपने संकल्प के अनुरूप भविष्य में भी जनहित और आपदा राहत से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी।

दुमदुमा में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्रा-छात्राएं उतरे सड़कों पर

संवाददाता

दुमदुमा, 23 जुलाई। इन दिनों पूरे देश में परीक्षा को ठीक से आयोजित न करा पाने वाली सरकार के विरुद्ध नाराज हैं और आंदोलन हो रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की मांग को लेकर आज दुमदुमा में कई छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए। आज सुबह दुमदुमा के बीचों बीच स्थित गांधी मूर्ति के सामने सैकड़ों छात्र छात्राओं ने 'धर्मेंद्र प्रधान होशियार', 'भाजपा सरकार मुर्दाबाद' जैसे नारों के साथ जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध कर रहे छात्रों ने ठीक से परीक्षा आयोजित न करा पाने वाली सरकार द्वारा छात्रों पर किए गए हमले की भी कड़ी निंदा की। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन को अपना पूरा समर्थन दिया और इस आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात कही।

काकोजान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ा गड्ढा, दुर्घटना की आशंका बढ़ी

खबर संवाददाता

टियोक, 23 जुलाई। टियोक के काकोजान क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर एक बड़ा गड्ढा बनने से आवागमन खतरे में पड़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क का यह हिस्सा किसी भी समय पूरी तरह धंस सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की आशंका जताई जा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने बांस और बैरिकेड लगाकर सड़क के एक हिस्से को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है, ताकि वाहन चालक सतर्क रहें और किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और स्थिति का जायजा ले रही है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि आवागमन सुरक्षित हो सके।

बुढ़ीदिहिंग और दिसांग नदियों की बाढ़ से टिंगखांग के कई इलाके प्रभावित, राहत शिविरों में रहने को मजबूर लोग

मोरानहाट, 23 जुलाई (सं)। ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ जिले में बुढ़ीदिहिंग और दिसांग नदियों के बाढ़ के पानी से प्रभावित क्षेत्रों में हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं, लेकिन बाढ़ पीड़ितों की परेशानियां अभी भी कम नहीं हुई हैं। टिंगखांग विधानसभा क्षेत्र के 2 नंबर शलगुरी, कैवर्त गांव, दिसांग-रोंगचोवाल और चेचा नेपाली गांव में बाढ़ का पानी कुछ हद तक उतर गया है, फिर भी कई परिवार अब तक तटबंधों पर बनाए गए अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। बाढ़ का पानी घटने के बाद घरों के भीतर और आसपास भारी मात्रा में गाद और कीचड़ जमा हो गई है। कुछ परिवारों ने अपने घरों की सफाई शुरू कर दी है, जबकि कई लोग अब तक अपने घरों में लौट भी नहीं पाए हैं। बाढ़ से प्रभावित 2 नंबर शलगुरी, 2 नंबर भरालीबाड़ी कलिता गांव, दिसांग-रोंगचोवाल और चेचा नेपाली गांव में बाढ़ के दौरान बेहद गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई थी। बाढ़ पीड़ितों को पेयजल, आवागमन और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। गांव तक पहुंचने वाला एकमात्र सड़क मार्ग अभी भी कई स्थानों पर पानी में डूबा हुआ है, जिसके कारण लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। हालांकि बुढ़ीदिहिंग और दिसांग नदियों का जलस्तर 2 से 3 फीट तक घट चुका है, लेकिन अधिकांश घर अभी भी रहने योग्य नहीं बन पाए हैं। ऐसे में प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्वास के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं की बहाली का इंतजार है।

बाढ़ के बीच रेल कर्मचारियों के लिए एनएफ रेलवे कर रहा राहत और भोजन की विशेष व्यवस्था

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। शिवसागर जिले में दिखौ नदी के बढ़ते जलस्तर से उत्पन्न बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफ रेलवे) का तिनसुकिया मंडल न केवल बाढ़ प्रभावित रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को राहत उपलब्ध करा रहा है, बल्कि रेलवे ट्रैक और अन्य आवश्यक सेवाओं की बहाली में जुटे अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के लिए भी भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कर रहा है। सिमलुगुड़ीआमगुड़ी तथा सिमलुगुड़ी टाउनलाकुआ रेलखंडों में बहाली का कार्य लगातार जारी है। ट्रैक मेंटेनर, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत तथा अन्य विभागों के कर्मचारी प्रतिकूल मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद दिन-रात रेल सेवाओं को जल्द बहाल करने के लिए कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों के मनोबल और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रेलवे प्रशासन ने सिमलुगुड़ी रेलवे स्टेशन पर नियमित रूप से ताजा पका हुआ दोपहर और रात्रि भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही, जिन रेल कर्मचारियों के आवास बाढ़ के पानी में डूब गए हैं और जिन्हें उनके परिवारों सहित सिमलुगुड़ी स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहराया गया है और उन्हें भी भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। आसपास के प्रभावित लोगों को भी इस राहत व्यवस्था का लाभ मिल रहा है। रेलवे प्रशासन के अनुसार 22 जुलाई को लगभग 350 लोगों को दोपहर तथा 350 लोगों को रात्रि भोजन कराया गया। वहीं 23 जुलाई को यह संख्या बढ़कर लगभग 500 तक पहुंच गई। वरिष्ठ रेलवे अधिकारी लगातार बाढ़ की स्थिति और बहाली कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है, ताकि प्रभावित लोगों को समय पर सहायता मिल सके और रेल सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके।

जोरहाट में बाढ़ प्रभावितों को150 राहत किट वितरित

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। जोरहाट जिले के निकटवर्ती बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आज राहत सेवा परियोजना सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अभियान का आयोजन नॉर्थ ईस्ट कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन और जोरहाट आईटी एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित परिवारों को कुल 150 आवश्यक सामग्री किट के साथ पीने का पानी वितरित किया गया। वितरण प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष बनाने के लिए स्थानीय पंचायत सदस्यों और गांव के प्रभारियों के साथ समन्वय किया गया।

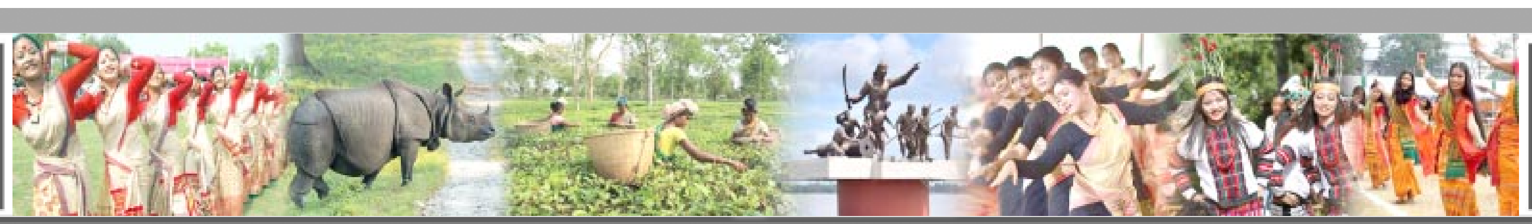

डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर में जमीनी स्तर पर क्रिकेट विकास को लेकर व्यापक मंथन

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 23 जुलाई। डिब्रूगढ़ क्रिकेट कोचिंग सेंटर (डीसीसीसी) के कार्यालय में जिले में जमीनी स्तर पर क्रिकेट के विकास, युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा भविष्य की खेल योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आधुनिक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बैठक में डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ (डीडीएसए) के अध्यक्ष निरंजन सैकिया, उपाध्यक्ष मानस दत्ता, एसबीआई लाइफ के क्षेत्रीय प्रबंधक मृदुल कलिता तथा एसबीआई लाइफ के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व रणजी क्रिकेटर प्रणब बरुआ और सलीम अहमद, खेल प्रशासक निरंजन दास, सौरव भागवती तथा डीसीसीसी के अध्यक्ष ज्ञान शर्मा सहित कई खेल प्रेमियों और

पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने जिले में क्रिकेट की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कोचिंग व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, आयु वर्ग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने तथा ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जोड़ने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। खिलाड़ियों के लिए नियमित प्रशिक्षण शिविर, अभ्यास मैच, प्रतियोगिताओं और फिटनेस कार्यक्रमों के आयोजन पर भी विचार- विमर्श किया गया। बैठक में यह भी कहा गया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल प्रतिभा पर्याप्त नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, मानसिक तैयारी और उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं की भी आवश्यकता होती है। इसके लिए खेल संस्थाओं, पूर्व खिलाड़ियों और निजी क्षेत्र के सहयोग से दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करने पर बल दिया गया। पूर्व रणजी खिलाड़ियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि शुरुआती स्तर पर सही मार्गदर्शन मिलने से खिलाड़ियों का भविष्य संवर सकता है। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी तथा प्रशिक्षकों से खिलाड़ियों की तकनीकी कमियों को दूर करने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। बैठक में उपस्थित एसबीआई लाइफ के प्रतिनिधियों ने भी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल गतिविधियों में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि कॉर्पोरेट संस्थानों की भागीदारी से खेल अवसंरचना को मजबूत किया जा सकता है तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। अंत में डीसीसीसी के अध्यक्ष ज्ञान शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैठक में प्राप्त सुझावों को आगामी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खेल प्रशासकों, पूर्व खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और कॉर्पोरेट संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से डिब्रूगढ़ में क्रिकेट का मजबूत आधार तैयार होगा और आने वाले वर्षों में जिले के अधिक खिलाड़ी राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

बामुनबाड़ी की छात्रा आइनी सोनोवाल की मौत पर उबाल डिब्रूगढ़ में तीन घंटे सड़क जाम

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 23 जुलाई। मोरान के बामुनबाड़ी हाई स्कूल की कक्षा नौ की 14 वर्षीय छात्रा आइनी सोनोवाल की कथित आत्महत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर डिब्रूगढ़ जिले में जनाक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को एक ओर डिब्रूगढ़ के चौकीडिंगी क्षेत्र में विभिन्न छात्र एवं सामाजिक संगठनों ने लगभग तीन घंटे तक सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर लेंगेरी क्षेत्र में मृत छात्रा के परिजनों के साथ विभिन्न संगठनों ने तीन घंटे का धरना देकर आरोपी शिक्षिका की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बामुनबाड़ी हाई स्कूल की छात्रा आइनी सोनोवाल को विद्यालय की एक शिक्षिका द्वारा लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिसके कारण उसने गत 16 जून को अपने घर में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, विद्यालय में एक विवाद के बाद छात्रा पर फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर शिक्षिका की तस्वीर का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया। इसके बाद उसे विद्यालय में बुलाकर कथित रूप से सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया तथा उसके पिता के मोबाइल फोन से आपत्तिजनक व्हाट्सऐप स्टेटस पोस्ट कराने का भी दबाव बनाया गया। परिवार का दावा है कि इन घटनाओं के बाद छात्रा गहरे मानसिक तनाव में चली गई। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद छात्रा के पिता ने बामुनबाड़ी पुलिस चौकी में संबंधित शिक्षिका और एक अन्य व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन परिजनों और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मुख्य आरोपी शिक्षिका अब तक गिरफ्तारी से बाहर है। इसी को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। चौकीडिंगी में हुए सड़क जाम के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात रोक दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोगों ने आरोपी शिक्षिका की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष एवं त्वरित जांच तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इधर, लेंगेरी क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक एवं छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों तथा मृत छात्रा के परिजनों ने तीन घंटे तक शांतिपूर्ण धरना देकर प्रशासन पर कार्रवाई तेज करने का दबाव बनाया। वक्ताओं ने कहा कि यह केवल एक छात्रा की मौत का मामला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने मांग की कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष हो तथा दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। धरना और सड़क जाम की सूचना मिलने पर पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद दोनों स्थानों पर प्रदर्शन समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो सका।

शक्ति विरासत 75 वर्षों की अमृत यात्रा के अंतर्गत तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव का भक्तिमय समापन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 23 जुलाई । श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी, तिनसुकिया द्वारा अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष 'शक्ति विरासत 75 वर्षों की अमृत यात्रा' के अंतर्गत आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव का गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक समापन हो गया। श्री श्री दुर्गा मंदिर, बाबूपट्टी में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में तीनों दिनों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर मातृशक्ति ने उपस्थित होकर माँ आदिशक्ति की आराधना की तथा धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर माँ भगवती के जयकारों, वैदिक मंत्रोच्चार एवं भक्ति संगीत से गुंजायमान रहा। महोत्सव के प्रथम दिन देवसर दुर्गा माता परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक देवसर माता मंगल पाठ का आयोजन किया गया। दूसरे दिन जय माँ दुर्गा पाठ मंडली ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री दुर्गा सप्तशती पाठ संपन्न कराया, जिसमें श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। वहीं, तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव के अंतिम दिन नवमी के पावन अवसर पर दादी मंडली, तिनसुकिया द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ जीण माता मंगल पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने माँ आदिशक्ति से परिवार की सुख-समृद्धि, समाज के कल्याण एवं विश्व शांति की प्रार्थना की। श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी ने बताया कि यह आयोजन समिति के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में महिला समिति एवं तिनसुकिया की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया गया। तीनों दिनों तक धार्मिक अनुष्ठानों में शहरवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष भव्यता प्रदान की। समिति के पदाधिकारियों ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी धार्मिक संगठनों, महिला समिति, दादी मंडली, जय माँ दुर्गा पाठ मंडली, देवसर दुर्गा माता परिवार, श्रद्धालुओं, समाजसेवियों एवं शहरवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सभी से इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की। समिति का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन न केवल सनातन संस्कृति और परंपराओं को सशक्त करते हैं, बल्कि समाज में एकता, आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक संस्कारों को भी नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

नगांव में अवैध रेत व पत्थर का कारोबार जारी

खबर संवाददाता

नगांव, 23 जुलाई (ख.सं)। नगांव और कार्बी आंग्लांग की सीमा से प्रतिदिन जिले के विभिन्न हिस्सों में पत्थर और रेत से लदे ओवरलोडेड ट्रक और डंपर लगातार आवाजाही कर रहे हैं। वन विभाग की नजरों से बचाकर परिवहन किये जा रहे इन ओवरलोडेड डंपरों पर अब नगांव जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई की है। आज तड़के जिला परिवहन विभाग ने पत्थर से लदे दो डंपरों को जब्त किया। केवल ओवरलोडेड डंपरों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि नगांव नगर निगम क्षेत्र में चलने वाले बैटरी चालित तिपहिया वाहनों के खिलाफ भी जिला परिवहन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है।

असम कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना महोत्सव का शुभारंभ

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। असम कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय, गुवाहाटी तथा असम कृषि विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय राष्ट्रीय सेवा योजना महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के माधव चंद्र दास स्मृति प्रेक्षागृह में आयोजित उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दीपज्योति राजखोवा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक स्वयंसेवी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह युवाओं के चरित्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व, समुदाय से जुड़ाव, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्रों में कार्य करते हुए स्वयंसेवक आदर्श नागरिक बनने का अवसर प्राप्त करते हैं और यही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक एवं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विनय कुमार मेधी ने स्वागत भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक डी. कार्तिकेयन ने उत्तर-पूर्व भारत के युवाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और समाजोन्मुखी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में एनएसएस की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे महोत्सव विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवकों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और अनुभवों के आदान-प्रदान को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर महोत्सव की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। विश्वविद्यालय के पंजीयक दामोदर बर्मन ने अपने संबोधन में एनएसएस से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह युवाओं के लिए राष्ट्र और समाज सेवा के माध्यम से नेतृत्व क्षमता विकसित करने का उत्कृष्ट मंच है। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं पूर्व छात्र कल्याण निदेशक प्रो. डॉ. राणा प्रताप भुइयां, पूर्व स्नातकोत्तर शिक्षा निदेशक एवं वर्तमान महालेखाकार प्रो. डॉ. चंदन हजारिका तथा कॉर्पोरेट क्रिकेट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का सम्मान प्राप्त करने वाले दीपू सैकिया को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि 23 से 27 जुलाई तक आयोजित इस पांच दिवसीय महोत्सव में असम के अलावा अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षण संस्थानों से लगभग 300 एनएसएस स्वयंसेवक एवं कार्यक्रम अधिकारी भाग ले रहे हैं।

गौशाला प्रकरण में सहयोग के लिए बाबा कालीदास दहाल ने जताया आभार

खबर संवाददाता

तिनसुकिया,23 जुलाई। तिनसुकिया शहर के लॉ कॉलेज रोड स्थित शिवशक्ति मंदिर में गुरुवार को बाबा कालीदास दहाल ने एक महत्वपूर्ण पत्रकार सम्मेलन को संबोधित किया।इस दौरान उन्होंने नौपोखरी ज्योति नगर स्थित श्री तिनसुकिया गौशाला में गायों की दुखद मृत्यु की हृदयविदारक घटना के बाद जांच एवं सहयोग देने वाले पशुपालन विभाग,जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन तथा सभी संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।वही मीडिया की भूमिका की भी उन्होंने प्रशंसा की। पत्रकारों को संबोधित करते हुए बाबा कालीदास दहाल ने कहा कि घटना के बाद प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता के साथ लिया।पशुपालन विभाग,जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने अपने दायित्वों का तत्परता से निर्वहन किया,जिसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हु।उन्होंने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल,स्थानीय विधायक पुलक गोहाई,तिनसुकिया नगरपालिका के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष तथा वार्ड पार्षदों द्वारा सहयोग के लिए भी आभार किया। बाबा कालीदास दहाल ने पशुपालन विभाग के चिकित्सकों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बीमार गौमाता के उपचार तथा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए।उनके समर्पण और सेवा भावना के लिए उनका विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हु। पत्रकार सम्मेलन में बाबा कालीदास दहाल ने मीडिया की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों ने इस हृदयविदारक घटना को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ जनता के सामने रखा तथा लगातार तथ्यात्मक जानकारी प्रसारित की। इसके लिए उन्होंने सभी पत्रकारों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

उरियामघाट में नव उद्दित युवा संघ की 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला संपन्न

सरूपथार, 23 जुलाई(ख.सं)। उरियामघाट के नवज्योति माजगांव स्थित नव उद्दित युवा संघ के तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हो गया। विगत 8 जुलाई से शुरू हुई इस कार्यशाला में तीन विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को कविता पाठ, सृजनात्मक नृत्य, निबंध लेखन और चित्रकला का प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह का संचालन युवा संघ के प्रह्लाद बोरा ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में ऐसी कार्यशालाओं की आवश्यकता पर रेंगमा सीमा हाई स्कूल के सहायक शिक्षक प्रताप गोगोई, दक्षिण गोलाघाट आंचलिक पंचायत के अध्यक्ष दिल बहादुर लिम्बू, करैघाट

ग्राम पंचायत की अध्यक्ष प्रमिला देवी, उमेश दओमध्य इंग्लिश स्कूल के सहायक शिक्षक राजेश्वर बोड़ो तथा समाजसेवी राजूमणि बोरा ने अपने विचार व्यक्त किए।कार्यशाला में घनश्री बोरा, सुनू सुतिया और प्रियमी बरुवा ने क्रमशः कविता पाठ, चित्रकला और नृत्य के प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया।उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के कई गांवों से आए 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में धनपुर गांव के गांव प्रधान ठगिराम गोगोई, उरियामघाट प्रेस क्लब के सचिव उदिप बोरा, स्थानीय युवा समाजसेवी प्रफुल्ल ज्योति गोगोई सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। क्षेत्र के जागरूक लोगों ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से आयोजित इस समयानुकूल कार्यशाला की सराहना करते हुए आयोजकों की प्रशंसा की।

गौरीपुर में मवेशियों से भरा ट्रक जब्त, 4 धराये

धुबड़ी, 23 जुलाई (ख.सं)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर में पुलिस ने मवेशियों की कथित अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25 मवेशियों से भरा एक ट्रक जब्त किया और चार संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया। गुप्त सूचना के आधार पर गौरीपुर पुलिस की एक टीम ने रात में मलातीखामार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर अभियान चलाया। इसी दौरान ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें 25 मवेशी पाये गये। प्रारंभिक जांच के अनुसार मवेशियों को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से असम लाकर कथित रूप से अवैध तरीके से बेचने की कोशिश की जा रही थी।

डिब्रूगढ़ में कथित प्रतिबंधित गौमांस की होम डिलीवरी का भंडाफोड़

पंद्रह किलो संदिग्ध मांस जब्त, आरोपी जाकिर अली व दीप अली गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 23 जुलाई। डिब्रूगढ़ पुलिस ने शहर में कथित रूप से प्रतिबंधित गौमांस की होम डिलीवरी से जुड़े एक मामले का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जाकिर अली और दीप अली के रूप में हुई है। पुलिस ने नियमित नाका जांच अभियान के दौरान बनीपुर के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक स्कूटर को रोककर उसकी तलाशी ली, जिसमें लगभग 15 किलोग्राम संदिग्ध गौमांस बरामद होने का दावा किया गया। पुलिस ने मांस और स्कूटर दोनों को जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई नियमित वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। तलाशी के दौरान स्कूटर से संदिग्ध मांस मिलने पर चालक से पूछताछ की गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि मांस चाउलखोवा क्षेत्र से लाया गया था और इसे डिब्रूगढ़ शहर के विभिन्न इलाकों में होम डिलीवरी के माध्यम से पहुंचाया जाना था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने तत्काल मामले की गहन जांच शुरू कर दी। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने चाउलखोवा क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान कथित आपूर्ति नेटवर्क से जुड़े एक अन्य व्यक्ति दीप अली को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस का मानना है कि दोनों आरोपी कथित रूप से मांस की आपूर्ति और वितरण से जुड़े हुए थे। मामले से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद मांस का वास्तविक स्रोत क्या था, इसे कहां से लाया गया और किन-किन लोगों तक इसकी आपूर्ति की जानी थी। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि क्या शहर में प्रतिबंधित मांस की बिक्री और होम डिलीवरी का कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय है।

हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में नौ दिवसीय श्री राम कथा का समापन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 23 जुलाई। शहर के सॉलिसिटर रोड स्थित हिंदुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा का आज देर शाम समापन हो गया।इस मौके पर आसू की जिला समिति के सदस्यों ने कथा वाचक नीरज भैया का असमिया परंपरा से अभिनंदन किया। इस भव्य कार्यक्रम के अंतिम दिन आज भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। महिला भक्तों की संख्या इस दौरान अधिक थी। विशाल पंडाल खचाखच भर हुआ था। यह पहला मौका था, जब ठाकुरबाड़ी में इस तरह के भव्य व दिब्य कथा कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। कथा समापन के बाद आरती व महाप्रसाद का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने अपने घरों आरती की थाली लेकर आई थी।आयोजन समिति ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया है। कार्यक्रम के दौरान काज़ीरंगा के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा व भाजपा के जिलाध्यक्ष शांतनु पुजारी सहित कई विशिष्ट लोंगों ने राम दरबार मे हाजिरी लगाई और सभी ने व्यवस्था की सराहना की।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR- 94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI- 73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250